राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मैं वास्तव में भाग्यशाली था, जब गायकवाड़ हमारे कोच थे : तेंदुलकर

केंद्र के अध्यादेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी दिल्ली सरकार, संसद से ... 12

वर्ष : 11 | अंक : 10 | पटना, रविवार, 21 मई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 43°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,995
चांदी	72,500
सेंसेक्स	57,635
निफ्टी	16,986

केंद्र का अध्यादेश 'पारदर्शिता और जवाबदेही' सुनिश्चित करने के लिए लाया गया : रविशंकर

प्रात : किरण

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि दिल्ली में अधिकारियों के तबादले और तैनाती के संबंध में केंद्र का अध्यादेश 'पारदर्शिता और जवाबदेही' सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है। शनिवार को मीडिया से मुखातिब होते हुए श्री प्रसाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की अनुसूची 2 के तहत दिल्ली में प्रशासन के संबंध में किसी विशेष कानून की अनुपस्थिति का हवाला दिया था। उन्होंने कहा कि हमें अध्यादेश लाना पड़ा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ दिनों के भीतर, दिल्ली सरकार ने खुद को मजबूत करना शुरू कर दिया। इसने 2010 बैच के आईएएस अधिकारी वाईके राजशेखर को स्थानांतरित कर दिया। वे शीश महल में अनियमितताओं की जांच कर रहे थे। प्रसाद का इशारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के नवीनीकरण के लिए भारी खर्च का था। रविशंकर प्रसाद ने बताया कि अध्यादेश के अनुसार, जो समिति अब इस तरह के तबादलों और नियुक्तियों की सिफारिश करेगी, उसकी अध्यक्षता अभी भी दिल्ली के मुख्यमंत्री करेंगे। प्रसाद ने कहा कि दिल्ली भारत का दिल है। यह पूरे देश की राजधानी है। यहां अक्सर दुनिया भर के गणमान्य लोग दौरा करते हैं।

इसलिए हमें एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता थी जो स्थानांतरण और पोस्टिंग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली यूनियन टेरिटरी है, न कि अरविंद केजरीवाल टेरिटरी।

पूर्व केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री ने कहा कि राजशेखर दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं की भी जांच कर रहे थे। उन्होंने कहा कि न केवल उनका तबादला कर दिया गया है। बल्कि एक एनजीओ द्वारा लगाए गए झूठे आरोपों पर उनके खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। प्रसाद ने सेवा सचिव आशीष मोरे सहित दो दलित आईएएस अधिकारियों को कथित तौर पर डराने-धमकाने की भी बात कही। इन अधिकारियों ने मंत्री सौरभ भारद्वाज के खिलाफ शिकायत करते हुए दिल्ली के मुख्य सचिव और उपराज्यपाल को पत्र लिखा था। प्रसाद ने कहा कि इसलिए, अध्यादेश लाना आवश्यक था, जो अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा और ईमानदार लोगों की रक्षा भी करेगा। 2,000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने के बारे में एक सवाल के जवाब में प्रसाद ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने एक विस्तृत संचार जारी किया है, जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि इन उच्च मूल्यवर्ग के नोटों का उपयोग कैसे कम हो रहा था। हम अपने कांग्रेस मित्रों को याद दिलाना चाहते हैं कि मनमोहन सिंह के शासन के दौरान भी पुराने नोट चलन से बाहर कर दिए जाते थे।

सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण में दिग्गज विपक्षी नेताओं का जुटान

सिद्धरमैया दूसरी बार बने कर्नाटक के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने भी शपथ ली

प्रात : किरण

बेंगलुरु/एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। सिद्धरमैया के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने भी शपथ ग्रहण की, जो राज्य सरकार में उप मुख्यमंत्री होंगे। वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जी परमेश्वर, एम बी पाटिल, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन कार्जुन खरगे के पुत्र प्रियंक खरगे, वरिष्ठ नेता के एच मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, सतीश जाकीहीली, रामालिंगा रेड्डी और बी जेड जमीर अहमद खान ने मंत्री पद की शपथ ली।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने स्थानीय कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सिद्धरमैया, शिवकुमार और अन्य नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ समारोह विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में आयोजित हुआ। कांग्रेस ने इस समारोह के माध्यम से विपक्षी एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया। शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने भी इस समारोह में शिरकत की। कांग्रेस ने दक्षिण भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य में सरकार गठन में सामाजिक समीकरण को साधने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कुरुबा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और उप मुख्यमंत्री शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वहीं, परमेश्वर, मुनियप्पा और प्रियंक दलित समुदाय से संबंध रखते हैं, जबकि एम बी पाटिल लिंगायत समुदाय से आते हैं। खान मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और जॉर्ज का संबंध ईसाई समुदाय से है। जाकीहीली अनुसूचित जनजाति समुदाय से आते हैं, जबकि रामालिंगा रेड्डी का संबंध रेड्डी जाति से है। कर्नाटक मंत्रिमंडल में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है। फिलहाल मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री समेत कुल 10 सदस्य हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। सिद्धरमैया इससे पहले मई 2013 से मई 2018 के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। कभी जनता दल और जनता दल (सेक्युलर) का हिस्सा रहे सिद्धरमैया दो बार राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। पिछली विधानसभा में वह नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा रहे थे। वहीं, कर्नाटक में कांग्रेस के संकटमोचक कहे जाने वाले शिवकुमार पिछले लगभग तीन वर्षों से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वह प्रदेश में कांग्रेस की पिछली कुछ सरकारों में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। कांग्रेस विधायक दल की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में सिद्धरमैया को औपचारिक रूप से नेता चुना गया था, जिसके बाद उन्होंने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया था। कर्नाटक में 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटें अपने नाम की थीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा नीत जनता दल सेक्युलर ने क्रमशः 66 और 19 सीटें हासिल की थीं।

सीबीआई कोर्ट ने लालू का पासपोर्ट रिलीज करने का दिया आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

रांची। राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई कोर्ट से पासपोर्ट रिलीज करने की अनुमति मांगी थी। मामले में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने लालू का पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दे दिया। लालू ने कोर्ट में अधिवक्ता के माध्यम से याचिका दाखिल की थी। अधिवक्ता अनंत कुमार विज ने शनिवार को बताया कि पासपोर्ट रिनुअल करवाने के लिए अदालत से रिलीज करने का अनुरोध किया गया था। उसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि लालू चारा घोटाले के अलग-अलग मामलों में सजायाफ्ता हैं। उन्हें हाई कोर्ट से बेल मिली है। फिलहाल वह जमानत पर हैं। जमानत की शर्त के अनुसार उनका पासपोर्ट कोर्ट में जमा रखना है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने द्वारकाधीश के समक्ष झुकाया शीश

द्वारका/अहमदाबाद, एजेंसी। केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के समक्ष शीश झुकाया और गर्भगृह में ठाकोरजी की चरण पादुका की विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पूर्व उन्होंने शारदा पीठ के शंकराचार्य सहजानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। जामनगर हवाईअड्डे पर स्थानीय नेताओं समेत गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। वे कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा देवभूमि द्वारका में उन्होंने दर्शन किए। अहमदाबाद और गांधीनगर के विभिन्न कार्यक्रमों में भी वे हिस्सा लेंगे। शाह शनिवार को देवभूमि द्वारका जिले के ओखा में नेशनल एकेडमी ऑफ कोस्टल पुलिसिंग (एनएसीपी) के स्थायी परिसर की आधारशिला रखेंगे।

चार कार्यक्रमों में शामिल होंगे शाहः अमित शाह पांच तटीय चौकियों का भी ई-उद्घाटन करेंगे, जो कच्छ जिले में मेडी और जखाऊ के बीच 164 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही 18 ऐसी चौकियों में शामिल हैं। गांधीनगर में केंद्रीय मंत्री 20 और 21 को चार कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को शाह एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वे बोरिज गांव के एक प्राथमिक स्कूल के बच्चों को खेल सामग्री वितरित करेंगे। वह गांधीनगर नगर निगम की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे और गांधीनगर (उत्तर) विधानसभा सीट में आयोजित क्रिकेट मैच में शामिल होंगे।

320 बसों की शुरूआत कराएंगेः रविवार को अमित शाह राज्य सड़क परिवहन निगम की 320 बसों की शुरूआत करवाएंगे और गांधीनगर में अमूल्फेड डेयरी की आधुनिक जैविक परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन करेंगे। अपनी यात्रा के दूसरे दिन शाह अहमदाबाद में मोदी समुदाय के एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। वे शहर के नारनपुरा वार्ड में एक व्यायामशाला व पुस्तकालय और अहमदाबाद के छरोड़ी गांव में एक पुनर्विकसित झील का भी उद्घाटन करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

वैशाली मे 600 कार्टन विदेशी शराब बरामद

हाजीपुर। बिहार में वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र से पुलिस ने 600 कार्टनविदेशी शराब बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि सूचना के आधार पर शुक्रवार की देर रात शंभूपुर कुआरी गांव स्थित एक ठिकाने पर छापेमारी की गयी। इस दौरान ट्रक पर लदी 600 कार्टन हरियाणा निर्मित विदेशी शराब बरामद की गयी है। बरामद शराब की कीमत करीब 60 लाख रुपए है। सूत्रों ने बताया कि मौके से पांच पिकअप वैन भी जप्त की गयी है। मामले की छानबीन की जा रही है।

भारतीय सेना ने भूस्खलन प्रभावित सिक्किम में फंसे 500 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

गंगटोक। भारतीय सेना ने सिक्किम में मूसलाधार बारिश के कारण कुछ स्थानों पर भूस्खलन और सड़कें बाधित होने की वजह से फंसे 54 बच्चों समेत 500 पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। एक रक्षा अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग में शुक्रवार को भारी बारिश हुई तथा लाचुंग और लाचेन घाटी की यात्रा कर रहे लगभग 500 पर्यटक भूस्खलन व सड़कें बाधित होने के कारण चुंगथांग में फंस गए। रक्षा अधिकारी ने बताया, एसडीएम (उपमंडलीय मजिस्ट्रेट) चुंगथांग के अनुरोध पर भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने बचाव अभियान चलाया और फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। उन्होंने कहा फंसे हुए पर्यटकों में 216 पुरुष, 113 महिलाएं और 54 बच्चे शामिल थे और उन्हें तीन अलग-अलग सैन्य शिविरों में ले जाया गया है। उन्हें गर्म भोजन और गर्म कपड़े मुहैया कराए गए हैं। अधिकारी के मुताबिक, सैनिकों ने पर्यटकों के ठहरने और रात में उनके आराम के लिए अपने बैरकों को खाली कर दिया। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए तीन चिकित्सकीय दलों का गठन किया गया है।

बीएसएफ ने दो पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराए, ढाई किलो से अधिक हेरोइन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करते हुए पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात को लगभग नौ बजे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अमृतसर के गाँव उधर धारीवाल के पास के क्षेत्र में एक संदिग्ध ड्रोन की भनभनाहट सुनाई दी। उन्होने बताया कि निर्धारित ड्रिल के अनुसार, सैनिकों ने गोलीबारी करके ड्रोन को रोकने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी। क्षेत्र की शुरूआती तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने गांव - उधर धारीवाल के खेतों से आंशिक रूप से टूटी हुई हालत में एक काले रंग का ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके) बरामद किया। एक अन्य घटना में, शुक्रवार की रात को, लगभग 09.24 बजे, सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अमृतसर के गांव रतन खुर्द के खेतों में एक संदिग्ध ड्रोन की भनभनाहट और खेतों में कुछ गिराने की आवाज सुनाई दी। सैनिकों ने गोलीबारी करके ड्रोन मार गिराया। क्षेत्र की बाद की तलाशी के दौरान बीएसएफ के जवानों ने रतन खुर्द गाँव के पास खेतों से एक ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस आरटीके 300) बरामद किया।

37 जिलों में मुख्यमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य योजना का होगा क्रियान्वयन

स्वास्थ्य सुविधाओं की आधुनीकीकरण पर राज्य सरकार का विशेष जोर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में नीतीश सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार प्रयारत है। स्वास्थ्य विभाग भी सरकार की योजनाओं को मूर्त रूप देने में जी जान से जुटा है। इसका असर भी दिखने लगा है। लोगों को सरकारी अस्पतालाओं पर भरोसा बढ़ा है। सरकार का विशेष जोर स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनीकीकरण करने पर है। इस कड़ी में राज्य सरकार ने सूबे में बिहार राज्य स्वास्थ्य प्रणाली डिजिटीकरण परियोजना का क्रियान्वयन मुख्यमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य योजना के तहत किया है। सरकार द्वारा जारी 2022-23 के अर्थिक सर्वेक्षण में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक पायलट परियोजना के रूप में मुजफ्फरपुर में इसका क्रियान्वयन किया जा चुका है और सफल क्रियान्वयन के बाद इसे शेष 37 जिलों में भी शुरू किया जाएगा। इस परियोजना के जरिए स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य सूचना प्रौद्योगिकी के नवाचारी स्वास्थ्य समाधानों का क्रियान्वयन है जो पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करे और उसके जरिए स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं देने में सुधार लाए तथा स्वास्थ्य देखरेख में समता

हासिल करने के लिए पारदर्शी शासन को सक्षम बनाए । इस परियोजना का लक्ष्य जिला स्तर से लेकर जमीनी स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों तक लगभग 13,000 लोक स्वास्थ्य केंद्रों को समेकित करना है। इस पहल के जरिए लगभग 30,000 स्वास्थ्य देखरेख पेशावरों (प्रोफेशनल) के जुड़ जाने की आशा है जिससे उनके पेशेवर चिकित्सा सुझाव और आपात सेवाएं पाना नागरिकों के लिए आसानी से पहुंच में होंगी। यह प्लेटफॉर्म पूरे राज्य में स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में बुनियादी दवाओं की छानबीन, औषधालय से दवाएं देने, प्रशासन, नुस्खों और यहां तक मानक कार्यप्रवाहों के जरिए कि सामुदायिक स्वास्थ्य पहल जैसे दैनंदिन कार्यों को करने में सहयोग करेगा। कार्यों में ही नहीं, इन स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा संबंधी पेशावरों के प्रदर्शन, क्षेत्र की स्वास्थ्य विवरणी और परिणामों का भी कमान एवं नियंत्रण केंद्र (सीसीसी) में अनुश्रवण किया जाएगा। यह नागरिकों को केंद्र में रखने वाला रोगी-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य परितंत्र है जो वर्तमान स्थिति में सही समय पर सही इलाज उपलब्ध कराएगा। इस परियोजना का क्रियान्व्यन अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (हिम्स) के अप्लीकेशन भव्या के जरिए होगा जो इस परितंत्र का मुख्य हिस्सा है। पूरे राज्य के स्वास्थ्य देखरेख संबंधी आंकड़ों को एकत्र करके केंद्रीय स्वास्थ्य आंकड़ा कोष (रिपोजिटरी) में रखा जाएगा जिसे सभी हिताधारक देख सकेंगे और पारदर्शिता आएगी। साथ ही, राज्य में पहले से उपयोग में आ रहे सारे अप्लीकेशन समेकित किए जाएंगे और सभी को उपयोग करने में आसानी हो इसके लिए हिम्स को केंद्र में रखकर एकल एकीकृत प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा।

कर्नाटक ने मोहब्बत की लाखों दुकानें खोलीं, राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे: राहुल

प्रात : किरण

बेंगलुरु/ एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की जीत के लिए प्रदेश की जनता का धन्यवाद करते हुए शनिवार को कहा कि दक्षिण भारत के इस राज्य ने 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की लाखों दुकानें खोल दी हैं।' उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और आठ मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद जनता से साफ-सुथरी और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन देने का वादा किया। राहुल गांधी का कहना था कि कैबिनेट की पहली बैठक में कांग्रेस की ओर से दी गई पांचों 'गारंटी' कानून का रूप ले लेगी। उन्होंने स्थानीय श्री कांतीरवा स्टेडियम में लोगों को संबोधित किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, "कर्नाटक की जनता का धन्यवाद करता हूं। आपने पूरी तरह से समर्थन दिया। पिछले पांच वर्षों में आपने कौन-कौन सी मुश्किलें सही हैं, हम और आप जानते हैं इस जीत का सिर्फ एक कारण है कि कांग्रेस कर्नाटक के गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों के साथ खड़ी हुई।" उन्होंने कहा कि कर्नाटक की जनता ने भाजपा की सारी ताकत को परास्त कर दिया, उनके भ्रष्टाचार और नफरत को हरा दिया। राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान के अपने संदेश का उल्लेख करते हुए कहा, "नफरत के बाजार में कर्नाटक ने मोहब्बत की लाखों दुकानें खोली हैं।" उन्होंने कांग्रेस की ओर से दी गई पांच गारंटी का उल्लेख करते हुए कहा, "हमने कहा था कि हम झूठे वादे नहीं करते, जो कहते हैं वह हम कर दिखाते हैं। एक दो घंटे में सरकार

की पहली कैबिनेट की बैठक होगी। ये वादे कानून बन जाएंगे।" राहुल गांधी ने कहा, "हम आपको साफ-सुथरी और भ्रष्टाचार-मुक्त सरकार देंगेङ्घयह कर्नाटक की जनता की सरकार है और यह दिल से आपके लिए काम करेगी।"

कर्नाटक की जनता से किए वादे को हम पूरा करेंगे : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमने कर्नाटक की जनता से जो पांच वादे किए थे, उसे पूरा करके दिखाएंगे। सूबे की जनता को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि हम जो कहते हैं, वह कर के दिखाते हैं। राहुल गांधी ने शनिवार को कर्नाटक में सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक की जनता से जो पांच वादे किए हैं, उसे पूरा किया जाएगा। अगले एक दो घंटे में कर्नाटक की नई सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक होनी है। बैठक में हमारे जो पांच वादे हैं, वे कानून बन जाएंगे। राहुल ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है। इसके लिए राज्य की जनता बधाई की पात्र है। आज नफरत के बाजार में कर्नाटक ने लाखों मोहब्बत की दुकानें खोली है।

जी-7 जी-7 के सातवें कार्य सत्र को पीएम ने किया संबोधित, बोलें - जलवायु परिवर्तन की चुनौती को ऊर्जा के संदर्भ से परे देखने की

जरूरतमंद देशों को स्वच्छ तकनीक, किफायती ऋण मुहैया कराना जरूरी: मोदी

प्रात : किरण

हिरोशिमा/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती को ऊर्जा के संदर्भ से परे देखने की जरूरत पर बल देते हुए शनिवार कहा कि यदि हम इन चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरतमंद देशों को स्वच्छ प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और किफायती ऋण उपलब्ध नहीं करा सके तो इस संकट से निजात नहीं पा सकेंगे। श्री मोदी ने आज यहां जी-7 के सातवें कार्य सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम इतिहास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। अनेक संकटों से ग्रस्त विश्व में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा, आज के समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से हैं। इन बड़ी चुनौतियों का सामना करने में एक बाधा यह है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल ऊर्जा के परिप्रेक्ष्य से देखते हैं। हमें अपनी चर्चा का दायरा बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता में पृथ्वी को माँ का दर्जा दिया गया है और इन सभी चुनौतियों के समाधान के लिए हमें पृथ्वी की पुकार सुननी होगी। उसके अनुरूप अपने आप को, अपने व्यवहार को बदलना होगा। इसी भावना से भारत ने पूरे विश्व के लिए मिशन लाइफ, अंतरराष्ट्रीय सौर गठजोड़ (आईएसए), आपदा निरोधक अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई), मिशन हाइड्रोजन, जैवईंधन गठजोड़, बिग कैट एलायंस जैसे संस्थागत समाधान खोजे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के किसान हर बूंद, अधिक उपज के मिशन पर चलते हुए पानी की एक एक बूँद बचा कर प्रगति और विकास की राह पर चल रहे हैं। हम नेट जीरो 2070 के हमारे लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। हमारे विशाल रेलवे नेटवर्क ने 2030 तक नेट जीरो तक पहुँचने का निर्णय लिया है। इस समय भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता लगभग

175 गीगावॉट है। 2030 यह 500 गीगावॉट पहुँच जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे सभी प्रयासों को हम पृथ्वी के प्रति अपना दायित्व मानते हैं। यही भाव हमारे विकास की नींव हैं और हमारी विकास यात्रा के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में निहित हैं। भारत की विकास यात्रा में पर्यावरण प्रतिबद्धताएं कोई बाधा नहीं बल्कि उत्प्रेरक का काम कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा,जलवायु कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ते हुए हमें प्रदूषण रहित और स्वच्छ तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को लचीला बनाना होगा। अगर हम जरूरतमंद देशों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और किफायती ऋण उपलब्ध नहीं कराएँगे तो हमारी चर्चा केवल चर्चा ही रह जायेगी। जमींन पर बदलाव नहीं आ पायेगा। उन्होंने कहा, मैं गर्व से कहता हूँ कि भारत के लोग पर्यावरण के प्रति सचेत हैं और अपने दायित्वों को समझते हैं। सदियों से इस दायित्व का भाव हमारी रगों में बह रहा है। भारत सभी के साथ मिलकर अपना योगदान देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मिले मोदी

हिरोशिमा/नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेन्स्की से द्विपक्षीय मुलाकात की और रूस यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत एवं कूटनीतिक प्रयासों को भारत का समर्थन एवं यूक्रेन के लोगों को मानवीय सहायता देने की बात दोहरायी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यहां श्री जेलेन्स्की के मुलाकात के बाद ट्वीट किया, हिरोशिमा में राष्ट्रपति जेलेन्स्की से मुलाकात की। हमने आगे का रास्ता खोजने के लिए बातचीत और कूटनीति के लिए भारत के स्पष्ट समर्थन से अवगत कराया। हम यूक्रेन के लोगों को मानवीय सहायता देना जारी रखेंगे। श्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्राँ के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की। नेताओं ने क्षेत्रीय विकास और वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग, नागरिक उड्डयन, नवीकरणीय, संस्कृति, रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन और विनिर्माण, साथ ही असैन्य परमाणु सहयोग के अलावा नए क्षेत्रों में भी साझीदारी का विस्तार करने पर सहमति जतायी। श्री मोदी ने उन्हें 14 जुलाई को बैस्टिल दिवस के लिए सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए राष्ट्रपति श्री मैक्रों को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने भारत की जी-20 अध्यक्षता के लिए फ्रांस के समर्थन के लिए भी राष्ट्रपति मैक्रों का आभार जताया।

संक्षिप्त खबरें

एक्युप्रेशर चिकित्सकों का महाकुंभ 26 को अधिवेशन भवन में

पटना सिटी। पुराना सचिवालय परिसर स्थित अधिवेशन भवन में एक्युप्रेशर दिवस 26 मई को बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज, इंडियन काउंसिल ऑफ एक्युप्रेशर योग एवं स्वास्थ्य जागरुकता मिशन के संयुक्त तत्वावधान में होगा। 30वां राष्ट्रीय एक्युप्रेशर महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। संयोजक डा अजय प्रकाश ने बताया कि महासम्मेलन में 16 राज्यों के करीब तीन सौ चिकित्सक भाग लेंगे। वे सब विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। एक पुस्तक का भी विमोचन किया जाएगा।16 चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा। 11 से 25 मई के बीच सम्पूर्ण देश में चल रहे एक्युप्रेशर पखवाड़ा के अन्तर्गत अनेक निःशुल्क चिकित्सा शिविर के आयोजकों को भी सम्मानित किया जाएगा।एक्युप्रेशर जनक डा चन्द्रमा प्रसाद गुप्त की 103वीं जयंती मनाई जाएगी। साथ ही बिहार प्रदेश के अनेक राजनेतागण, शिक्षाविद् और गण्यमान्य लोगों ने शामिल होने की स्वीकृति दी है। अध्यक्षता एक्युप्रेशर महागुरु डा सर्वदेव प्रसाद गुप्त करेंगे, मुख्य वक्ता ओपेन युनिवर्सिटी, श्रीलंका के डा श्रीप्रकाश बरनवाल, बीएचयू के डा. एनबी शुक्ला, राजस्थान विधानसभा के चिकित्सक पियुष त्रिवेदी, आईजीएमएस के डा निखिल कुमार, लखनऊ के डा महेश कुमार वर्मा होंगे।

अधिवक्ता संघ चुनाव को लेकर तैयारियां पूरी

दानापुर। नगर के अंतर्गत अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर आगामी 30 मई को मतदान होना है। इसे लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। निवार्ची पदाधिकारी शिव कुमार यादव ने बताया कि अधिवक्ता संघ के भवन में चार मतदान कक्ष बनाया गया है, वहीं मतगणना भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदान व मतगणना को लेकर आब्जर्वर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर गाइडलाइन जारी कर दिया गया है। श्री यादव ने प्रत्याशियों से अपील किया है कि आचार संहिता के मद्देनजर प्रचार प्रसार करेंगे। कोई एक दूसरे को धमकी व प्रलोभन नही देंगे । सामाजिक तत्वों के लोगों से पैरवी नही करवायेंगे।जो प्रत्याशी आचार संहिता का उल्लंघन करेंगे तो उनके विरूद्ध कानूनी कारवाई की जायेगी। निर्वाचक मंडल के निर्वाचन पदाधिकारी शिव कुमार यादव के निर्देशन में सहयोगी देव कुमार मिश्र, धर्मेंद्र कुमार सिन्हा , मुकेश कुमार व इंद्रजीत कुमार ने नामांकन प्रक्रिया सफलता पूर्वक संपन्न किया।अधिवक्ता संघ के चुनाव में विभिन्न पदों के लिए 49 उम्मीदवार मैदान में हैं।471 मतदाता इनके भाग्य का फैसला करेंगे। एक एक मतदाता का समर्थन पाने के लिए उम्मीदवार एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। अधिवक्ताओं के घर पहुंचकर समर्थन मांग रहे हैं। बताते चलें कि चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए पूर्व अध्यक्ष सफदर हयात के मुकाबले में नंद किशोर शर्मा के बीच हैं। महासचिव पद के लिए राजेश्वर यादव व राज कुमार शर्मा के बीच मुकाबले है।

बाइक चोर गिरफ्तार

दानापुर। नगर के अंतर्गत बाइक चोरी के आरोप में पुलिस ने दियारे के गंगहरा निवासी विश्वकर्मा महतो को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि बाइक चोरी के आरोप में गंगहरा निवासी विश्वकर्मा महतो को गिरफ्तार किया गया है और गिरफ्तार विश्वकर्मा से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सांसद फतुहा -हिलसा मेमू को आज दिखाएंगें झंडी

फतुहा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सह पटना साहिब के लोकप्रिय सांसद रविशंकर प्रसाद रविवार को फतुहा रेलवे स्टेशन से 1 बजे फतुहा-हिलसा मेमू पैंसेजर स्पेशल गाड़ी संख्या-03238/03237 को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेगें। इसकी जानकारी भाजपा फतुहा नगर मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने दी और बताया की रेलयात्रियों की मांग पर रेलवे ने फतुहा - हिलसा के बीच एक सवारी गाड़ी का परिचालन रविवार से शुरू कर रही है।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव 25 से

पटना सिटी (प्राकि)। रानीपुर बाहरी स्थित झलिया दादी अति प्राचीन देवी मंदिर के परिसर में सात दिवसीय रुद्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का आयोजन 25 से 31 मई तक किया जाना है ' आयोजन के प्रथम दिन 25 मई गुरुवार को सुबह में कलश शोभायात्रा निकलेगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष सह पूर्व पार्षद अवधेश कुमार सिन्हा ने बताया कि कलश शोभायात्रा यज्ञ स्थल से निकल कर गाजे बाजे, घोड़ा, ऊंट आदि के साथ कंगन घाट जाएगी। यहां जल भरी करने के बाद महिलाएं रानीपुर खिड़की सहित मोहल्ले का भ्रमण करते हुए पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंचेंगी। इसके बाद पंचांग वेदी का पूजा, अग्नि प्रज्वलन तथा तप मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ शुरू होगा।

राजकीय अंबेडकर 10+2 अनु जाति आवासीय बालिका विद्यालय की व्यवस्था देख डीएम हुए गदगद

छात्राओं को ओपेन जिम व खेल के मैदान के लिए पास में परिवहन विभाग की दो एकड़ जमीन का प्रस्ताव भेजने का निर्देश

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं उत्तम शिक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। वे शनिवार को गायघाट स्थित राजकीय अंबेडकर 10+2 अनुसूचित जाति आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों सहित सभी हितधारकों को उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल के प्रति सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहना होगा। डीएम ने निरीक्षण की शुरूआत में जिला कल्याण पदाधिकारी राणा बैद्यनाथ प्रसाद सिंह द्वारा डीएम डॉ सिंह को विद्यालय के संचालन एवं शैक्षणिक स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डीएम ने विद्यालय में कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी एवं विभिन्न कक्षों का भ्रमण किया। उन्होंने कक्षा में छात्राओं से उनके विषयों के बारे में जानकारी ली।

विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं जरूरतों के बारे में पूछा तथा उनके उद्देश्यों से रू-ब-रू हुए। स्मार्ट क्लास में 12वीं विज्ञान के बच्चियों को हृदय अध्याय के बारे में बताया जा रहा था। डीएम ने बालिकाओं से हृदय की संरचना एवं कार्य के बारे में पूछा। छात्राओं ने सभी प्रश्नों का उत्तर आसानी से बता दिया। लैब में 10वीं कक्षा की छात्राएं चार ग्रुप में रसायन, भौतिकी तथा जीव-विज्ञान का प्रयोग कर रहीं थीं। डीएम डॉ सिंह के द्वारा मैग्नीशियम, हाइड्रोक्लोरिक अम्ल, प्रतिबिम्ब, लिटमस टेस्ट आदि के बारे में पूछा गया। सभी प्रश्नों का छात्राओं ने दे दिया। डिजिटल लाइब्रेरी में 11वीं कला की छात्राएं भूगोल का अध्ययन कर रहीं थीं। डीएम ने उनसबों से मानचित्र के बारे में पूछा। छात्राओं ने तेजी से सभी का उत्तर दे दिया। एसेम्बली हॉल में कक्षा पांच की छात्रा ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में विधिवत रूप से सुनाया।

डीएम डॉ सिंह ने देखा कि सभी छात्राएं अच्छी तरह से विद्यालय के लिए निर्धारित ड्रेस में हैं। विद्यालय में पठन-पाठन की स्थिति काफी अच्छी है। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। हम सबों को स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा, जीव-जंतुओं के प्रति दया तथा समाज में लोगों को अच्छे कार्य के प्रति प्रेरित करने की भावना रहनी चाहिए। डीएम ने छात्राओं को एक अच्छा नागरिक बनने की सीख देते हुए सबों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत भी किया। डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि विद्यालय शेरशाह रोड, गायघाट में बिहार सरकार द्वारा निर्मित भवन में संचालित है। इसके भवन की स्थिति अच्छी है। रंग-रोगन तथा साफ-सफाई उत्कृष्ट कोटि की है। स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, कक्षाओं, छात्रावास, रसोईघर आदि के निरीक्षण में व्यवस्था काफी अच्छी पाई गई। विद्यालय में जीविका द्वारा सम्पोषित सामुदायिक संगठन से संचालित दीदी की रसोई द्वारा मेस का संचालन किया जा रहा है। मेन्यू के अनुसार छात्राओं को पौष्टिक खाना भी दिया जाता है। डीएम ने कहा कि छात्राओं के द्वारा खेल के मैदान एवं ओपेन जिम की मांग की गई है। मौके पर ही डीएम द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी को दोनों बिन्दुओं पर प्रस्ताव उपस्थापित करने का निदेश दिया गया। डीएम डॉ सिंह ने कहा कि विद्यालय के बगल में परिवहन विभाग की लगभग दो एकड़ खाली भूमि है। जिला कल्याण पदाधिकारी इसके हस्तांतरण के लिए प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए तुरत अधियाचना भेजेंगे। साथ ही विद्यालय में उपयुक्त स्थान पर ओपेन जिम की स्थापना के लिए अपेक्षित कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षक एवं कर्मियों की कमी है। स्वीकृत बल के विरुद्ध लगभग 50 प्रतिशत ही कार्यरत हैं। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग से यथाशीघ्र बहाली के लिए अनुरोध करने का निदेश दिया। डीएम के द्वारा विद्यालय परिसर की सुरक्षा सुदृढ़ रखने का निदेश दिया गया। उन्होंने द्वार के समीप से अतिक्रमण हटाने का निदेश दिया। अनुमंडल पदाधिकारी इसका अनुश्रवण करेंगे।

डीएम डॉ सिंह ने कहा कि छात्राओं की शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप सभी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उनके सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करने के लिए प्रशासन प्रयत्नशील है। डीएम के साथ जिला कल्याण पदाधिकारी राणा बैद्यनाथ सिंह, बीडब्ल्यूओ नवीनता कुसुम, गौतम कुमार, विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन, शिक्षकगण एवं अन्य उपस्थित थे। इस दौरान किरण कुमारी, संगीत शिक्षिका मधु तेतरवे, शाम्भवी, रिया कुमारी झा, पुनीता कुमारी, सृष्टि सौम्यता, पुस्तकालय के राजकुमार पौधारोपण में डॉ पल्लवी आदि मौजूद थीं।

साला के साथ मिल मौसी सास की हत्या, दोनों गिरफ्तार

2.63 लाख नगद व घटना में प्रयुक्त टेंपो बरामद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बाइपास थाना क्षेत्र के एनएच-30 के दक्षिणी लेन के किनारे बाहरी धवलपुरा स्थित नाला से अज्ञात महिला का शव 15 मई को बरामद किया गया था। पुलिस ने उस महिला की पहचान करते हुए उसकी हत्या में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही दोनों के पास से दो लाख 63 हजार 500 नगद और शव को ठिकाने लगाने में इस्तेमाल किया गया टेंपो को भी बरामद कर लिया है।

इस संबंध में एएसपी शरथ आरएस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि बाहरी धवलपुरा स्थित नाला से अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया था। उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। इस संबंध में बाइपास थाना में कांड 238/23 दर्ज किया गया था। एसएसपी राजीव मिश्रा एवं सिटी एसपी पूर्वी सुदीप सिंह के आदेश पर एएसपी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, जिसमें प्रभारी थानाध्यक्ष संजय कुमार एवं थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल को शामिल किया गया। बाद में शव की पहचान गया जिला के सिकरिया बेलदार बीघा के बबीता कुमारी उर्फ नन्हकी पिता दूधलाली केवट के रूप में की गई। इसके बाद छापेमारी कर पुलिस ने बाइपास थाना क्षेत्र के करमलीचक से इस कांड के प्राथमिकी अभियुक्त करमलीचक का रहने वाला गुड्डू कुमार पिता विजय साहनी और सूरज कुमार उर्फ फंटूस पिता राजू केवट को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिस को बताया कि बबीता कुमारी उर्फ नन्हकी अभियुक्त गुड्डू कुमार की मौसी सास लगती थी।

सूरज कुमार उर्फ फंटूस गुड्डू का साला है। मृतका का कुछ जमीन रामपुर संपतचक में था। इसे कुछ दिन पहले वह बेची थी। इससे प्राप्त रुपया में से कुछ रुपया से जमीन खरीदी और कुछ रुपया उनके पास बचा हुआ था। इसकी जानकारी दोनों को थी। इसी रुपए को हड़पने की नीयत से 14 मई को गुड्डू अपने साला सूरज के साथ मिलकर साजिश रची। इसके तहत बबीता को करमलीचक स्थित कमरा पर बुलाया। इसके बाद दोनों मिलकर उसके गले में गमछा बांधकर हत्या कर दिया। शव को रूम में ही पलंग के नीचे छुपा कर रख दिया और बाहर से बंद कर बबीता के करमलीचक में स्थित किराए के रूम में जाकर रखा हुआ रुपया निकाल लिया। वापस अपने कमरे पर आने के बाद जब रात हो गई, तब शव को टेंपो पर लाद कर दोनों अभियुक्तों ने साक्ष्य छुपाने की नीयत से बाहरी धवलपुरा नाला में ले जाकर फेंक दिया। पुलिस ने दोनों के पास से दो लाख 63 हजार 500 रुपया बरामद किया है। इसके अलावा लाश को ठिकाने लगाने में प्रयुक्त ऑटो, जिस पर नंबर बीआर 01जीजे 4742 को भी बरामद कर लिया है। कांड के उद्भेदन में प्रभारी थानाध्यक्ष एसआई संजय कुमार, सोनू कुमार, बृजनंदन गुप्ता के अलावा सिपाही रंजन कुमार, हरे राम मांझी, प्रवीण कुमार और चालक सिपाही सतीश कुमार शामिल थे।

गोलीबारी में गिरफ्तार पूर्व पार्षद का रिवाल्वर व गोली जब्त

आर्म्स लाइसेंस रद्द करने की प्रशासन से अनुशंसा करेगी पुलिस

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

अगमकुआं थाना क्षेत्र के पुरानी बाइपास के कुम्हरार गुमटी के सामने ठेला लगाने के विवाद में गोलीबारी की घटना में आरोपित गिरफ्तार पूर्व पार्षद कुमोद नारायण चौधरी का लाइसेंसी रिवाल्वर और कारतूस भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस अब लाइसेंस को रद्द करने की अनुशंसा प्रशासन करेगी। विदित हो कि गुरुवार की सुबह करीब सात बजे कुम्हरार गुमटी के पास गोलीबारी की घटना में अगमकुआं थाना की पुलिस ने पूर्व पार्षद कुमोद चौधरी को जेल भेजने के बाद लाइसेंसी रिवाल्वर और कारतूस को भी जब्त कर लिया है। साथ ही खोखा भी बरामद किया है। अगमकुआं थाना की अपर थानाध्यक्ष कुमारी उषा ने यह जानकारी दी। पुलिस को गोलीबारी की घटना में तीन अन्य अभियुक्तों की तलाश है।

पुलिस ने इस मामले में कुम्हरार तीनमुहानी गली निवासी कुमोद नारायण चौधरी के अलावा भगना रवि चौधरी, कुम्हरार नया टोला के अवधेश यादव, संदलपुर का रहने वाला शत्रुघ्न सहनी को आरोपी बनाया है। इसमें नाजायज मजमा लगाने, जान से मारने की नीयत से फायरिंग किए जाने किए जाने का आरोप लगाया गया है। गोलीबारी की घटना में ठेला पर फल बेचने वाला डोमन मालाकार गंभीर रूप से घायल हो गया था। एक अन्य महिला भी जख्मी हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से सफेद रंग की स्कार्पियो की भी पहचान की है। पुलिस ने जब्ती सूची में बताया है कि घटना स्थल से छह गोली का खोखा बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार कुमोद नारायण चौधरी बुलेट पर अपने सहयोगी के साथ था। पुलिस अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

राज्यपाल ने किया छात्रों से संवाद

किताब पढ़ अपने इतिहास, संस्कृति व संत महापुरुषों के बारे में भी जानें

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मरचा-मरची रोड स्थित केशव सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल में आयोजित छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने संवाद करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया और खासकर पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान व संस्कार देती हैं। महामहिम ने छात्रों को परीक्षा में सफलता के टिप्स बताएं और कहा कि अब शिक्षा का स्वरूप बदला है। आज के छात्र स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अनभिज्ञ हैं। उन्हें देश की आजादी और देश को आजाद कराने वाले महापुरुषों के बारे में बताया जाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर स्कूल परिसर में दिव्य पौधा लगाया। साथ ही कहा कि एक पौधा सौ पुत्रों के समान है। उन्होंने पर्यावरण पर भी छात्रों को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ बेहतर पुस्तक पढ़ें। उस ज्ञान को अर्जित कर समाज की सेवा करें। उन्होंने जब छात्रों से महापुरुषों के बारे में पूछा, तो अधिकांश छात्रों ने महज भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद के बारे में ही जानने की बात कही, जो उनके पाठ्यक्रम में शामिल है। उन्होंने कहा कि हर गार्जियन की यह सोच होती है कि उनका बच्चा परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक क्यों नहीं लाया। इसके लिए वह अपने बच्चों को दूसरे मेधावी बच्चों से तुलना करते हुए फटकार लगाते हैं या उलाहना देते हैं। मगर स्कूल प्रबंधन को अभिभावकों के साथ भी मीटिंग कर उन्हें अपने बच्चों के साथ कैसा और किस तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए, इस संबंध में भी खुली चर्चा की जरूरत है। राज्यपाल का स्वागत प्राचार्य मनोज कुमार मिश्र ने किया। एनएसीसी की टुकड़ी ने मार्च पास्ट के साथ महामहिम को गार्ड आफ ऑनर दिया। राज्यपाल को अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह व सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तर-पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ मोहन सिंह, विद्या भारती के क्षेत्रीय सचिव नकुल कुमार शर्मा, शिशु शिक्षा प्रबंधक समिति के प्रदेश सचिव प्रदीप कुशवाहा, प्रदेश मंत्री भरत पूर्वे, विद्यालय अध्यक्ष प्रकाश नारायण सिंह, उपाध्यक्ष छोटू बाबू, सचिव राजीव कुमार और प्रो डॉ शिव आदित्य ठाकुर आदि उपस्थित थे। आयोजन में राज्यपाल ने स्कूली जीवन को बच्चों के साथ साझा किया।

एक परिवार विगत छह माह से अपने ही घर में है नजरबंद

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में किसी न किसी विवाद को लेकर घटना आम हो गई हैं, लेकिन जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र इलाके में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई हैं। इलाके के तांति टोला मोहल्ले मे एक परिवार विगत 6 महीनों से अपने ही घर मे कैद रहने को दबंगों व अपराधी तत्वों के लोगों ने मजबूर कर दिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बबरगंज थाना क्षेत्र के वारसलीगंज इलाके के तांति टोला मोहल्ले में रहने वाले एक पिता को अपनी पत्नी एवं अपनी तीन बेटियों के साथ कैद की जिंदगी जीने को विवस कर दिया है, आप तस्वीरों मे साफ देखा जा सकता है। दरअसल मामला यह है कि इलाके के ही कुछ दबंगो ने बबलू तांति की एक नाबालिग बेटी चांदनी कुमारी को विगत 6 महीने पूर्व उसके घर से इलाके के कुछ अपराधी तत्व युवकों ने उठा ले फरार हो गया था। जिसके बाद पीड़ित पिता ने बबरगंज थाना में अपहरणकताओं के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। वही पुलिस द्वारा एक अपहरणकर्ता के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उक्त अपराधी तत्व युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जिसके बाद से ही गिरफ्तार अपहरणकर्ता युवकों के साथी गिरोह एवं उनके रिश्तेदारों के द्वारा पीड़ित बबलू तांती के परिवार वालों को जान से मारने की एवं तीनो बेटियों को घर से उठा ले जाने की धमकी दिये जा रहे थे, जिसके कारण पूरा परिवार अपने ही घर में कैद की जिंदगी जीने को विवस हो गया है। कैद की जिंदगी में रह रही इस युवती के दर्द को देख कर इसका अंदाजा आप लगाया जा सकता है कि कैसी जिंदगी जीने को विवस है, ये परिवार के लोग वही मिडिया प्रतिनिधि को देखते ही युवती के आँखों से आँशु छलक आये और कैद की जीवन में रह रही युवती ने कहा कि हमारी गुहार सुन ले कोई, आपको बतादे की यह परिवार लगातार थाना से लेकर एसपी के दप्तारों का चककर लगा रहे है पर अभी तक उन दबंगो के विरुद्ध पुलिस द्वारा गिरफ्तारी को लेकर कोई ठोस कदम नही उठाये गये है, मामले को लेकर डरे सहमे पीड़िता परिवार के मुखिया पिता अपने एक बेटी और पत्नी के साथ न्याय की गुहार ले सिटी एसपी कार्यालय पहुंचे। जहां सिटी एसपी ने मामले को लेकर गम्भीरता से लेते हुए इंसाफ दिये जाने के साथ दबंगों के खिलाफ कार्रवाई करने के आश्वासन भी दिये है साथ ही उन्होंने कहा है कि मामले की जाँच कर दोषियों के विरुद्ध ठोस करवाई की जाएगी। इस दौरान सिटी एसपी कार्यालय के सामने ही बेटी बेहोश हो गिर पड़ी, किसी तरह घर से छुप कर यह परिवार सिटी एसपी से मिलने पहुंचे थे। मामले को लेकर डरे सहमे पीड़ित पिता बबलू तांती ने बताया कि लंबी अवधि से अपने घरों में परिवार के साथ बंद चल रहे हैं। प्रतिदिन इलाके में दबंगो द्वारा चलत दिशा में घर परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। बहरहाल अब देखना यह होगा की प्रशासन कब एक्टिव होती है, और कब इन दबंगो को गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफल हो पाती है, और इन परिवारों को कैद की जिंदगी से कबतक छूटकारा दिला पाती है।

नारी अधिकार व शिक्षित होने को निकाली रैली

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। सती प्रथा उन्मूलन के महानायक राजाराम मोहन राय की 250वीं जयंती के अवसर पर मनोरंजन अनुमंडलीय पुस्तकालय, चैलीटाल के द्वारा पुस्तकालय के सचिव सह पटना सदर के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अजय कुमार त्रिवेदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एवं महिला अधिकार जागरुकता के लिए रैली निकाली गई। यह पुस्तकालय से निकल कर काजीबाग, प्रणामी मंदिर, माखनपुर ईदगाह रोड, महाराजगंज आदि जगह से होते हुए वापस पुस्तकालय लौट आई। रैली में शामिल छात्राओं ने मोहल्ले की महिलाओं को अपनी बेटी को विद्यालय में प्रतिदिन भेजने की अपील की। छात्राओं ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के लिए बालिकाओं को शिक्षित करना जरूरी है। इस रैली में राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, चैलीटाल एवं मध्य विद्यालय, महाराजगंज की छात्राओं ने भाग लिया। इसे सफल बनाने में पुस्तकालयाध्यक्ष स्वाति सिन्हा, शिक्षक सूर्यकांत गुप्ता, मणिकांत सिन्हा, विजय कुमार सिंह, सुशील

मंडल, पूनम कुमारी, अनिल कुमार, उदय कुमार, कबील प्रसाद, आशा, सोनी कुमारी, बलराम कुमार, कौशलेंद्र कुमार, गोपाल प्रसाद आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

दियारा के गंगारा पंचायत के फुटानी बाजार में हर्ष फायरिंग से मौत

दानापुर। नगर के। शाहपुर थाने के अंतर्गत दियारा के गंगहरा पंचायत के फुटानी बाजार में बीते रात शादी समारोह में हर्ष फायरिंग में आधा दर्जन से अधिक जख्मी हो गए।जख्मी शिवानी कुमारी 7 वर्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई। जख्मी आधा दर्जन लोग का इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। मृतका के पिता उमेश राय के बयान पर स्थानीय थाना में मामला दर्ज किया गया है। गांव के लोगों ने बुधन राय को पकड कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

जबकि अनिल साव बंदूक लेकर फरार है। बताया जाता है कि फुटानी बाजार हलचल साव की पुत्री का शुक्रवार की रात बारात आया था। बाराती लगाने के दौरान गांव के बुधन राय व अनिल साव ने बंदूक से फायरिंग करने लगे। जिससे आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए।पडोस के उमेश राय की 7 वर्षीय पुत्री शिवानी बाराती देखने गई थी। हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगाने से शिवानी जख्मी हो गई और इलाज के दौरान पीएमसीएच में मौत हो गई। घटना के बाद शादी समारोह में कोहराम मच गया। लोग इधर उधर भागने लगे। जख्मी शिवानी समेत चार को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। जहां पर शिवानी की मौत हो गई। इससे पहले लडका व लडकी की शादी की रस्म अफरातफरी के बीच पूरी कराया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष विपिन कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के पिता के बयान पर मामला दर्ज किया गया है और गांव के बुधन राय को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगाने से आधा दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए थे। जिसमें इलाज के दौरान शिवानी कुमारी की मौत हो गई है।

बकाया पैसा मांगने को लेकर जमीन कारोबारी को गोली मार किया जख्मी

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत। आरा गार्डन में बकाया पैसा मांगना जमीन कारोबारी को महंगा पडा। रूपसपुर थाने के आरा गार्डेन में शनिवार को दिन दहाडे फुलवारीशरीफ निवासी व जमीन कारोबारी मो वसीर अहमद को पेट में गोली मार कर जख्मी कर दिया है। जख्मी वसीर को इलाज के लिए राजा बाजार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हालत चिंताजनक बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी राजीव रंजन सिंह को गिरफ्तार किया है और एक पिस्टल व तीन गोली बरामद किया है।

बताया जाता है कि समनपुरा निवासी इलताफ का 60 लाख रुपए राजीव रंजन सिंह के यहां दो साल से बकाया है। शनिवार को इलताफ अपने दोस्त फुलवारीशरीफ के सैदा कॉलोनी निवासी व जमीन कारोबारी मो वसीर अहमद बकाया रुपए मांगने के लिए आरा गार्डेन के अंशु इंक्लेव अपार्टमेंट निवासी राजीव रंजन सिंह के पास आया था। रुपए मांगने के दौरान इलताफ और राजीव रंजन के साथ बहस होने लगा। नोक-झोंक होने लगा और गुस्यासे राजीव रंजन ने फ्लैट से जाकर पिस्टल लाकर गोली चला दिया। गोली मो वसीर को पेट में लगी।

जख्मी वसीर को इलाज के लिए राजा बाजार स्थित निजी अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी राजीव रंजन को घर से गिरफ्तार किया है और एक पिस्टल व तीन गोली बरामद किया है। बताया जाता है कि जमीन के एग्रीमेंट का बकाया पैसा का विवाद दोनों के बीच चल रहा है। दोनों जमीन कारोबारी का काम करता है। थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि जख्मी के बयान आने के बाद आगे की कारवाई की जायेगा और आरोपी राजीव रंजन को गिरफ्तार किया गया है । उसके पास से एक पिस्टल व तीन गोली बरामद किया गया है।

जविप्र के खिलाफ लाभार्थियों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। नगर निगम के वार्ड संख्या 57 में लाभार्थियों ने शनिवार को अनुमंडल कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना कि जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों की ओर से गुणवत्तापूर्ण अनाज नहीं दिए जाने, कम तौलने और अनाज के बदले कुछ लाभार्थियों को रुपया देने और राशन कार्ड बंद कर दिया है। आंदोलनकारियों के साथ रही पार्षद गायत्री गुप्ता व उनके प्रतिनिधि राजू गुप्ता ने प्रभारी एसडीओ सह लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी रियाज अहमद को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में भाजपा ओबीसी मोर्चा के ब्रह्मदेव शर्मा, दया नरेंद्र प्रकाश, बिरजू चौधरी के साथ लाभार्थियों में सरिता देवी, रीता देवी, विष्णु केसरी सहित दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित थे। पार्षद ने कहा कि वार्ड की जनता की समस्याओं को लेकर डीएम को भी लिखा गया है, ताकि समस्या का समाधान हो सके। प्रशासन की ओर से शीघ्र पहल नहीं किया गया तो जनता परेशान होकर जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों के खिलाफ आवाज बुलंद करेगी।

ग्रामीण विकास मंत्री ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

आवास योजना के बकाया किस्तों का शीघ्र होगा भुगतान : श्रवण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शनिवार को शेखपुरा जिला के समाहरणालय सभा कक्ष में ग्रामीण विकास विभाग के विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत सर्वेक्षण किए गए कुल घरों की संख्या और प्रथम फेज में बनाए गए शौचालय की संख्या तथा द्वितीय फेज में बनाए गए शौचालय की संख्या को जोड़ने से घरों की संख्या ज्यादा हो जाएगी। ऐसी स्थिति में मंत्री ने उप विकास आयुक्त शेखपुरा को निदेश दिया कि सर्वेक्षण का कार्य ठीक से कराएं। जिनसे भी शौचालय के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है उन परिवार के सभी सदस्यों का आधार कार्ड जमा कराएं तब जाकर वास्तव में जिन्हें लाभ मिलना चाहिए उन्हें शौचालय का लाभ मिल पाएगा। शेखपुरा जिला में 1118 परिवार ऐसे पाए गए हैं, जिनके पास न शौचालय है और ना ही शौचालय निर्माण के लिए जमीन। ऐसे लोगों को शौचालय उपलब्ध कराने के लिए 92 सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया एव इसकी संबद्धता 920 परिवारों से की गई है। फिर भी 198 परिवार शेष रह जाते हैं जिनके पास शौचालय बनाने के लिए जमीन नहीं है। मंत्री ने निदेश दिया कि जमीन उपलब्ध कर इन परिवारों के लिए सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण करा कर इन्हें उससे संबद्ध करें। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच रही है कि कोई भी परिवार बिना शौचालय के नहीं रहे। ऐसे में हमारा सभी गांव स्वच्छ एवं सुंदर दिखेगा। इस परिकल्पना को साकार करने के लिए भूमिहीन लोगों के लिए सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण कर इससे उन्हें संबद्ध करना अति आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुल लंबित 158 व्यक्तियों को तृतीय किस्त की राशि के भुगतान करने का निदेश दिया, जिन्होंने आवास का निर्माण पूर्ण कर लिया है। मंत्री ने उप विकास आयुक्त को निदेश दिया कि आप इसकी लगातार समीक्षा करें। जब लाभार्थी द्वारा घर का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और जांच भी करा ली गई है, तो उसे 1 से 2 दिनों के अंदर तृतीय किस्त की राशि का भुगतान कर दें। घर पूर्ण होने के बाद भी भुगतान की प्रतीक्षा करने से लोगों के बीच गलत संदेश जाता है। इस जिला में आवास योजना के तहत अपूर्ण आवासों की संख्या मात्र 1162 है, जो अन्य जिलों की तुलना में काफी कम है। इस मंत्री ने प्रसन्नता जाहिर की और इसे भी जल्द पूरा करने के लिए कहा ताकि शेखपुरा जिला राज्य में आवास निर्माण में प्रथम स्थान पर आ सके।

मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कुल 129 श्रमिक वैसे हैं, जिन्होंने काम मांगा लेकिन उन्हें रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया। ऐसे श्रमिकों के संबंध में समीक्षा कर उन्हें मनरेगा अधिनियम के तहत बेरोजगारी भत्ता उसी कर्मियों के वेतन से काटकर देने का निदेश दिया जिनकी वजह से उन्हें काम नहीं मिल पाया है। शेखपुरा जिला के शेखोपुरसराय प्रखंड में ऐसे श्रमिकों की संख्या सर्वाधिक 110 रहने पर इसकी विशेष जांच कराने का निदेश दिया गया। आवास योजना में मनरेगा से मिलने वाले मजदूरी में 1600 का गैप पाया गया। जिसे 15 दिन के अंदर सभी लाभार्थी को भुगतान करने का निदेश दिया गया।

मंत्री ने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण के तहत जो भी आपत्तियां पाई गई है, उसका निष्पादन 1 माह के अंदर करने हेतु निदेशित किया गया तथा यह भी निदेश दिया कि, की गई कार्रवाई से विभाग को संसूचित करें। समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त, निदेशक (लेखा प्रशासन) तथा ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित जिला स्तरीय एवम् प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजद का प्रखंड स्तरीय अम्बेडकर परिचर्चा आज से

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजद का प्रखंड स्तरीय ह्यअम्बेडकर परिचर्चा आज यानी रविवार से से शुरू होगा। जो आगामी 28 मई तक चलेगा। उक्त जानकारी देते हुए राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि इसके पूर्व 26 अप्रैल से 3 मई तक राज्य के सभी 101 अनुमंडलों में सफलतापूर्वक ह्यअम्बेडकर परिचर्चा ह्य का आयोजन किया जा चुका है। जिसके पहले पटना में 17 अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच तीन दिवसीय राज्यस्तरीय परिचर्चा का आयोजन किया गया था। अब कल से शुरू हो रहे तीसरे चरण में राज्य के कुल 534 प्रखंडों में ह्यअम्बेडकर परिचर्चा ह्य का आयोजन किया जा रहा है। राजद प्रवक्ता ने बताया कि राज्य से जाने वाले वक्ताओं के लिए प्रखंडों का आवंटन कर दिया गया है साथ हीं सभी प्रखंडों के लिए तिथि भी निर्धारित कर दी गई है। उनके द्वारा निर्धारित तिथि को आवंटित किए गए प्रखंडों में आयोजित परिचर्चा में प्रतिभागियों को बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर के विचारधारा के साथ हीं भारतीय संविधान द्वारा दिए गए हक एवं अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके साथ हीं देश की वर्तमान स्थिति और संभावित खतरे को देखते हुए वैचारिक रूप से संगठित और सक्रिय रहने की आवश्यकता बताई जाएगी। परिचर्चा कार्यक्रम को सफल बनाने और इसके सकारात्मक परिणाम के लिए प्रत्येक प्रखंड के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को स्थानीय प्रभारी एवं सह प्रभारी बनाया गया है। राजद प्रवक्ता ने बताया कि प्रखंड स्तर पर आयोजित इस परिचर्चा में केवल उस प्रखंड के अन्तर्गत आने वाले पंचायतों एवं बुथों के साथी हीं भाग लेंगे। प्रत्येक पंचायत से कम से कम चार प्रतिनिधि परिचर्चा में प्रतिभागी होंगे जिसमें एक महिला और एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का प्रतिभागी होना आवश्यक है। अगले चरण में पंचायत स्तर पर भी ह्यअम्बेडकर परिचर्चा ह्य का आयोजन किया जाएगा।राजद प्रवक्ता ने बताया कि उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव खुद इस कार्यक्रम के प्रति काफी गंभीर हैं और अद्यतन जानकारी लेते रहते हैं। कल उनके द्वारा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, भोला यादव, बिनु यादव एवं प्रदेश के प्रधान महासचिव रणविजय साहू सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्यक्रम की तैयारी एवं आगे के कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई साथ हीं कई महत्वपूर्ण सूझाव दिए गए। कार्यक्रम को उद्देश्य के अनुरूप सफल बनाने के लिए प्रमंडल प्रभारी प्रदेश महासचिव लगातार सम्बद्ध जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष के साथ हीं प्रखंड प्रभारियों एवं वक्ताओं से सम्पर्क कर तैयारी की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह को दे रहे हैं। राजद प्रवक्ता ने बताया कि राजद द्वारा पहली बार इस तरह का कार्यक्रम चला कर गांव स्तर तक के कार्यकताओं को वैचारिक रूप से मजबूत करने का अभियान चलाया जा रहा है।

दो हजार के नोट पर निशाना कालेधन पर दूसरा सर्जिकल स्ट्राइक : मोदी

- यह नोटबंदी नहीं, नोट-बदली, जनता को कोई कठिनाई नहीं होगी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि 2000 रुपये के नोट का चलन बंद करने का केंद्र सरकार का निर्णय कालाधन और टेरर-फंडिंग पर दूसरा सर्जिकल स्ट्राइक है।

श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2016 में जब हजार-पांच सौ के नोट बंद किए गए थे, तब विपक्ष में रहते हुए नीतीश कुमार ने इस कदम का समर्थन किया था।

उन्होंने कहा कि यदि नीतीश कुमार ने भ्रष्टाचार और कालेधन से समझौता नहीं किया हो, तो उन्हें नोट बदली के ताजा फैसले का भी समर्थन करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि अमेरिका- यूरोप जैसी किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था में 100 से बड़े अंक की मुद्रा नहीं चलती। उन्होंने कहा कि 2016 की नोट बंदी के बाद तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए दो हजार रुपये के नोट जारी किये गए थे।

श्री मोदी ने कहा कि लोग पहले ही सामान्य लेन-देन में दो हजार रुपये की बड़ी मुद्रा से बचते थे। इसे वापस लेने की बैंकिंग प्रक्रिया भी चल रही थी, इसलिए नोट-बदली से जनता को कोई कठिनाई नहीं होगी।

एक खास वर्ग को लाभ पहुंचाने की मंशा से बंद किया गया 2 हजार का नोट : उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने केंद्र सरकार द्वारा दो हजार रुपए के नोटबन्दी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पुनः नोटबंदी लागू कर यह स्पष्ट दर्शा दिया गया है की भाजपा जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर ध्यान देने के बजाए सिर्फ अपने उद्योगपति मित्रों को गैरकानूनी तरीके से आर्थिक लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है। एक खास वर्ग को फायदा देने के लिए केन्द्र सरकार देश की जनमानस के हितों को सूली पर लटकाने के लिए आतुर है। इन्हें देश की गरीब और मजदूर जनता से दूर-दूर तक कोई सरोकार नहीं है। देश का हर वर्ग आज केंद्र सरकार के गलत नीतियों से त्रस्त है। गरीब, मजदूर, किसान, नौवजवान और व्यापारी समुदाय अपनी आर्थिक तंगी का रोना रो रहा है।

आगे उन्होंने कहा कि जिन वादों के साथ नोट बन्दी लागू हुआ था उनमे से एक भी वादा आज तक चरितार्थ होते नहीं दिखा। इसके विपरीत मोदी सरकार द्वारा नोटबन्दी का तुगलकी फरमान आम जनता के लिए मुसीबत बन गया। आप सभी को स्मरण होगा कि नोटबन्दी के फैसले के बाद देश की जनता में हाहाकार मचा हुआ था। कई बेटियों की ब्याह रुक गई थी, पैसे के बगैर बीमार लोगो को जान गंवानी पड़ी, देश का गरीब-मजदूर वर्ग भुखमरी के कगार पर पहुंच चुका था परन्तु यह दुर्भाग्य और हैरानी का विषय है की पिछली बार से सीख न लेते हुए पुनः एक बार फिर मोदी सरकार ने 2000 का नोट बन्द करने का निर्णय लिया है। देश की जनता के साथ यह घोर ज्यादती है। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि कर्नाटक के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में देशभर के विपक्षी पार्टियों की एकजुटता भाजपा के लिए एक खतरे की घण्टी है। जिस प्रकार सभी दलों ने कर्नाटक में अपनी ताकत दिखाई है उससे भाजपा खेमे में हताशा फैल चूका है। भाजपा पूरी तरह से भयभीत और बौखलाई हुई है, 2024 में सत्ता जाने की घबराहट में नागपुर से लेकर दिल्ली तक भाजपाइयों और संघीयों की नींद हराम है। धार्मिक मुद्दों के सहारे भाजपा कर्नाटक में चुनावी फायदा लेना चाहती थी परन्तु वहां की समझदार जनता ने भाजपा को हैसियत बताने का काम किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तानाशाही ताकतों से देश को बचाने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट होकर 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पहल से आज देशभर के गैर-भाजपाई नेता एक मंच पर नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के सार्थक प्रयास के बदौलत देश में विपक्षी राजनीति के अनुकूल एक सकारात्मक माहौल बना है। हम सभी इस बात से परिचित हैं कि वर्तमान समय में हमारा देश नाजुक मोड़ पर खड़ा है, देश के सविंधान और लोकतांत्रिक बुनियाद को लगातार भाजपा सरकार द्वारा कमजोर किया जा रहा है। आज इसको बचाने की जिम्मेदारी हम सभी के कंधो पर है। सभी दलों ने साथ मिलकर देश से भाजपा का सफाया करने का प्रण लिया है।

राजधानी में हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में एक हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का का भंडाफोड़ हुआ है। यहां कुछ लोग मिलकर किसी वजह से अपने घर से भागी लड़कियों को नौकरी और अन्य कई तरह का झांसा देकर उन्हें इस गलत काम में ढकेला जा रहा था। इन लड़कियों को यहां के बाहर दूसरों राज्यों में बेचा जाता था। अब इस मामले में पाटलिपुत्र थाना पुलिस ने एक्शन लेते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच प्रभावित ना हो इसके लिए पुलिस फिलहाल आरोपियों के नाम का खुलासा नहीं कर रही है।दरअसल, राजधानी पटना के पाटलिपुत्रा थाना इलाके में कुछ लोगों द्वारा जबरन लड़कियों को गलत धंधे में लगाया जा रहा है। यहां राज्य के अलग - अलग जिलों से घर से भागकर पटना आयी लड़कियों को नौकरी और कई अन्य तरह की लोभ देकर पहले उन्हें मिलने बुलाया जाता था। उसके बाद उनका जबरन सौदेबाजी कर सेक्स रैकेट में लगा दिया जाता था। अब इस बता की भनक पाटलिपुत्रा थाना को लगी तो एक टीम तैयार कर रेड मारी गयी। इस दौरान पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। इस पुरे मामले को लेकर पाटलिपुत्र के थानेदार ने ने बताया कि गिरोह में कुल कितने लोग शामिल हैं और आरोपी अब तक कितनी लड़कियों को बेचा चुके हैं इसका पता लगाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक कुछ लोग पाटलिपुत्र इलाके से गिरोह का संचालन कर रहे थे। गिरोह के सदस्य घर से भागी लड़कियों को अपने चंगुल में फंसा उन्हें दिल्ली में बेच देते थे। वहां उनसे देह व्यापार कराया जाता था।इधर, पुलिस ने बताया कि गिरोह के दो बदमाशों को दबोच लिया। वहीं, दो लड़कियों को बरामद भी किया गया।

2016 की नोटबंदी से कितना काला धन आया बताए बीजेपी : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रवक्ता सह पूर्व विधायक मंजीत कुमार सिंह और प्रवक्ता अभिषेक झा ने केंद्र सरकार की ओर से अचानक 2000 के नोट के इस्तेमाल पर रोक लगाने के फैसले की तीखी आलोचना की है और इसे दूसरा नोटबंदी करार दिया है। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि 2016 में हुई नोटबंदी के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि इससे काले धन का पता लगाने में मदद मिलेगी, नोटबंदी से आतंकवाद खत्म हो जाएगा साथ ही देश से नक्सलवाद भी खत्म हो जाएगा।

पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि जदयू केंद्र की बीजेपी सरकार से ये पूछना चाहती है कि 2016 की नोटबंदी से कितना काला धन का पता लगाया जा सका, नोटबंदी के चलते देश से कितना आतंकवाद और नक्सलवाद खत्म हो सका।

पार्टी प्रवक्ता मंजीत कुमार सिंह और अभिषेक झा ने केंद्र की बीजेपी सरकार से पूछा है कि 2016 की नोटबंदी से केंद्र की बीजेपी सरकार ने कितना काला धन का पता लगाया और अगर पता चला तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई हुई?पहली नोटबंदी के बाद केंद्र सरकार ने दावा किया था कि इससे देश में आतंकवाद की समस्या खत्म हो जाएगी। केंद्र सरकार बताए कि पहली नोटबंदी के बाद देश से कितना आतंकवाद खत्म हुआ? 2016 की नोटबंदी के दौरान केंद्र सरकार का दावा था कि इससे देश में नक्सलवाद पर गहरी चोट की जा सकेगी। 2016 की नोटबंदी के दौरान आम आदमी बुरी तरह परेशान हुआ था बैंकों की लाईनों में लगने वाले कई लोगों की जान भी गई थी अब केंद्र सरकार ने एक बार फिर से 2000 के नोट के चलन को बंद कर दिया है। ऐसे में क्या इस बार भी लोगों को बैंकों की लाईनों में खड़ा रहना पड़ेगा?

पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों से आम लोग बुरी तरह परेशान हैं। केंद्र सरकार बिना किसी जानकारी के अपनी बातों को लोगों पर लाद देती है जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता के लिए जन-जन को जागरूक करने की आवश्यकता : डीएम

- ज्ञान भवन में एसएलडब्ल्यूएम पर कार्यशाला का आयोजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने कहा है कि जनहित के मामलों के प्रति हम सभी प्रतिबद्ध हैं। वे शानिवार को ज्ञान भवन में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान-द्वितीय चरण अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के क्रियान्वयन पर आयोजित एकदिवसीय उन्मुखीकरण-सह-कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इसमें जिले के सभी ग्राम पंचायतों के माननीय मुखिया, पंचायत सचिव, स्वच्छता पर्यवेक्षक, सभी पंचायत तकनीकी सहायक, मनरेगा कनीय अभियंता, एलएसबीए के प्रखंड समन्वयक, जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने भाग लिया। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि मुखियों, कर्मियों तथा अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि आप सभी काम के प्रति मुस्तैद हैं। समाज के अंतिम पायदान तक पहुँच सुनिश्चित करने, उन्हें विकास की प्रक्रिया से जोड़ने एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण संबंधी विषयों पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए माननीय मुखियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के विकासात्मक एवं लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों तथा योजनाओं को जन-जन तक पहुँचा कर आप विकास को अपेक्षित गति प्रदान करते हैं। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि विकास के प्रति हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक एवं समावेशी है। विकसित बिहार के सात निश्चय तथा आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय के सफल क्रियान्वयन के लिए हम सभी सजग एवं तत्पर हैं। आपसी समन्वय के द्वारा न्याय के साथ विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में हम सभी अग्रसर हैं। इससे पहले जिलाधिकारी डॉ. सिंह ने उप विकास आयुक्त, पटना तनय सुल्तानिया, मुखिया संघों के अध्यक्ष एवं अन्य के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। उप विकास आयुक्त, पटना द्वारा लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की रूप-रेखा, ओडीएफ से ओडीएफ-एस एवं ओडीएफ-प्लस, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की संकल्पना तथा आवश्यकता, ग्रामीण परिवेश में इसकी वर्तमान स्थिति, वित्तीय प्रावधान, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, तकनीकों का प्रयोग, जिले की उपलब्धि इत्यादि पर विस्तार से बताया गया। पूरे दिन कार्यशाला का आयोजन हुआ। एसएलडब्ल्यूएम हेतु सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। पंचायती राज विभाग की योजनाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में अभिमुखीकरण किया गया। खुला सत्र एवं प्रश्नोत्तर सेशन का भी संचालन किया गया।

डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि वर्तमान में ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य किया जा रहा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से संग्रहित किए गए ठोस अपशिष्ट का जैविक खाद एवं प्लास्टिक अपशिष्ट का उचित माध्यमों से निपटान किया जा रहा है। अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई द्वारा जैविक एवं अजैविक अपशिष्टों का भंडारण तथा प्रसंस्करण किया जाता है। उन्होंने कहा कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थों के वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण एवं निष्पादन के प्रति हम सबको सजग एवं मुस्तैद रहना होगा। उन्होंने कहा कि पटना जिला में इस विषय पर काफी अच्छा काम किया गया है। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत एसएलडब्ल्यूएम के क्रियान्वयन तथा ओडीएफ प्लस में उत्कृष्ट कार्य हेतु पटना को अनेक बार पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि आगे भी हम सभी सराहनीय कार्य करते रहेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व ने बनाया भारतीय अर्थव्यवस्था को समृद्ध : मंगल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आज देश की अर्थव्यवस्था से लेकर विदेश नीति की तारीफ दुनियाभर में हो रही है। हमारी विदेश नीति व आर्थिक नीतियों की चर्चा है, जिसका श्रेय पीएम श्री नरेंद्र मोदी को जाता है। पीएम मोदी जापान के हिरोशिमा में जी-7 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचे हैं। चौथी बार उन्हें इस सम्मेलन में आमंत्रित किया गया। हालांकि, भारत जी-7 समूह का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसके बावजूद भारत को आमंत्रित किया गया है। ये पीएम मोदी की सराहनीय कार्य और कुषल आर्थिक नीति की देन है। ये उनकी वैश्विक लोकप्रियता है।

श्री पांडेय ने कहा कि जी-7 यानी ग्रुप ऑफ सेवन दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है। जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। बावजूद इसके भारत का सीधे तौर पर हस्तक्षेप और वैश्विक मंच पर खुद को साबित करने का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी व उनकी कारगर नीतियों को जाता है। अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा नीति और वैश्विक आर्थिक मुद्दों जैसे विषयों पर बात करने के लिए इस प्रकार की बैठकें होती हैं। जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था को अब नकारा नहीं जा सकता। एक दौर था जब कांग्रेस की सरकार में हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी पिछड़ते जा रहे थें। श्री पांडेय ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में पीएम मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम रहा। भारत 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की ओर आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी के शासन में भारत ने आर्थिक सुधार की दिशा में कई सराहनीय कार्य किए। जिसकी बदौलत दुनिया में भारतीय बाजार का डंका बजा। कोरोना महामारी एवं रुस -यूक्रेन युद्ध जैसे तमाम मौकों पर केंद्र सरकार ने सराहनीय कार्य किए। पीएम मोदी का कुशन नेतृत्व देश की अर्थव्यवस्था को न सिर्फ संभालने में कामयाब हुआ बल्कि दुनिया के सामने एक मजबूत राष्ट्र के तौर पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा।

11 से 12 के शिक्षक पद के लिए पीजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक व बीएड अनिवार्य

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य सरकार ने नई शिक्षक नियमावली के तहत अध्यापक के पद पर नियुक्ति के लिए अनिवार्य अहर्ता तय कर दी है। शिक्षा विभाग के तरफ से इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इसके अनुसार प्राइमरी स्कूल से लेकर हाई स्कूल तक के टीचर की अर्हता निर्धारित की गई है।

दरअसल, शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव के अनुसार शिक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए पूर्व में लागू अर्हता को नई नियमावली के तहत अधिसूचित किया गया है। इसमें कहा गया है कि, बीएड योग्यताधारी अभ्यर्थी ही पहली से पांचवीं कक्षा के शिक्षक बन सकेंगे। लेकिन उन्हें दो साल के अंदर 6 माह का ब्रिज कोर्स करना अनिवार्य होगा।

बताया जा रहा है कि, शिक्षा विभाग के तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक प्लस-टू में क्लास 11 से 12 के शिक्षक पद के लिए पीजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक व बीएड अनिवार्य होगा। कंप्यूटर विषय के शिक्षक पद के लिए संबंधित विषय में न्यूनतम 50 अंक और किसी विषय में पीजी की डिग्री जरूरी होगी। इसके आलावा कृषि विषय के शिक्षक पद के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक और कृषि से संबंधित विषय में पीजी डिग्री, संगीत शिक्षक के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ संगीत शिक्षा में पीजी उपाधि या उसके समकक्ष अर्हता अनिवार्य होगी।

वहीं, यदि बात करें हाई स्कूलों के टीचर की तो कक्षा 9 से 10 तक के शिक्षक के लिए संबंधित विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या पीजी डिग्री और बीएड जरूरी होगा। शारीरिक शिक्षक के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ मान्यता प्राप्त संस्थान से शारीरिक शिक्षा में स्नातक की डिग्री अनिवार्य होगी। संगीत शिक्षक के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ संगीत शिक्षा में स्नातक की डिग्री या उसके समकक्ष की उपाधि आवश्यक होगी। ललित कला व नृत्य विषय के शिक्षक के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ संबंधित विषय में स्नातक या उसके समकक्ष की डिग्री आवश्यक होगी।

प्रदेश कार्यसमिति में प्रदेश प्रभारी की घोषणा, सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भाजपा 30 मई से 30 जून तक जनसंपर्क का महाअभियान चलाएगी

पीएम मोदी को टक्कर देने वाला कोई नहीं : सम्राट

- प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट : विजय

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावडे ने घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली नरेंद्र मोदी की सरकार के 9 वर्ष पूरा होने पर भाजपा आगामी 30 मई से 30 जून जनसंपर्क का महाअभियान चलाएगी। यह अभियान जनता से संपर्क करने का अभियान है। हम सभी आम जनों के बीच जाएंगे और मोदी सरकार के कार्यों को विस्तार से जन-जन को बताएंगे।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 2024 में विपक्ष पूरी तरह से साफ हो जाएगा। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि 30 मई से प्रारंभ होने इस अभियान को सफल बनाने में पार्टी का कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी के साथ लग जाए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी की सरकार गांव, गरीब, शोषित एवं बच्चों के कल्याण हेतु समर्पित है, यही कारण है कि देश का गौरव विश्व पटल पर लगातार बढ़ रहा है।

इस दौरान मोदी सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि देश के सबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 9 साल बेमिसाल रहा। देश के प्रधानमंत्री को कोई टक्कर देने वाला नहीं है लेकिन हमें जनता को बताना होगा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जनता के लिए 9 वर्षों के कार्यकाल में कौन-कौन से विकास के कार्य किए।

उन्होंने कहा कि कहा कि आज पहली कार्यसमिति की बैठक मेरे कार्यकाल में हो रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भाजपा ने सभी के कल्याण के लिए काम किया है।

गरीबों को घर दिए गए तो बैंक खाते खोले गए। जिन घरों में पानी नहीं पहुंचा था, वहां पेयजल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि किसानों के सम्मान की बात की गई।

उन्होंने कहा कि अब भारत को सोने की चिडिया नहीं सोने का शेर बनाने का काम करना है, जो कहीं भी जाकर दहाड सके। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में आए हुए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में अपराध की घटना में बेतहाशा वृद्धि हुई है। प्रशासन बेलगाम है प्रत्येक दिन हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं हो रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 90 का वह दौर फिर से बिहार में दिखने लगा है। लोग सहम गए हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों की उम्मीद भाजपा कार्यकताओं से है, जो इस वातावरण से लोगों को निकालने में मदद करे, जिसमें हम सभी की भूमिका अहम होगी।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने आगामी 1 महीने तक चलने वाले जनसंपर्क अभियान के संदर्भ में विस्तृत जानकारी कार्यसमिति की बैठक में रखी। प्रदेश कार्यसमिति बैठक के प्रथम सत्र में संचालन प्रदेश महामंत्री बेबी कुमारी ने किया जबकि द्वितीय सत्र का संचालन का प्रदेश मंत्री शीला प्रजापति ने निभाई। धन्यवाद ज्ञापन सांसद रामकृपाल यादव ने किया।

इस बैठक में मुख्य रूप से बिहार भाजपा के सह प्रभारी हरीश द्विवेदी सुनील ओझा संगठन महामंत्री नागेंद्र जी प्रदेश संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया केंद्रीय मंत्री आरके सिंह नित्यानंद राय भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधा मोहन सिंह बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद पूर्व उपमुख्यमंत्री तार किशोर किशोर प्रसाद रेणु देवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जयसवाल, नंदकिशोर यादव मंगल पांडे, केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन सहित प्रदेश पदाधिकारी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सांसद विधायक विधान पार्षद आदि उपस्थित थे।

राजकुमार शुक्ल की पुण्यतिथि के अवसर पर दी गई श्रद्धांजलि

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। चंपारण सत्याग्रह के अग्रदूत पंडित राजकुमार शुक्ल की 94वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पं राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान द्वारा पुण्यतिथि समारोह कार्यक्रम आयोजित की गई। इस अवसर पर पंडित शुक्ल के दोहत्रि वीणा देवी लोजपा के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट समेत प्रदेश के कई गणमान्य लोगों ने पंडित राजकुमार शुक्ल के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री भट्ट ने कहा कि पंडित शुक्ल के चंपारण सत्याग्रह में किए गए योगदान को कभी कृतज्ञ राष्ट्र भुला नहीं सकता भले ही पिछली सर

संक्षिप्त खबरें

बीडीओ ने आरटीपीएस कार्यपालक सहायक से मांगा स्पष्टीकरण

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आरटीपीएस कार्यपालक सहायक अल्पना कुमारी से कार्य में लापरवाही एवं कार्य के प्रति उदासीनता को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। बताया गया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत प्राप्त आरटीपीएस आवेदन में आवेदिका के नाम की जगह उसकी मां का नाम अंकित किया गया है। जिसके कारण ई पोर्टल पर आवेदन की इंट्री नहीं हो पा रही है। प्रायः आरटीपीएस कार्यपालक सहायक द्वारा गलत इंट्री किया जाता है। जिसके कारण आवेदन निष्पादन में परेशानी होती है। आदेश जारी करते हुए उन्होंने कहा है कि पत्र प्राप्ति के साथ तथ्य से संबंधित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें अन्यथा आपके विरुद्ध नियोजन रद्द करने हेतु वरीय पदाधिकारी को अनुशंसा के साथ प्रतिवेदित किया जाएगा

शराब मामले में दोषी को 5 साल की सजा और एक लाख जुमार्ना

समस्तीपुर। समस्तीपुर व्यवहार न्यायालय में उत्पाद अधिनियम के विशेष न्यायाधीश संजय कुमार द्वितीय के द्वारा शनिवार को उत्पाद वाद संख्या 43/22 के आरोपी जिले के सरायरंजन थाना क्षेत्र के रायपुर बुजुर्ग वार्ड नंबर 20 निवासी और स्वर्गीय नंदू महतो के पुत्र नथुनी महतो को धारा 30 (ए) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के तहत दोषी पाते हुए 5 वर्ष सश्रम कारावास और एक लाख रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई गई है। अर्थदंड नहीं देने की स्थिति में छह माह अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतने का निर्णय दिया गया है। मामले के संबंध में बताया गया कि पिछले वर्ष 9 फरवरी को अभियुक्त नथुनी महतो के घर के पीछे बने बरामदा में चौकी के नीचे से एक लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया था। जिसके बाद नथुनी महतो को गिरफ्तार कर मद्य निषेध से संबंधित मामला दर्ज किया गया था। उसी मामले में नथुनी महतो को दोषी पाते हुए 20 मई को कोर्ट के द्वारा उसे 5 वर्ष आश्रम कारावास और एक लाख रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई गई है।

परिचर्चा में विज्ञान व गणित विषय की दी गई जानकारी

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के मध्य विद्यालय गंगापुर में शनिवार को बैगलेस सुरक्षित शनिवार को लेकर विज्ञान एवं गणित क्लब के कार्यों पर विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अखिलेश ठाकुर ने विज्ञान एवं गणित क्लब के कार्यों, इसके महत्व एवं उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही विज्ञान एवं गणित के लैब का परिचय, उसकी साफ-सफाई के अलावा मॉडल एवं चार्ट का निर्माण भी बच्चों से कराया गया। इसके अलावा गणित की कुछ रोचक गतिविधियां भी कराई गई। मौके पर शिक्षक-शिक्षिकाओं में राजकुमार, संजीत कुमार, नूतन कुमारी, ज्योति कुमारी, रुबी कुमारी, अंबिका कुमारी सहित सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वास्थ्य केंद्र शादीपुर का संचालन सुचारू रूप से हुआ प्रारम्भ

खानपुर प्रखंड में कम्युनिटी हेल्थ सेंटर खानपुर के अंतर्गत संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य उपकेंद्र शादीपुर को सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है। बताते चलें कि दिनांक 18 मई 2023 एवं दिनांक 19 मई 2023 को समाचार पत्रों में इस स्वास्थ्य उपकेंद्र के बंद होने की सूचना प्रकाशित की गई रही। इस मामले में जिला पदाधिकारी योगेंद्र सिंह के निदेर्शानुसार सिविल सर्जन डॉ एसके चौधरी द्वारा स्वास्थ्य उपकेंद्र शादीपुर की जांच प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के साथ की गई। एवं जांच के दौरान यह पाया गया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र को विवादित भवन से हटाकर पंचायत के मुखिया द्वारा संसूचित करने पर मनरेगा भवन में जनहित वास्ते संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है तथा एक सुरक्षा गार्ड की भी प्रतिनियुक्ति कर दिया गया है। साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया गया है कि भयमुक्त होकर कार्य करें। उन्हें विभाग एवं स्थानीय प्रशासन का संपूर्ण सहयोग मिलेगा। अब वर्तमान में नियमित एवं सुचारू रूप से स्वास्थ्य केंद्र शादीपुर का संचालन हो रहा है। केंद्र सुचारु संचालन से पंचायत वासी में खुशी देखी गई है।

गले में फंदा डाल विवाहिता ने की खुदकुशी, पति की डांट से थी आहत

सरायरंजन, समस्तीपुर। मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के रुदौली गांव में शुक्रवार की देर शाम वट सावित्री व्रत के दिन पति की डांट से एक विवाहिता ने गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान गांव के ही साजन कुमार की पत्नी सविता देवी (40) के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना के संबंध में बताया गया है कि शुक्रवार की शाम उक्त विवाहिता का उसकी सास के साथ कहासुनी हुई थी। इस पर उसके पति ने विवाहिता को डांट-डपट किया तथा बाहर निकल गया। पति के बाहर निकलते ही उक्त विवाहिता ने अपने गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया।

मुफ्फसिल, पूसा और कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7 अपराधी गिरफ्तार

- गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने दो देसी पिस्टल, चार देसी कट्टा, नौ गोली और लूट का सामान किया बरामद
- जितवारपुर कोठी के मैनेजर से लूट और पूसा में बकाया रुपए मांगने पर गोली मारकर घायल करने की घटना का पुलिस ने किया उद्भेदन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लूट की योजना बनाते व लूटकांड को अंजाम देने वाले कुल सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से दो देसी पिस्टल, चार देसी कट्टा, नौ गोली के अलावा लूट में प्रयुक्त पल्सर 220 बाइक, लूट किया गया तीन मोबाइल सहित छह मोबाइल, एक बैग और 3100 रुपए एवं एक हीरो स्प्लेंडर बाइक बरामद किया है। शनिवार को समस्तीपुर एसपी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए एसपी विनय तिवारी ने बताया कि जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों समस्तीपुर बाईपास रोड में कोठी घाट के पास हथियार का भय दिखाकर हुई जितवारपुर कोठी के मैनेजर से लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन अपराधियों को पुलिस ने थाना क्षेत्र के हकीमाबाद इस्थित लीची बगान से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लूट की गई रकम और मोबाइल के अलावा घटना में प्रयुक्त बाइक, दो देसी कट्टा एवं चार गोली बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान थाना क्षेत्र के हकीमाबाद निवासी सुबोध कुमार राय के पुत्र विकी कुमार, जितवारपुर चांदनी चौक के स्वर्गीय रामचंद्र राय के पुत्र अजय कुमार उर्फ मन्ना एवं वारिसनगर थाना क्षेत्र के हांसा निवासी राजकुमार पासवान के पुत्र सूरज कुमार के रूप में हुई है। एसपी विनय तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी ड्रग्स एडिक्ट हैं और ड्रग्स लेने के बाद उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया था। उन्होंने कहा कि इस मामले के सफल उद्भेदन को लेकर सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम के द्वारा घटना के 72 घंटों के अंदर आसूचना संकलन एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर घटना में संलिप्त तीन अपराधियों को लूट के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं उन्होंने बताया कि पूसा थाना क्षेत्र अंतर्गत लूट की योजना बनाते दो पेशेवर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने बीते दिनों बकाया रुपए मांगने पर युवक को गोली मारकर घायल किए जाने के मामले का भी खुलासा कर दिया। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो पिस्टल एक देसी कट्टा और पांच गोली एवं एक मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान पूसा थाना क्षेत्र के भुसकौल मुरा टोल के स्व० योगेन्द्र राय के पुत्र दीपक राय एवं हरपुर पूसा के अवधेश दास के पुत्र अनमोल कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों रुपए के लेन-देन को लेकर अपराधी दीपक राय के द्वारा ही विक्रम कुमार को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। घायल विक्रम कुमार के आवेदन पर पूसा थाना में मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। इसी दौरान भुसकौल मुरा टोल स्थित आम गाछी में सात-आठ अपराधियों के इकट्ठा होकर किसी बड़ी घटना की योजना बनाने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिसके बाद पूसा थाना पुलिस ने छापेमारी कर दो अपराधियों को को गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल और एक देसी कट्टा व दो गोली और एक मोबाइल बरामद किया। वहीं बताया गया कि इस दौरान भागने में कामयाब रहे पांच अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। विस्तृत पूछताछ में अपराधी दीपक राय ने बताया कि रुपए की लेन-देन को लेकर विक्रम कुमार को सुबह से एक रूम में बंधक बनाये हुये थे तथा मारपीट कर रहे थे, जब विक्रम कुमार भागने लगा उन लोगों ने विक्रम को गोली मारकर घायल कर दिया था। पुलिस की छापेमारी टीम में पूसा थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी, एसआई फिरोज आलम एवं थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

वहीं कल्याणपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के जनार्दनपुर से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक देशी कट्टा, एक बाइक और दो मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान थाना क्षेत्र के भगवानपुर निवासी संजय सहनी के पुत्र लक्की कुमार एवं भगवानपुर गौरीना निवासी उमेश राय के पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है। 19 मई को कल्याणपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के जनार्दनपुर स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के मैदान में तीन बदमाशों के इकट्ठा होकर किसी बड़ी अपराधिक घटना की योजना बनाने की सूचना के बाद छापेमारी करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाशों के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा और एक मोबाइल बरामद किया है। वहीं, पुलिस की छापेमारी के दौरान नंदन कुमार नाम का एक शख्स वहां से भागने में कामयाब रहा। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। मौके पर सदर डीएसपी संजय कुमार पांडे, पूसा थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी, एसआई आनंद कुमार कश्यप एवं एसआई मुकेश कुमार व अन्य उपस्थित थे।

अभियंत्रण महाविद्यालय में 5 लाख पैकेज पर हुआ छात्रों का सलेक्शन

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखण्ड के नरघोघी स्थिति राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में शुक्रवार को 10 और फाईनल ईयर के छात्र छात्राओं को औरा एनर्जी जैसे प्रतिष्ठित सोलर एनर्जी कंपनी में ग्रेजुएट इंजिनियर ट्रेनी के पद पर पांच लाख के पैकज पर ऑन कैम्पस प्लेसमेंट हुआ। चयनित छात्र और छात्राओं में अभिषेक कुमार, नवनीत कुमार, सुमित कुमार, राहुल कुमार, संदीप कुमार, रविशंकर कुमार, अनिल कुमार राम, सोनम कुमारी, सुमन सौरव व आदित्य राज शामिल है। हालाकि कंपनी द्वारा यह वादा किया उन्हें कई सारे एडिशनल बेनिफिट्स भी कंपनी द्वारा मुहैया कराया जाएगा। इस मौके पर संस्थान के प्राचार्य डॉ राजकिशोर तुगनायत ने चयनित छात्र=छात्राओं को बधाई देते हुए बताया कि हमें बहुत खुशी हो रही है कि हमारे बच्चे का चयन हो रहा है और आशा है कि आगे भी अधिक से अधिक छात्रों का प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित होता रहेगा। इसके लिए हमारे संस्थान के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल लगातार काम कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल के इनचार्ज प्रो० तनमय कुमार को भी ध्यान्यवाद दिया। इस मौके पर ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल के प्रो० इनचार्ज प्रो० तनमय कुमार ने बताया कि स्किल एन्हांसमेंट पर ज्यादा से ज्यादा फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही कॉलेज के अधिकतम बच्चों का प्रतिष्ठित कंपनी में चयन होगा।

डीएम ने किया जिला स्तरीय अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का उद्घाटन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर आरएसबी इंटर विद्यालय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जिला स्तरीय स्कूली बच्चों के लिए अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने प्रखंड स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रति प्रखंड से एक, एक टीम चयन होकर आये हुए प्रतिभागियों को शुभकामना देते हुए कहा कि जिला स्तरीय इस प्रतियोगिता में सफल होने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तर के प्रतियोगिता में भेजा जायेगा। इस तरह के अवसर हमेशा नहीं कभी-कभी आते हैं। इसलिए अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहें। डीएम श्री सिंह ने आरबीआई के पूरे टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि इतने कम उम्र के बच्चों के बीच आरबीआई वित्तीय समावेशन, वित्तीय मामलों, वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूकता अभियान चला रही है। ये वाकई काबिले तारीफ है। आरबीआई, पटना के एलडीओ संदीप कुमार ने कहा कि सतत विकास के लिए वित्तीय समावेशन आवश्यक है तथा समाज के मुख्य धारा से जोड़ने में कारगर है। डीईओ मदन राय ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग विभिन्न विभागों द्वारा प्रतियोगिता कराते रहती है, परन्तु वित्तीय समावेशन पर यह प्रतियोगिता काफी लाभदायक है। एलडीएम पीके सिंह ने कहा कि डीईओ श्री राय के सहयोग से आरबीआई की यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक करायी गयी है। बच्चों में वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक करना इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य है। बतादें कि इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रति प्रखंड से अव्वल टीम भाग लिया है। जिसमें से मोहिउद्दीननगर, शिवैसिंगपुर के यश कुमार एवं आयुषी कुमारी प्रथम, सरायरंजन, किशनपुर के कृष्णा कुमार ठाकुर, सोनाली कुमारी द्वितीय एवं कल्याणपुर के बिट्टू कुमार, अभिनव सिंह तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिसे पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। प्रथम स्थान वाले टीम यश कुमार एवं आयुषी कुमारी राज्य स्तर के प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। मौके पर डीपीओ मानवेंद्र कुमार राय, एलडीएम कार्यालय प्रबंधक विकास कुमार, स्कूल के एचएम, शिक्षक आदि थे।

हथौड़ी थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह के स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत हथौड़ी थाना परिसर में शनिवार को थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह के स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह विदाई समारोह का आयोजन में मुख्य रूप से नन्द कुमार सिंह, रहटौली सरपंच रविंद्र प्रसाद चौधरी, मधुरापुर पूर्व मुखिया राजेश कुमार पासवान, पूर्व जिला पार्षद शिवशंकर मंडल, के द्वारा बैंड बाजा के साथ आयोजित किया गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने हथौड़ी थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। अंचलाधिकारी प्रिया आर्यन आयार्नी, नीरज सिंह, सरपंच पुत्र सोनू सिंह, गोविंद सिंह, अपर थानाध्यक्ष रमेश कुमार, प्रशिक्षु एसआई राहुल कुमार, एसआई कुंदन कुमार पासवान, प्रशिक्षु एसआई शबाना आजमी, मुंशी ओमप्रकाश सिंह, चौकीदार मिथिलेश पासवान, रामजतन, अमृतम प्रसाद तुलसी, मुकेश कुमार सिंह, रामचंद्र सिंह, मुखिया भरत सिंह, लक्ष्मी सिह, मुखिया प्रेम कुमार सहनी सहित आदि ने थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह के उनकी सादगी आचरण व व्यवहार की चर्चा कर पुष्प गुच्छ अंगवस्त्र आदि भेट कर सम्मानित किया। मौके पर मौजूद लोगों ने अपर थानाध्यक्ष रमेश कुमार को सम्मानित करते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील। अपर थानाध्यक्ष ने मौजूद लोगों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में हरसंभव शांति व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

छात्र नेता पर झूठा मुकदमा वापस ले पुलिस, अन्यथा होगा आंदोलन : एसएफआई

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

भारत का छात्र फेडरेशन एसएफआई के राज्य सचिव मंडल सदस्य अवनीश कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सिंघिया घाट निवासी छात्र नेता विनीत कुमार पर विभूतिपुर पुलिस ने झूठा मुकदमा दर्ज किया है। जिसे विभूतिपुर पुलिस अविलंब वापस लिया जाए अन्यथा छात्र संगठन एसएफआई के बैनर तले चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभूतिपुर पुलिस नवीन कुमार और छात्र नेता के बीच गत वर्ष डीबीकेएन कॉलेज में बीएड नामांकन से ही तनातनी जारी है। विगत माह छात्र नेता विनीत कुमार विभूतिपुर थाना को राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों पर सोशल मीडिया के जरिए आत्महत्या के लिए उकसाने की आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी। जिसे पुलिस द्वारा एक साजिश के तहत विभूतिपुर थाना में ही सुलहनामा कर ली गई थी। छात्र नेता विनीत कुमार बराबर सोशल मीडिया के जरिए अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों पर सवाल उठाते रहते हैं। विगत 13 मई को छात्र नेता को मोबाइल के जरिए असामाजिक तत्वों द्वारा धमकी दिया गया था और घर पर आकर मारपीट भी किया था। जिसके बाद छात्र नेता ने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी थी। लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। उसके बाद राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों और असामाजिक तत्वों के साथ सांठगांठ कर विभूतिपुर पुलिस ने उल्टा झूठा मुकदमा छात्र नेता विनीत कुमार पर दर्ज कर दिया है। इसीलिए एसएफआई पुलिस से मांग करती है कि छात्र नेता पर झूठा मुकदमा वापस लिया जाए। इसी मुद्दे को लेकर एसएफआई विभूतिपुर अंचल कमेटी की बैठक दिनांक 23 मई को बुलाई गई है।

भूमिहीन को बसने के लिए भूमि अधिकार कन्वेंशन का हुआ आयोजन

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत विद्यासागर कोचिंग संस्थान चांद सुरारी के प्रांगण में सीपीआईएम द्वारा भूमिहीनों के बसने के लिए भूमि अधिकार कन्वेंशन का आयोजन किया गया। अध्यक्षता शाखा मंत्री डॉ गोपाल प्रसाद राकेश ने किया। कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विभूतिपुर विधायक अजय कुमार ने कहा की भूमिहीनों को बसने के लिए जमीन मिलना ही चाहिए। यह उनका अधिकार है। बिहार की सरकार ने यह घोषणा किया है कि सभी भूमिहीनों को 3 डिसमिल जमीन दिया जाएगा। आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी देश के अंदर गरीबों की स्थिति यह है कि उनके पास अपना घर बनाने के लिए 5 धुर भी जमीन नही है। वहीं दूसरी ओर जमींदारों के पास हजारों एकड़ जमीन है यह विडंबना है। देश की राजनीतिक हालात पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा इस देश के लिए मेडल जीत के आने वाले महिला पहलवानों का यौन शोषण भाजपा के सांसद ब्रिज भूषण शरण सिंह के द्वारा किया गया। एक महीना से दिल्ली के जंतर मंतर पर महिला पहलवान धरना दे रही है लेकिन भाजपा की सरकार उस आरोपी सांसद को बचाने के लिए उसकी गिरफ्तारी नहीं होने दे रही है। महिला पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा कि आरोपी की अविलंब गिरफ्तारी होनी चाहिए एवं न्याय सुनिश्चित होना चाहिए। देश का संविधान खतरे में है। अंबेडकर साहब की मूर्ति को तोड़ा जा रहा है और गंगा जमुनी संस्कृति हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में है भाई-भाई के सामाजिक सांप्रदायिक सद्भाव के माहौल को खत्म करने के लिए धार्मिक एजेंडे को उभारने की कोशिश हो रही है। देश को बचाने के लिए संविधान को बचाने के लिए भाईचारा, देश की एकता अखंडता को बचाने के लिए तमाम लोगों को एकजुट होना होगा और राजनीतिक कुचक्र को तोड़ना पड़ेगा। कन्वेंशन को सीपीआईएम के जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार, लोकल मंत्री सीपीआईएम मिथिलेश सिंह, लोकल कमेटी सदस्य डॉ विष्णु देव प्रसाद सिंह, रामकुमार सिंह, बबलू कुमार, आलोक कुमार, बिसो महतो आदि ने संबोधित किया।

लर्निंग फेस्टिवल हुआ संपन्न, 1300 से ज्यादा बच्चों ने लिया भाग

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के छह विद्यालयों में हो रहा लर्निंग फेस्टिवल शनिवार को संपन्न हो गया। बिहार शिक्षा परियोजना और क्षमतालय फांउडेशन के संयुक्त तत्वधान में इस परियोजना को संचालित किया गया था। राजकीयकृत मध्य विद्यालय सरायरंजन में प्रखंड प्रमुख वीणा देवी ने बच्चों के द्वारा तैयार शैक्षणिक गतिविधि को देखकर प्रसंता जाहिर की। उन्होने कहा कि खेल-खेल में शिक्षा और इस तरह की शैक्षणिक गतिविधि से बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। बता दें कि शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समस्तीपुर के सरायरंजन, विद्यापतिनगर और दलसिंहसराय प्रखंड के पांच विद्यालयों में छह दिवसीय सीखने सिखाने का मेला लर्निंग फेस्टिवल आयोजित किया गया। 15 मई से शुरू हुए इस फेस्टिवल में बच्चों ने नाटक का करिश्मा, विज्ञान का जादू, कला और कल्पना, कठपुतली और कहानी, बोर्ड गेम के द्वारा अपनी शैक्षणिक गतिविधि को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनि के छठवें दिन सभी विद्यालयों में स्थानीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, गांव के अभिभावक, स्कूल के सभी शिक्षक व सभी बच्चों ने भाग लिया। इस फेस्टिवल में समस्तीपुर जिला के रायकीयकृत मध्य विद्यालय सरायरंजन, उत्कर्मित मध्य विद्यालय रायपुर बुजुर्ग, उत्कर्मित मध्य विद्यालय मऊ धनेशपुर, उत्कर्मित मध्य विद्यालय महादेवस्थान, और उत्कर्मित मध्य विद्यालय खेतापुर कन्या के 1300 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। मध्य विद्यालय सरायरंजन के प्राचार्य राजा महतो ने कहा कि लर्निंग फेस्टिवल से बच्चों में सीखने और अपने सीखे हुए ज्ञान का प्रयोग कर शैक्षणिक गतिविधि करने का मौका मिला है। इस फेस्टिवल में बच्चों के साथ साथ शिक्षक भी पूरे जोश के साथ हिस्सा लेते हैं, और गतिविधि के माध्यम से बच्चों को नई नई चीजे बनाना सीखाते है। इस लर्निंग फेस्टिवल का थीम जीव-जंतु और पेड़-पौधे रखा गया था। सभी बच्चे अपनी कलाओं का प्रदर्शन इसी थीम पर किये। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख ने मध्य विद्यालय सरायरंजन में नई पुस्तकालय का उद्घाटन भी किया। साथ ही विद्यालय के बच्चों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर सभी विद्यालयों में बच्चों के अभिभावक और समाज के अन्य वरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

फसल कटाई दिवस पर किसान गोष्ठी का आयोजन

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड के बेलसंडी तारा पंचायत में निजी बीज कंपनी के द्वारा फसल कटाई दिवस पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन रामबाबू राय के खेत में लगे मक्के की फसल कटाई दिवस पर चेरियन पोकफंड सीड्स, के द्वारा किया गया। जहां कंपनी के बीज अधिकारी के द्वारा बीज लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए गुणवत्ता के बारे में जानकारी विस्तार से दिया। कार्यक्रम में किसान के रजिस्ट्रेशन के बाद लकी ड्रॉ के माध्यम से किसानों का सम्मानित भी किया गया। गोष्ठी में 80 से 100 किसान उपस्थित होकर मक्के की बुवाई से कटाई की जानकारी प्राप्त की। मौके पर कंपनी के पदाधिकारी आर साह, हेड कॉन्ट्राकोर्न स्टेट इंचार्ज राजीव कुमार सिंह, मार्केटिंग सेक्शन मैनेजर फील्ड रिपर्नटेटिव जितेंद्र कुमार, जितेंद्र शर्मा, रौशन कुमार, रौशन सिंह, विवेक कुमार, धीरज कुमार, विकास कुमार, उमेश कुमार, सुनील कुमार सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

वित्त मंत्री ने चार दर्जन लोगों को दिलायी जदयू की सदस्यता

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सूबे के वित्त, वाणिज्यकर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने शनिवार को नरघोघी गांव स्थित खैरवन टोला में पीसीसी सड़क का फीता काटकर उद्घाटन किया। वहीं मंत्री ने खैरवन टोला में चार दर्जन से अधिक युवाओं को जदयू की सदस्यता दिलाई। श्री चौधरी ने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों को माला, चादर आदि देकर सम्मानित भी किया। सदस्यता समारोह को संबोधित करते हुये श्री चौधरी ने कहा कि सरायरंजन के लोगों ने आशीर्वाद देकर हमको इतना आगे बढाया है। आप लोगों की मदद से ही हमने जो सरायरंजन में विकास कार्य किए हैं, उसकी चर्चा पूरे बिहार में है। इससे पूर्व श्री चौधरी ने सलहा गांव के 9 अग्नि पीड़ितों से मिले। सभी अग्निपीड़ितों को उन्होंने 19-19 हजार के चेक प्रदान किए। समारोह की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद ने की। संचालन अभिराम झा गुड्डू ने किया। समारोह को प्रखंड प्रमुख वीणा कुमारी, उप प्रमुख संजीव ठाकुर, सरायरंजन नगर पंचायत अध्यक्ष पूजा कुमारी, विष्णुदेव पासवान, अनिल चौरसिया, विशाल कुमार, विद्याकर झा, दिनेश महतो, रामलाल झा, सुशील राय, बलबंत सिंह, कुमार विश्वनाथ, उमेशचंद्र झा, विकास कुमार ठाकुर, रामशंकर राय, अजय राय, दयानंद दास, सुनील राय, सरोज झा आदि लोगों ने संबोधित किया। मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद थे। वहीं मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सलाह गांव में अग्नि प्रीत परिवारों को चेक मुहैया कराया है मौके पर सीओ पंकज कुमार झा, अजहर इमाम, मुख्य पार्षद पूजा कुमारी आदि लोग उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर भारत पर संवाद आत्मक सत्र का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत डीबीकेएन कॉलेज नरहन समस्तीपुर के शिक्षाशास्त्र संकाय अंतर्गत प्रधानाचार्य के निदेर्शानुसार प्रत्येक माह अगस्त 2023 तक चलने वाली आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में मई माह के लिए आत्मनिर्भर भारत पर संवाद आत्मक सत्र का आयोजन किया गया। अध्यक्षता संकाय की प्रधान डॉक्टर कनक लता सिंह एवं संचालन रूपम कुमारी द्वारा किया गया। मौके पर उपस्थित दिलीप कुमार, सुशील कुमार सिंह, त्रिभुवन यादव एवं विजेंद्र कुमार सिंह ने भारत की बढ़तीआत्मनिर्भरता पर कुटीर एवं लघु उद्योग स्वराज ग्राम एवं मौलिक अनुसंधान पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉक्टर अनीता कुमारी द्वारा किया गया।

बाइक चोरी के दो आरोपी समेत तीन गिरफ्तार

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग कांडों में संलिप्त तीन आरोपियों ने पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में समस्तीपुर भेज दिया है। इस संबंध में सरायरंजन थानाध्यक्ष रविकांत कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या 146/23 के तहत बाइक चोरी के मामले में थाने के जितवारपुर कुम्हिरा निवासी बाबू प्रसाद राय के पुत्र गुलशन कुमार एवं इसी गांव के जगदीश साह के पुत्र संतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया है। वहीं थाने के अहमदपुर निवासी प्रमोद सहनी के पुत्र सोनू सहनी को नशे की हालत में हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में समस्तीपुर भेज दिया गया है।

चलती ट्रेन से उतरने के दौरान दलसिंहसराय बीपीआरओ का दोनों पैर कटा, आईजीएमएस रेफर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर समस्तीपुर शहर के ताजपुर रोड के पास चलती ट्रेन की चपेट में आने से दलसिंहसराय में कार्यरत प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संजय कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ट्रेन की चपेट में आने से उनका दोनों पैर कट कर अलग हो गया। अधिकारी के जख्मी होने की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पर सदर अस्पताल से पहुंचे एंबुलेंस की मदद से गंभीर हालत में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संजय कुमार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सिविल सर्जन डॉ एसके चौधरी, डीएस डॉ गिरीश कुमार की उपस्थिति में ऑन ड्यूटी डॉ संतोष कुमार झ

संक्षिप्त खबरें

इलाज कराने गई महिला के साथ चिकित्सक पुत्र ने किया छेड़छाड़

गोपालगंज। जिले के विजयीपुर थाने के मथौली गांव की एक महिला के साथ मथौली डोमा चैराहा स्थित एक चिकित्सक के लड़के ने पहले तो महिला को बैठाया और बाद में उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए छेड़खानी किया। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। घायल महिला के गिर जाने के बाद उसके गले से सोने का 10000 का मंगलसूत्र छिन लिया। बाद में महिला के शोर मचाने पर अगल-बगल के लोग आकर महिला को बचाए। पुलिस ने महिला के आवेदन पर मारपीट, छेड़खानी तथा चोरी की प्राथमिकी कर छानबीन प्रारंभ कर दिया है।

26 लीटर देशी शराब के साथ विजयीपुर में तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज। शराब की विशेष छापेमारी में विजयीपुर पुलिस ने मझवलिया पंचायत के चर्चित शराब तस्कर वार्ड 10 के वार्ड सदस्य तालिब सिद्धकी नामक शराब तस्कर को पटखौली चंवर से भारी मात्रा में देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वार्ड सदस्य के विरुद्ध बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2016 के अंतर्गत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी कर शराब एवं बाइक जप्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार की रात्रि 9.00 बजे ग्रामीण पुलिस की सूचना के आधार पर एसआई सत्येंद्र कुमार ने थाना क्षेत्र के पटखौली चंवर में चारों तरफ से पुलिस बल के साथ छापेमारी की। छापेमारी में मोटरसाइकिल पर लदे एक बोरी से 500 एमएल का 52पीस झिल्ली में देशी शराब बरामद किया गया। पुलिस ने मोटरसाइकिल, शराब जब्त करते हुए वार्ड सदस्य को गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में गोपालगंज न्यायालय भेज दिया।

मां बेटे को मारपीट कर किया जख्मी, प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के पांडेय चकिया गांव में घर बनवाने के लिए मजदूर लेकर जा रहे एक युवक और उसकी मां के साथ मारपीट की गई। मामले को लेकर 4 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया जाता है कि पांडेय चकिया गांव के सौरभ ओझा अपने साथ मजदूर लेकर गांव में घर बनवाने जा रहे थे। तभी उनके ही पटीदार विनय ओझा, अतुल ओझा, गरीब ओझा, अवधेश ओझा उन्हें घेर कर मारने पीटने लगे। बचाने गई मां को भी मारपीट कर जख्मी कर दिया। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

शराब पीकर हंगामा कर रहे युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के भोरे पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले भी उसे शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया था। जिसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली कि रामपुर परिवध गांव का सत्येंद्र यादव धरीक्षण मोड़ पर शराब पीकर हल्ला कर रहा है। सूचना मिलते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

24 बोतल शराब बरामद धंधेबाज फरार

गोपालगंज। जिले के भोरे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के लखनऊ बात के समीप गुप्त सूचना के आधार पर 24 बोतल शराब को बरामद कर लिया। इस दौरान महिला कारोबारी फरार होने में कामयाब हो गई। जिसके खिलाफ स्थानीय थाने में प्राथमिकी की गई है। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला द्वारा शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने लखरांव में छापेमारी की। जहां एक महिला शराब का झोला फेंक कर भाग गई। जिसकी पहचान रमावती देवी के रूप में की गई है।

भाजपा की सिसई मंडल के पदाधिकारियों का हुआ मनोनयन

गोपालगंज। जिले के भोरे प्रखंड के सिसई में एक कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। सिसई मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह के द्वारा भाजपा के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर विजय तिवारी, बलिराम सिंह कुशवाहा, दिनेश वर्णवाल, मुन्ना कुशवाहा, चिरैया देवी एवं प्रमिला देवी, महामंत्री पद पर रविकांत पांडेय एवं हरेराम कुशवाहा मंत्री पद पर सूर्यबली यादव, राजीव रंजन सिंह, पूनम देवी, प्रिया चैधरी, चानमती देवी, सत्येंद्र कुमार एवं कोषाध्यक्ष पद पर अवधेश कुशवाहा का मनोनयन किया गया। वहीं युवा मोर्चा में अध्यक्ष पद पर नागेंद्र तिवारी, महामंत्री सूरज बरनवाल, किसान मोर्चा के अध्यक्ष रामजी राय, पिछड़ा जाति मोर्चा के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद चैरसिया, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष रामबड़ाई राम, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष पिंकल साह, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मोहम्मद रशीद अंसारी, पंचायती राज प्रकोष्ठ संयोजक कमलेश प्रसाद को मनोनीत किया गया।

जदयू के प्रदेश प्रवक्ता ने सचिव प्रत्यय अमृत से मिल सौंपा मांग पत्र

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सह बैकुंठपुर के पूर्व विधायक मंजीत कुमार सिंह ने पथ निर्माण विभाग के सचिव -सह-स्वास्थ्य विभाग के अवर-सचिव प्रत्यय अमृत से मिलकर बैकुंठपुर विधानसभा के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया एवं समाधान के लिए मांग पत्र सौंपा। पूर्व विधायक मंजीत कुमार सिंह ने सचिव को मांग पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा कि डुमरिया घाट में पथ निर्माण विभाग के अधीन पर्याप्त मात्रा में खाली जमीन है, जिसकी चारदीवारी विभाग द्वारा कराई गई है जिसपर एक भव्य एवं आधुनिक गेस्ट हाऊस का निर्माण जनहित में आवश्यक है।

गोविंदगंज एवं सलेमपुर के बीच गंडक नदी पर पुल निर्माण के लिए विभागीय स्तर पर प्रक्रिया कराई जाए, यह जनहित के लिए बेहद आवश्यक है,साथ हीं डुमरिया घाट अवस्थित पुल के दूसरे लेन के भेन्ट में गाद भरने के कारण नदी का जलस्तर बढ़ने से छरकियों पर दबाव बढ़ेगा, जिससे बाढ़ की प्रबल संभावना है, बाढ़ से बचाव के लिए डुमरियाघाट भेंट की सफाई आवश्यक है। वहीं बरौली प्रखंड के एन एच मधुबनी मोड़ से लोहिजरा, हिम्मतपुर,चांदपरना,बुचेया होते हुए सिधवलिया तक जाने वाली पी डब्लू डी पथ को पथ निर्माण विभाग में स्थानांतरित करते हुए उसका मानक अनुरूप निर्माण एवं महम्मदपुर एन एच से झझवा -सिधवलिय-बलडीहा पथ का चैड़ीकरण एवं बैकुंठपुर प्रखंड के मटियारी आंगनबाड़ी केंद्र से यादवपुर सारण बांध तक जाने वाली पथ का निर्माण कराया जाए। वहीं जदयू प्रदेश प्रवक्ता ने सचिव प्रत्यय अमृत को सत्तरघाट पुल निर्माण के संबंध में अवगत कराते हुए कहा कि उक्त पुल के पुनर्निर्माण की रफ्तार बहुत धीमी है,सतरघआट पुल परियोजना अन्तर्गत निर्मित पुल से तटबंधों के सुरक्षार्थ बैकुंठपुर प्रखंड के उसरी, पकहआं, शीतलपुर जमींदारी बांध को पुनर्जीवित कराया जाय एवं जल संसाधन विभाग एवं पर निर्माण विभाग के द्वारा गठित एक्सपर्ट की अनुशंसा के आलोक में सत्तरघाट पुल की निरंतरता में पुल एवं गाइड बांध का निर्माण आवश्यक है।

स्वास्थ्य विभाग के अवर सचिव प्रत्यय अमृत से पूर्व विधायक मंजीत कुमार सिंह ने कहा कि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पूर्व में हीं सिधवलिया प्रखंड अवस्थित एन एच पर झझवां अवस्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को ट्रामा सेंटर के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी एवं जिला पदाधिकारी एवं जिला चिकित्सा पदाधिकारी,गोपालगंज द्वारा भी इसकी अनुशंसा कर के विभाग को पत्र भेजा गया है परंतु अभी तक झझवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ट्रामा सेंटर के रूप क्रियाशील नहीं है जिसकी शुरूआत जनहित में नितांत आवश्यक है। सचिव प्रत्यय अमृत ने पूर्व विधायक के सभी मांग पत्र पर विभागीय कार्रवाई करने एवं सभी मांगों को यथाशीघ्र पूर्ण करने के लिए आश्वस्त किया।

पंचदेवरी में ट्रेन से कटकर अधेड़ की मौत

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के कटेया थाना क्षेत्र के बनकटा रेलवे पुल के पास शनिवार की रात पंचदेवरी-सोनपुर पैसेंजर ट्रेन से कटकर एक अधेड़ की मौत हो गयी। मृतक की पहचान बनकटा गांव के सुरेश राम (52 वर्ष) के रूप में की गयी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने बताया कि सुरेश राम प्रतिदिन आस-पास के गांवों में मजदूरी करने जाया करता था। शुक्रवार की सुबह भी वह काम पर जाने के लिए घर से निकला। रात तक जब वापस नहीं लौटा, तो परिजन खोजबीन करने लगे। कहीं पता नहीं चला। इसी बीच शनिवार की सुबह गांव की बगल में बनकटा व भगवानपुर के बीच रेलवे लाइन के किनारे शव मिलने की सूचना मिली। ग्रामीण व परिजन जब घटना स्थल पर पहुंचे, तो देखा कि सुरेश के दोनों पैर शरीर से अलग हैं और रेलवे लाइन के किनारे शव पड़ा हुआ है। काफी संख्या में घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार पांडेय, एसआइ जंगो राम व पंचदेवरी पिकेट प्रभारी ने पूरे मामले की जांच की। इससे पूर्व जीआरपी ने भी घटना स्थल पर आकर जांच-पड़ताल की। परिजनों से पूछताछ व विभागीय प्रक्रिया पूरी करने के बाद कटेया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही पत्नी कलावती देवी ने बताया कि सुरेश प्रतिदिन शराब पीकर घर आता था। उसकी मजदूरी में जितने पैसे मिलते थे, वह उसका शराब पी जाता था। घर से कोई मतलब नही था। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार की सुबह भी घटना स्थल पर ताड़ी से भरा हुआ बोतल तथा पुड़िया में रखे अन्य नशीले पदार्थ मिले थे। सुरेश को एक बेटी व चार बेटे हैं। परिजनों ने बताया कि अपने बच्चों को छोड़कर वह 23 वर्षो तक लापता रहा। पिछले साल मार्च में घर आया। आने के बाद फिर से पहले की तरह ही प्रतिदिन शराब पीकर घर आने लगा। परिजनों को संदेह है कि शुक्रवार को भी वह शराब के नशे में रेलवे लाइन पर गिर गया होगा, जिसके कारण हादसा हुआ है। सुरेश की मौत के बाद उसकी पत्नी व बेटे हताश हैं। घर में मातम छाया हुआ है।

फुलवरिया में दिनदहाड़े ताला तोड़कर शिक्षिका के घर नगद सहित लाखों की चोरी

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव में शनिवार को दिनदहाड़े ताला तोड़कर शिक्षिका के घर में अज्ञात चोरों ने नगद सहित गोदरेज में रखें लाखों रुपए मूल्य के जेवर गहने की चोरी कर ली है। दिनदहाड़े चोरी की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। चोरी की चर्चा गांव के हर एक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया।

पीड़ित शिक्षिका फुलवरिया गांव के निवासी ब्रजभूषण पांडेय उर्फ टिंकू पांडेय की पत्नी अर्पिता राय बताई जा रही है। शिक्षिका ने बताया कि इस चोरी की घटना की जानकारी हमें उस समय हुई जब हम स्कूल से घर आकर मुख्य गेट का ताला खोलकर घर के अंदर घुसे तो देखा की कमरे का ताला टूटा हुआ है। जब अंदर गई तो गोदरेज को भी तोड़कर सारी सामग्रियों को चोरी कर लिया गया है। उनके द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन सुबह बथुआ बाजार स्थित एक निजी स्कूल में मैं अपने बच्चों को लेकर पढ़ाने चली जाती हूं, मेरे पति खाड़ी देश में नौकरी करते हैं। इसी बीच मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर के पीछे के रास्ते से घुसकर दरवाजा का कुंडी तोड़कर अंदर प्रवेश कर इस चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उनके द्वारा बताया गया कि नगद 10 हजार रुपए के अलावे दो बहनों के गहना जेवर जिसकी कीमत लाखो रुपए है। जिसे गोदरेज अलमारी के अंदर रखा गया था। चोरों ने जबरन अलमारी को तोड़कर चोरी कर लिया है। इसकी सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

मारपीट मामले में चार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

गोपालगंज। जिले के उचकागॉव थाना क्षेत्र के सिसवनिया मोड़ पर हुए मारपीट मामले में एक पक्ष ने घटना के 40 दिन बाद थाने में मारपीट की प्राथमिकी कराई है। मामले में थाना क्षेत्र के भुवला गांव के दिग्विजय कुमार राय ने आरोप लगाया कि बीते 11 अप्रैल के दिन वे सिसवनिया मोड़ स्थित अपने दुकान पर बैठे हुए थे। इसी दौरान कुछ लोग आए उन्हें मारपीट कर जख्मी करने के बाद उनके पॉकेट में रखे एक लाख रुपए कैश और गले में पहने साढ़े सत्तर हजार रुपये मूल्य की सोने की सिकड़ी छीन ली। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया है कि आरोपितों द्वारा पूर्व में भी लूटपाट करने की धमकी दी जाती थी मामले में घायल युवक दिग्विजय कुमार राय का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया है मामले में घायल दिग्विजय कुमार राय के आवेदन पर थाना क्षेत्र के गांव के आनंद कुमार पांडे उनके भाई विनय कुमार पांडे रौनक कुमार पांडे और अंकित कुमार पांडे के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है पुलिस मामले में जांच कर रही है।

थावे थाना में लगा जनता दरबार

गोपालगंज। जिले के थावे थाने में शनिवार के दिन अंचलाधिकारी रजत कुमार वर्णवाल की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित की गई। जनता दरबार मे जमीन संबंधित विवाद को लेकर काफी संख्या में पहुंचे फरियादी।सीओ ने बताया कि जनता दरबार मे जमीन संबंधित छह मामले आए।

जिसमे दो भूमि विवाद का निपटारा कर दिया गया।उन्होंने बताया कि अन्य लोगो से दोनों पक्षो से जमीन संबंधित कागजात की मांग की गई है। अगली तिथि को जमीन संबंधित कागजात लाने को कहा गया।जनता दरबार मे थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार,एएसआई सुनील कुमार यादव , सीआई इनरमल राम व कर्मचारी सफीक आलम सहित जमीनी विवाद से संबंधित पक्ष और विपक्ष के लोग शामिल थे।

हकाम गांव में विधायक विनय बिहारी ने गायकी में मचाया धमाल

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज । जिले के बैकुण्ठपुर प्रखंड क्षेत्र के हकाम गांव में विधायक विनय बिहारी ने अपनी गायकी प्रोग्राम में बीती रात धमाल मचा दिया। मौका था हकाम गांव निवासी समाजसेवी पारस सिंह व शिक्षिका मुन्नी देवी के 50वीं मैरेज एनिवर्सरी का। मौके पर पूर्व सांसद स्वर्गीय नगीना बाबू की धर्मपत्नी व जिला को-ऑपरेटिव के अध्यक्ष महेश राय की मां इंदु देवी, विधान पार्षद राजीव रंजन सिंह उर्फ पप्पू सिंह, अरेराजधाम के महंथ रविशंकर गिरी सहित कई दिग्गजों ने समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम में शामिल हुए लौरिया के भाजपा विधायक विनय बिहारी की गांव के लोगों ने खुब तहेदिल से स्वागत किया। उनकी गायकी टीम ने विवाह गीत से लेकर बधाई गीत, फिल्मी गीत, गजल, धार्मिक, देशभक्ति तथा सामाजिक लोकचेतना से सराबोर भोजपुरी गीतों को गाकर लोगों का जमकर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने लुफ्त उठायी। शादी की गोल्डेन जुबली पर जमकर उपहार देने का सिलसिला चला। मौके पर विधायक राजु तिवारी, पूर्व मुखिया चंद्र भूषण सिंह, समाजसेवी प्रदीप राय, बालेश्वर सिंह, राहुल सिंह, राकेश सिंह व शिक्षक नेता सुशील सिंह आदि ने शुभकामनाएं दी। परिवार के संजय सिंह, राजेश रंजन सिंह, डॉक्टर अभिषेक रंजन व रजनीश रंजन ने बडी हर्ष जताया।

संविधान के सुरक्षा के प्रति हम सबकी जवाबदेही : निखिल कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के रघुनंदन भवन में मौलिक अधिकार एवं मानवीय मूल्य विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि निखिल कुमार पुर्व राज्यपाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक संघ के अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह ने किया और स्वागत भाषण दिया, संचालन अधिवक्ता प्रमेन्द्र मिश्रा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन महासचिव नागेंद्र सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के परिवेश में हम सभी को संविधान के सुरक्षा के प्रति जागरूक और जवाबदेह होने की आवश्यकता है। संविधान प्रदत्त जो मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य है उसे समाज के हर वर्ग में अधिक से अधिक प्रचारित करने की आवश्यकता है। क्योंकि ऐसा न करने पर संविधान खतरे में पड़ सकती है। संविधान निमार्ताओं ने ग्राम स्वराज की परिकल्पना को मौलिक अधिकार में जोड़ा है। स्वतंत्रता आंदोलन जो पुरे भारत में गांधी जी के नेतृत्व में सत्य एवं अहिंसा के हथियार से लड़ा गया था और समस्त भारतीयो के आकांक्षा के प्रतिफल मौलिक अधिकार संविधान में निहित है ,उसी में मानव मूल्य निहित है, अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, हमें संविधान निमार्ताओं का मान सम्मान और आर्दश को हर हाल में रक्षा करना चाहिए। निखिल कुमार ने आगे कहा कि इस कार्यक्रम में बुलाने के लिए आभार व्यक्त करते हैं और केन्द्रीय कक्ष को और बेहतर बनाये, सौंदर्यकरण में जो मदद चाहिए हम तैयार हैं। इस अवसर पर उपस्थित थे, वरीय अधिवक्ता कुमार योगेन्द्र नारायण सिंह, अक्षय लाल पासवान,रवि सिंह राजपूत सहित अन्य उपस्थित थे।

केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना नहीं कराने व नई शिक्षा नीति के विरोध में राजद के द्वारा महाधरना:प्रवीण कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिला मुख्यालय स्थित भीमराव अंबेडकर वचनालय में युवा राजद की बैठक आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता प्रवीण कुमार यादव ने किया,संचालन मो सबा करीम(प्रधान महासचिव) ने की बैठक में उपस्थित तमाम युवा राजद के साथियो से गहन विचार विमर्श के बाद ये तय किया गया कि प्रस्तावित 5 जून सम्पूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में महाधरना कार्यक्रम को सफल बनाना है और साथ ही साथ केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना नही कराने ,केंद्र सरकार द्वारा लायी गयी नयी शिक्षा नीति व बढ़ती महंगाई एवं अन्य जनसरोकार मुद्दे को लेकर जिला के सुदुर ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरण हेतु चौपाल परिचर्चा युवा राजद द्वारा किया जाएगा और लोगो को बताया जाएगा साथ ही साथ 5 जून को महाधरना में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इस बैठक में छात्र राजद के नवमनोनीत प्रदेश महासचिव साथी भूषण जी, साथी श्लोक जी को माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इन दोनों साथियो को जिमेवारी देने से छात्र संगठन काफी मजबूत होगा। इस मौके पर बैठक को रामाशीष रंजन प्रदेश सचिव,रामईश्वर चौधरी,प्रदेश महासचिव,मुनिलाल गुप्ता,प्रदेश महासचिव,रवि रंजन, सुनील यादव,भूषण जी,सोनू निगम, श्लोक, दीपू रंजन रविन्द्र कनॉजिया, उमेश पासवान,शम्भू यादव,अभय सिंह, मिथलेश समीम अख्तर,दयानंद ,नीरज,संजीव,रामबाबू चौधरी, माला यादव,अंकु एवं अनेको लोगो ने संबोधित किये।

फुलवरिया में जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष में चार घायल

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के फुलविरया थाना क्षेत्र के माड़ीपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इस खूनी संघर्ष में एक पक्ष से चार लोग खून से लहूलुहान हो गए। सभी घायलों को आसपास के लोगों ने इलाज के लिए स्थानीय मरछियां देवी रेफरल अस्पताल फुलवरिया में दाखिला कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की स्थिति बेहद नाजुक देख बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज रेफर कर दिया। जहां सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने भी बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। जहां घायलों का इलाज जारी है। घायलों में माड़ीपुर गांव के निवासी प्रभुनाथ चैधरी, नागमणि चैधरी, दुर्गेश सिंह तथा सतीश राय शामिल है। इस मारपीट की घटना के बाद घायल प्रभुनाथ चैधरी के पुत्र नागमणि चैधरी के फर्द बयान पर पुलिस ने माड़ीपुर गांव के निवासी वीरकेश्वर सिंह तथा तारकेश्वर सिंह के अलावे अन्य आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस ने घटना के 2 घंटे के अंदर ही सिवान जिले से भागने के क्रम में विरकेशर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस ने न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है। थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद ने बताया कि मामला जमीनी विवाद से जुड़ा हुआ है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

पंचदेवरी में सीओ ने लगाया जनता दरबार

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के पंचदेवरी अंचल कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार लगाया गया। जिसमें सीओ आदित्य शंकर ने जमीन संबंधित कई विवादों का निबटारा किया। पूर्व में प्राप्त आवेदनों व मामलों की जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की गयी। जनता दरबार में कई नये मामले भी आये।

प्राप्त आवेदनों के आधार पर आवेदकों से पूछताछ की गयी तथा उन्हें संबंधित निर्देश भी दिये गये। कई मामलों का निबटारा सीओ ने ऑन द स्पॉट किया। वहीं, कई मामले ऐसे भी आये, जिनमें आवेदकों से संबंधित कागजातों की मांग की गयी। सीओ ने आवेदकों को आश्वासन दिया कि जांच कर समस्या का शीघ्र समाधान कर दिया जायेगा। सीओ ने बताया कि पहले कटेया थाने में जनता दरबार लगता था। पंचदेवरी व कटेया दोनों प्रखंडों के लोग वहीं जाते थे। डीएम के निर्देश पर अब पंचदेवरी अंचल में जनता दरबार लगाया जा रहा है। इससे पंचदेवरी के लोगों को काफी सुविधा हो रही है। विभिन्न मामलों का समय पर निबटारा भी हो रहा है।

फुलवरिया में आर्म्स एक्ट व शराब कांड के मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के फुलवरिया पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को क्षेत्र के श्रीनगर गांव में छापेमारी कर देसी कट्टा के साथ आर्म्स एक्ट व शराब माफिया को गिरफ्तार कर लिया। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त श्रीनगर गांव के निवासी कैलाश यादव का पुत्र संतोष यादव बताया जाता है। गिरफ्तार अभियुक्त के ऊपर पहले से ही शराब कांड के चार प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस शराब माफिया को गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी, आखिरकार एक गुप्त सूचना के आधार पर उसे श्रीनगर गांव से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार शराब माफिया संतोष यादव के पास से एक देसी कट्टा एक जिंदा कारतूस तथा एक एंड्राइड मोबाइल भी जप्त किया गया है। पुलिस गिरफ्तार शराब माफिया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के बाद शनिवार को पुलिस अभिरक्षा के बीच न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है।

बेरोजगारी व महंगाई को लेकर राजद केन्द्र सरकार के विरोध में देगा विशाल धरना

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज । देश मे बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, जातीय जनगणना के खिलाफ साजिशें तथा केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर आगामी 5 जून को युवा राजद जिला मुख्यालय पर विशाल धरना देगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतू युवा राजद के जिलाध्यक्ष संतोष यादव की अध्यक्षता में आज एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियो के कारण देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है, देश का युवा बदहाल है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अम्बेडकर के सपनों को कुचलने का सपना देख रही है जिसे किसी भी सूरत में राजद पूरा नही होने देगा। युवा राजद के जिलाध्यक्ष संतोष यादव ने कहा कि युवाओं की टीम गांव गांव जा कर केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों से लोगों को अवगत कराएगी तथा भाजपा का पदार्फाश करेगी। इस अवसर पर राजद के उपाध्यक्ष सुरेश चैधरी, सुनील कुमार बारी, दुर्गेश यादव, निरंजन यादव, सुमित कुमार गुप्ता, सुमन यादव, प्रिंस मांझी, मुकेश कुमार राम, इमरान खान आदि मौजूद थे।

उचकागांव थाने में एसडीपीओ ने की लंबित कांडों की समीक्षा

गोपालगंज । हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार ने शनिवार के दिन उचकागांव थाना परिसर में पहुंचकर थानाध्यक्ष और कांडों के अनुसंधानकताओं के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने 170 विशेष प्रतिवेदित लंबित कांडों की समीक्षा की। जिसके बाद उन्होंने कांडों के अनुसंधानकताओं को लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने फरार चल रहे आरोपितों की गिरफ्तारी में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कांडों के अनुसंधान में तेजी लाने के साथ साथ घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने व अनुसंधान के सभी पहलुओं को डायरी में मेंटेन करने का निर्देश दिया। मौके पर थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह, अपर थानाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार, एसआई मंटू कुमार रजक, एएसआई छोटेलाल पासवान, जनार्दन राम आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

21 मई आतंकवाद विरोधी दिवस पर विशेष : कब समाप्त होगा नासूर बनता आतंकवाद

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में हर साल 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार करते समय लिट्टे के आतंकवादियों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी। राजीव गांधी भारत के सबसे कम उम्र में प्रधानमंत्री बने थे। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उन्होने 1984 से 1989 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा की थी। आतंकवाद विरोधी दिवस को मनाने के पीछे का उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और हिंसा से दूर करना है। आम लोगों की पीड़ा को उजागर करना और यह दिखाना कि यह कैसे राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक है। इस दिवस को राष्ट्रीय सद्भाव को बढ़ावा देने, आतंकवाद को कम करने और सभी जातियों, पंथों आदि के लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

आतंकवाद शब्द एक आपराधिक और हिंसक गतिविधि की ओर संकेत करता है। जो किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह या संगठन द्वारा आम जनता के बीच डर पैदा करने के लिए, सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए, अपने विशेष धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक आदि लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है। आतंकवाद सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। बल्कि ये पुरे विश्व की समस्या बन चुकी है। विभिन्न देशों तथा भारत में आतंकवादी समूहों के गठन के कारण भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। पर इन कारणों में मुख्य रूप से सामाजिक-आर्थिक असमानता, भेदभाव, अलगाव, सत्तारूढ़ दल, धार्मिक उग्रवाद और जातीय राष्ट्रवाद के कामकाज से असंतोष शामिल हैं।

आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने का उद्देश्य राष्ट्रीय हितों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों, आतंकवाद के कारण आम जनता को हो रही परेशानियों, आतंकी हिंसा से दूर रखना है। इसी उद्देश्य से स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालयों में आतंकवाद और हिंसा के खतरों पर परिचर्चा, वाद-विवाद, संगोष्ठी, सेमीनार और व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाता है। आतंकवाद विरोधी दिवस शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। आतंकवादी निर्दोष लोगों पर आपदा थोपते हैं क्योंकि उनका ब्रेन वॉश कर दिया जाता है। वे मानते हैं कि यह उनका धार्मिक उद्देश्य है या सिर्फ इसलिए कि उनके पास विवेक नहीं है। उनकी प्रेरणा कुछ भी हो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उनकी गतिविधियां अनैतिक हैं।

इस दिन हमें उन हजारों सैनिकों और पुलिसकर्मियों द्वारा दिए गए बलिदानों को याद करते हैं जिन्होंने अपने देश और अपने लोगों की रक्षा के लिए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुये शहीद हो गये। पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में एक आत्मघाती बम विस्फोट में आतंकवादी समूह लिबरेशन ऑफ तमिल टाइगर्स ईलम (लिट्टे) की एक महिला द्वारा हत्या कर दी गई थी। महिला के कपड़ों के अन्दर विस्फोटक थे और वह राजीव गांधी के पास गई और उनके पैर छूने के लिए नीचे झुकी तब बम फट गया। जिससे उनकी और लगभग 25 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। यह एक बहुत बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद था जिसने दुनियाभर के लागों के मन में डर पैदा किया था।

देश में आतंकवाद पर अकुंश लगाने के उद्देश्य से 2 अप्रैल 2002 को टाडा के स्थान पर एक नया आतंकवाद निरोधी अधिनियम पोटा लागू किया गया। संसद के दोनो सदनों के संयुक्त अधिवेशन में 26 मार्च 2002 पारित होने के बाद 2 अप्रैल 2002 को राष्ट्रपति के अनुमोदन के साथ ही यह विधेयक एक अधिनियम पोटा के रूप में आस्तित्व में आया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22 के खंड-3,4,5 तथा 6 में निवारक निरोध तत्सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख है।

आतंकवाद हिंसा का एक ऐसा गैर कानूनी तरीका है जो लोगों को डराने के लिए आतंकवादियों द्वारा प्रयोग किया जाता है। आतंकवाद को हिंसात्मक गतिविधि के रूप में परिभाषित किया जाता है जो कि अपने आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं विचारात्मक लक्ष्यों की प्रतिपूर्ति के लिए गैर-सैनिक अर्थात नागरिकों की सुरक्षा को भी निशाना बनाते हैं। अपनी देश की सरकार से अपनी मांगे को पूरा करवाना ही आतंकवादियों का मुख्य लक्ष्य होता है। कई बार आतंकवादी हमले अपने वैचारिक और धार्मिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भी की जाती है।

कर्नाटक विजय विपक्षी एकता में बाधा

योगेंद्र योगी

कर्नाटक के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को करारी शिकस्त देकर जोरदार झटका दे चुकी कांग्रेस से विपक्षी दल भी सतर्क हो गए हैं। विपक्षी दलों की एकता में कांग्रेस की कर्नाटक में हुई प्रचंड जीत बाधा बन गई है। पहले हिमाचल प्रदेश और उसके बाद कर्नाटक में सत्ता में वापसी से कांग्रेस जिस तरह से नए सिरे से उठ खड़ी हुई है, उससे न सिर्फ भाजपा भौंचक्की है, बल्कि विपक्षी एकता की कवायद करने वाले गैर भाजपा दलों मे खलबली मची हुई है। कांग्रेस की जीत का यह सिलसिला इस बात के संकेत भी हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कोई बड़ा कारनामा करने की फिराक में है। यही वजह है कि कुछ दिनों पहले तक कांग्रेस को साथ लेने की कवायद करने वाले क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने राज्यों में कांग्रेस से ही खतरा मंडराता हुआ नजर आ रहा है। विपक्षी दलों को दरअसल दोहरा डर सता रहा है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तौर पर भाजपा पहले से ही मौजूद है किन्तु भाजपा विरोधी के तौर पर कांग्रेस दूसरा बड़ा खतरा बन गई है। भाजपा चूंकि सभी विपक्षी दलों की खुले तौर पर एक नम्बर की प्रतिद्वंद्वी है, इसलिए उसके नुकसान-फायदों और ताकत का अंदाजा सभी को है, किन्तु कांग्रेस ने लंबे समय बाद सत्ता में जिस तरह जोरदार वापसी की है, उससे क्षेत्रीय दलों के समक्ष नई परेशानी खड़ी हो गई है।

विपक्षी दलों के कर्ताधताओं को इस बात का अंदाजा भी बखूबी है कि कांग्रेस को साथ लिए बगैर विपक्षी एकता का ख्वाब धरातल पर नहीं उतर सकता। विपक्षी दल कांग्रेस को साथ लेना तो चाहते हैं, किन्तु सतर्कता बरतते हुए समान दूरी बनाए रख कर। यही वजह है कि पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुर बदल गए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के विपक्षी एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की पुनर्समीक्षा करनी पड़ी है। ममता बनर्जी कांग्रेस को विपक्षी एकता में शामिल करने को बेशक राजी हो गई हों, किन्तु उससे समान दूरी बनाए रखने पर भी जोर दे रही हैं। ममता ने जो फामूर्ला दिया है उसके तहत कहा कि वे कांग्रेस का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते वह पश्चिम बंगाल में उनका समर्थन करे। उन्होंने कहा, ह्यजहां भी कांग्रेस अपनी-अपनी 200 सीटों पर मजबूत है, वह वहीं चुनाव लड़े। हम उनका समर्थन करेंगे, लेकिन उन्हें दूसरे राज्यों में प्रभावी क्षेत्रीय दलों का भी समर्थन करना होगा।

ममता बनर्जी का बयान यह साफ इशारा करता है कि कांग्रेस उन राज्यों में सीटों के लिए ज्यादा न सोचें, जहां क्षेत्रीय दल मजबूत हैं। ममता बनर्जी इसके जरिए बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव, झारखंड में हेमंत सोरेन, पंजाब में अरविंद केजरीवाल, ओडिशा में नवीन पटनायक, तमिलनाडु में एमके स्टालिन और तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। ममता का प्रयास है कि सब मिल कर कांग्रेस पर इस तरह का दबाव बनाएं ताकि उनकी सत्ता पर आंच न आए। दरअसल ममता बनर्जी चाहती हैं कि कांग्रेस लोकसभा की 543 में से सिर्फ 200 सीटों के आसपास ही चुनाव लड़े और बाकी सीटों पर अलग-अलग राज्यों में जो भी क्षेत्रीय दल मजबूत स्थिति में हैं, कांग्रेस उनको समर्थन दे। विपक्षी दलों की इस कवायद से कांग्रेस ऐसा करके सत्ता के अपने रास्ते कभी भी बंद नहीं करना चाहेगी। गौरतलब है कि विपक्षी एकता की कवायद की शुरूआत में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में शामिल करने से साफ इंकार कर दिया था। कर्नाटक की जीत के बाद अखिलेश यादव के सुर भी बदल गए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के दिए बयान का समर्थन किया है। अखिलेश ने कहा है कि जो मजबूत हो, उसे आगे कर चुनाव लड़ा जाए। बिहार में नीतीश कुमार और तेलंगाना में केसीआर सहित सभी दल यही चाहते हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि ममता बनर्जी हों या अखिलेश यादव सहित दूसरे विपक्षी नेता, कांग्रेस को सशर्त विपक्षी एकता में शामिल करने की दलील तो दे रहे हैं किन्तु कांग्रेस क्या चाहती है, यह किसी ने जानने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता

कांग्रेस में सोनिया गांधी की दखल रखती है मायने

अच्छी खासी जीत की उम्मीद उन्हें भी नहीं थी, लेकिन आशा के विपरीत मिली सफलता से वह भावुक हो गए और सोनिया गांधी के प्रति आभार भी जताया। कर्नाटक में सिद्धारमैया की छवि बेहद साफ-सुथरी है। वह एक कुशल प्रशासक के रूप में भी जाने जाते हैं। भ्रष्टाचार का कोई बड़ा आरोप नहीं है। चुनाव के बाद उन्होंने कहा था यह उनका अंतिम चुनाव होगा। जिसकी वजह से जनता की ओर से कांग्रेस और उन्हें सहानुभूति का लाभ में मिला। समाज के सभी वर्गों में उनकी अच्छी खासी पैठ। सभी लोगों को एक साथ लेकर चलते हैं। फिलहाल कांग्रेस बड़ी सूझबूझ से अपने घर के झगड़े को निपटा लिया है। यह उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक और नैतिक सफलता है। अब कर्नाटक जीत के बाद उसे राज्य की जनता और उसके भरोसे को जीतना होगा।

प्रभुनाथ शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद अब कर्नाटक संकट खत्म हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में नतीजे आने के बाद भी मुख्यमंत्री को लेकर जिस तरह की उठापटक जारी थी उसका संदेश जनता के बीच गलत जा रहा था और कांग्रेस की जीत पर बुरा असर डाल रही थी। लेकिन सोनिया गांधी ने वक्त रहते इस समस्या का समाधान कर दिया। कांग्रेस की यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है, क्योंकि उसने घर के झगड़े को निपटा दिया। पार्टी को मिले भारी जनादेश की मांग भी यही रहीं। कांग्रेस ने घरेलू झगड़े को निपटा कर राजनीति में अपनी साख को और बेहतर किया है। यह भाजपा के लिए आंतरिक रूप से झटका है। क्योंकि यह विवाद जितना लंबा खींचता भाजपा कांग्रेस की जीत पर उतना तीखा हमला करती। लेकिन समय रहते सोनिया गांधी ने अच्छा फैसला लिया।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद यह संदेश साफ हो गया है कि उन्होंने राजनीति से भले सन्यास लिया हो, लेकिन पार्टी में दस जनपथ यानी गांधी परिवार का हस्तक्षेप उतना ही मजबूत है जितना कभी था और है। यह दीगर बात है कि पार्टी की कमान इस वक्त खड़गे के हाथ में है। पार्टी में सोनिया गांधी की साख एक अलग तरीके की है। सोनिया गांधी एक सुलझी हुईं और गंभीर महिला हैं। हालांकि वह बोलती कम है, लेकिन पार्टी पर जब चौतरफा हमला होता है तो वह खुद आगे आकर कमान संभालती हैं।

डीके शिवकुमार सोनिया गांधी के बेहद करीबी हैं। सोनिया गांधी के आशीर्वाद से ही डीके शिवकुमार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। क्योंकि तिहाड़ जेल में जब शिवकुमार बंद थे तो सोनिया गांधी स्वयं उनसे मिलने गई थी। ऐसे हालात में डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी के सामने झुकना ही पड़ा। हालांकि डीके शिवकुमार को सोनिया गांधी ने पूरा भरोसा दिया है की उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा और वे प्रदेश अध्यक्ष साथ उपमुख्यमंत्री की भी कमान वह संभालेंगे।

कर्नाटका में कांग्रेस की जीत हुई है, लेकिन पूरा विपक्ष एक तरह से खुद की जीत इसे मान रहा है। क्योंकि जिस तरह कांग्रेस ने भाजपा को पटखनी दी है। विपक्ष के लिए आक्सीजन मिल गया है। विपक्ष को भी एक बात समझना होगा कि बगैर कांग्रेस के विपक्ष भजपा से यह लड़ाई नहीं जीत सकता है। उसे कांग्रेस के साथ खड़े रहना होगा। विपक्ष में काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। कर्नाटक की जीत के बाद विपक्ष को 2024 लोकसभा चुनाव दिख रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अब कांग्रेस के करीब आने लगी। उन्होंने तकरीबन 200 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस का सहयोग करने की बात कहा है। निश्चित रूप से कर्नाटक में कांग्रेस नहीं पूरे विपक्ष की जीत है। लेकिन इस चीज को कांग्रेस को बनाए रखना होगा। विशेषकर उसे भ्रष्टाचार के आरोपों से बचना होगा। आम लोगों को स्वच्छ पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना होगा। राज में अफसरशाही को और लचीला बनाना होगा। सरकार को सीधे जनता से ताल्लुक रखना होगा। चुनाव में किए गए वादे को पार्टी को शत प्रतिशत निभाना होगा। हालांकि राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि राज्य में सरकार बनते ही उन घोषणाओं पर अमल किया जाएगा। लेकिन सबसे पहले जनता की मूलभूत जरूरतों और स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता है। अगर ऐसा होता है तो लोकसभा चुनाव में पार्टी को अच्छाखासा परिणाम मिल सकता है।

कर्नाटक के सत्ता की कमान अब सिद्धारमैया के हाथ में होगी। रमैया एक मजे हुए राजनेता है और राज्य के मुख्यमंत्री की कमान कई बार संभाल चुके हैं। लिंगायत और दूसरे समाज के लोगों में भी उनकी अच्छी खासी पकड़ है। दलित समाज के लोग भी उन्हें अच्छी तरजीह देते हैं। जबकि डीके सुकुमार का प्रभाव राज्य के कुछ निश्चित इलाके तक ही सीमित है। दूसरी तरफ उन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप है। कांग्रेस अगर उन्हें मुख्यमंत्री बना देती तो निश्चित रूप से केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके और पार्टी के लिए मुसीबत बन सकती हैं। उस हालत में जहां कांग्रेस की छवि खराब होती है वहीं पार्टी को करारा झटका लगता। ऐसे हालात में पार्टी किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। जिसकी वजह से कर्नाटक संकट के हल के लिए सोनिया गांधी को डीके शिवकुमार से बात करनी पड़ी। जबकि सोनिया गांधी से मुलाकात के पूर्व वे मुख्यमंत्री पद लेने पर पड़े थे। हालांकि सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद मान गए।

सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच पेंच को सुलझाने के लिए 30-30 महीने के कार्यकाल के लिए दोनों को मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया लेकिन डीके शिवकुमार को यह बात मंजूर नहीं थी। शिवकुमार राहुल गांधी से भी मिले, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं दिखे। फिर बात सोनिया गांधी तक गयीं। सोनिया गांधी और शिव कुमार की मुलाकात का इतना असर हुआ कि वह अपनी उन्होंने अपनी जिद छोड़ दिया और कांग्रेस को संकट से उबार लिया।

डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर अड़े रहते तो कांग्रेस के लिए बड़ा संकट बन सकता था। हालांकि राज्य में शिव कुमार ने अच्छा काम किया है जिसकी वजह से पार्टी को जीत भी मिली। कांग्रेस की जीत में शिवकुमार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। सांगठनिक स्तर पर कांग्रेस को मजबूती दिलाने में उनकी अच्छी खासी भूमिका रही है। वैसे मुख्यमंत्री बनाने का अंतिम फैसला खरगे पर छोड़ दिया गया था। लेकिन जब उनकी नहीं चली तो उन्हें सोनिया गांधी से निवेदन करना पड़ा। फिर सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद शिवकुमार अपने रास्ते पर आ गए हैं।

कर्नाटक में इसके पूर्व परम्परा रहीं थी कि प्रदेश अध्यक्ष रहने वाले को मुख्यमंत्री पद दिया जाता था। 1989 में वीरेंद्र पाटिल और 1999 में एमएस कृष्णा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि बीबीसी के अनुसार इस दौरान गुप्त मतदान भी कराया गया था। उस दौरान यह प्रस्ताव खड़गे की तरफ से दिया गया था। कर्नाटक चुनाव नतीजे आने के बाद डीके शिवकुमार बेहद भावुक हो गए थे।

लोकतंत्र की अफीम के चटोरों का देश

सो, यह मानने में कैसी हीन भावना कि जो है, उसे हम लोकतंत्र नहीं कह सकते। लोकतंत्र की यह अफीम चाट-चाट कर हमारी खुमारी इतनी बढ़ती जा रही है कि हम किसी काम के नहीं रह गए हैं। सिर्फ.इस तरंग में मस्त हैं कि हम सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारा लोकतंत्र सबसे जीवंत है, हमारा लोकतंत्र हमारी आन है, बान है, शान है। दिल-ही-दिल में हम सभी जानते हैं कि दरअसल ऐसा कुछ भी नहीं है। हम लोकतंत्र की जिस झीनी खटिया पर मस्ती से लेटे हुए हैं, उसके चारों पाए सफेद चींटी कब की चाट चुकी है। इन पायों के भुरभुरेपन को रोकना इस सफेदपोशी व्यवस्था से बाहर आए बिना अब मुमकिन नहीं है। यह बात जितनी जल्दी समझ में आ जाए, अच्छा है।

पंकज शर्मा
लेखक राजनीतिक रणनीतिकार

लोकतंत्र में जन-निर्वाचन के जरिए चुन कर आए सेवा-उद्यत प्रतिनिधियों की दो टोलियां अपने-अपने मुखियाओं को कबीले की सल्तनत की देने का दबाव बनाएं तो इसे हम कैसा लोकतंत्र कहेंगे? दोनों मुखिया अपने-अपने योगदान गिनाएं और एक-दूसरे को सेवा का अवसर न दिए जाने की बिसात बिछाएं तो इसे हम कैसा जनतंत्र कहेंगे? पांच बरस की हुकूमत में दोनों को आधे-आधे वक्त मुख्यमंत्री बनाने के समझौता-प्रयास करने पड़ें तो इसे हम कैसा प्रजातंत्र कहेंगे?

हालांकि पूरा नहीं आता, लेकिन यह तो फिर भी मेरी समझ में थोड़ा आता है कि दो योद्धा और उनके घुड़सवार युद्ध के बाद जीते गए राज में अपनी-अपनी कुर्बानियों का हिस्सा मांगें। लेकिन इससे ज्यादा लज्जाजनक मुझे और कुछ नहीं लगता कि वे आधी-आधी अवधि के लिए हुक्मरान बनने का सौदा करें। आखिर वे तीस-तीस महीनों के लिए किसी एक प्रदेश का मुखिया बनना क्यों चाहते हैं? जन-सेवा किए बिना एक भी दिन उनसे रहा क्यों नहीं जा रहा है?

हमारी दुनिया में चिकित्सा-नर्स को सेवा का संभवतः सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। क्या आपने किसी मरीज की सेवा करने के लिए दो नर्सों में कभी इस तरह आपस में ठनते देखी है? क्या वे आधे-आधे समय किसी रोगी की तीमारदारी करने के लिए ऐसे ह्यपहले मैं-पहले मैंह्न करती हैं? बहुत-से डॉक्टर जरूर मरीज का इलाज करने की हवस लिए फिरते आपको दिख जाएंगे। वे जरूर ज्यादा-से-ज्यादा वक्त अपने हाथ आए रोगी पर हाथ आजमाते रहने की तिकड़में करने में लगे रहते हैं और उसे अपने चंगुल से बाहर नहीं जाने देने की हर जुगत भिड़ाते हैं। लेकिन शुद्ध-सेवा में लगी नर्सों में यह होड़ मैं ने तो कभी नहीं देखी।

तो राजनीति अगर शुद्ध-सेवा है और अगर हमारे राजनीतिक इस पवित्र भाव में सराबोर हो कर सेवक बनने की होड़ में लगे हैं तो फिर तो भारत-भूमि धन्य-धन्य है कि हमें ऐसे जन-प्रतिनिधि मिले हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे राजनीतिक दल मिले हैं और उन राजनीतिक दलों के ऐसे आलाकमान मिले हैं, जो सुनिश्चित करते हैं कि हर चुनींदा सहयोगी को बारी-बारी से सेवा का मौका मिले। सबको बराबरी के अवसर देने का धर्म निभाने के लिए उनका अभिनंदन होना चाहिए।

मेरी इन बातों को कर्नाटक के संदर्भ में देख कर फूले नहीं समा रहे खुराफातियों से मैं कहना चाहता हूं कि भारत की समूची सियासत, सारे सियासी दलों और उनके तमाम आलाकमानों पर लानत भेजते हुए मैं भारी दिल से यह सब कह रहा हूं। सत्ता की बंदरबांट में अथाह दिलचस्पी आखिर क्यों होती है, कौन नहीं जानता? प्रधानमंत्री बनने और बने रहने के लिए किसी भी स्तर तक उतर जाने के पीछे के कारण किसे नहीं मालूम हैं? क्यों कोई मुख्यमंत्री बनना चाहता है और आधे समय के लिए बनना हो तो पहले खुद क्यों बनना चाहता है, इसका रहस्यलोक क्या इतना अबूझा है? यह किसी एक पोखर के पानी की सड़न का सवाल नहीं है, यह हमारे पूरे राजनीतिक तालाब से बेरतह उठ रही सड़ांध का बीज-प्रश्न है।अगर लोकतंत्र का सारा कर्मकांड इसी व्यवस्था की जड़ों को सींचने के लिए होता है तो आप ही बताइए कि ऐसे लोकतंत्र को हम हार-फूल क्यों पहनाएं? क्या इससे बेहतर यह नहीं है कि हम उस पर हार-फूल चढ़ा दें? इसी व्यवस्था से जन्म लेने वाला और इसी व्यवस्था को पालने-पोसने वाला लोकतंत्र हमें चाहिए ही क्यों? क्या इसलिए कि उसमें अभिव्यक्ति की कथित आजादी मिलने का आभास हम में बना रहता है? क्या इसलिए कि उसमें अपने विधायिका-प्रतिनिधि खुद चुनने का आभास हम में बना रहता है? क्या इसलिए कि उसमें जनतंत्र की खुली हवा में सांस लेने के श्रेष्ठि-भाव का आभास हम में बना रहता है? लेकिन यह आभासी संसार कितना नकली है, यह हम से बेहतर कौन जानता है?

सो, भीतर से बुरी तरह पिलपिली हो गई इस व्यवस्था को बदलने की इच्छा और हिम्मत अगर नरेंद्र भाई मोदी में नहीं है और राहुल गांधी इसकी ख़्वाहिश और साहस रखने में मजबूर हैं तो लोकतंत्र के नाम पर एक ऐसी व्यवस्था को अपने कंधों पर ढोते रहने का पाप जनता-जनार्दन भी क्यों करे, जो अवाम के ही बुनियादी हितों की धज्जियां बिखेर रही हो? जब हमें अंततः दुःख ही भोगने हैं तो हमारे नाम पर कोई दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का निर्वाचित मुखिया होने का सुख आखिर क्यों भोगे?

किसी को देश-प्रदेश का मुखिया बनना है, बन जाए; मगर छीना-झपटी से ही बनना है तो खुलेआम बने। लोकतंत्र का बहाना लेकर न बने। धन के दबाव से, बल के दबाव से, जिस भी दबाव से बनना है, बन जाए, जनतंत्र का नाम कलंकित न करे। जब राजनीतिक दलों को चुनावों में उम्मीदवारों के नाम अन्यान्य आधारों पर ही तय करने हैं, जब उम्मीदवारों को चुनाव जीतने के लिए वही हथकंडे अपनाने हैं, जब चुनाव जीतने वाले दल को सरकार बनाने के लिए वैसी ही उठापटक करनी है और जब सरकारों को सेवा-समूह के बजाय उगाही-गिरोह की तरह ही काम करना है तो यह सब बेबस प्रजातंत्र की ओट में क्यों हो?

इससे तो अच्छा है कि हम किसी अधिनायक-राज में रहने का काला टीका माथे पर लगा कर खुलेआम घूमें। खुल कर घोषणा करें कि हां, हम अपने सुल्तानों के गुलाम हैं। और, हमारे हुक्मरान भी अपने माथों पर इस श्याम-तिलक की छाप लिए विचरें कि वे निर्वाचित नहीं, एकाधिकारी शासक हैं। जब जनता की छाती पर उन्हें अपनी राजनीतिक मूंग दलनी ही है तो फिर जनता उनकी पगड़ी में लोकतंत्र का हीरा अपने हाथों क्यों टांके? लोकतंत्र का यह आवरण हुक्मरानों से छिन जाए तो उनकी नंगई कम-से-कम दुनिया के सामने तो आए। हम-आप कब तक उनके नाखूनों और दांतों की ढाल बने रहें?

इसलिए या तो जनतंत्र के जन, प्रजातंत्र की प्रजा और लोकतंत्र का लोक अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यवस्था के बुनियादी बदलाव के लिए विवश करे या फिर दासप्रथा की वापसी का ऐलान कर दे। जब असलियत सब जानते हैं तो बेकार के ढकोसलों में क्या रखा है? दरअसल लोकतंत्र से किसी को कोई लेनादेना नहीं है। लोकतंत्र का तो सिर्फ. नाम लिया जाता है। लोकतंत्र होता तो क्या एक-दो धनपशु इस तरह पूरे देश पर कब्जा कर पाते? लोकतंत्र होता तो क्या संवैधानिक संस्थाएं इस तरह चूं-चूं का मुरब्बा बन जातीं? लोकतंत्र होता तो हर हाल में सत्ता हड़पने की बढ़ती मारामारी के कुत्सित दृश्य क्या हम इस तरह देख रहे होते।

क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे तेजी से बढ़ रहे हैं?

विजय गर्ग

इंपीरियल कॉलेज लंदन के नेतृत्व में और मार्च में वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित बच्चे और किशोर ऊंचाई और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में रुझानों के वैश्विक विश्लेषण से पता चला है कि शहरी ऊंचाई और पोषण लाभ ज्यादातर देशों में कम हो गया है, जबकि बच्चों और किशोरों में ग्रामीण क्षेत्रों ने त्वरित ऊंचाई में सुधार दिखाया। शहरों में बड़े होने वाले बच्चों ने अपेक्षित वृद्धि नहीं दिखाई। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चे ऊंचाई और वजन दोनों में शहरी बच्चों के बराबर हो गए हैं। इसलिए, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे बच्चे एक स्वस्थ विकास प्रवृत्ति दिखा रहे हैं, वरिष्ठ मधुमेह विशेषज्ञ कहते हैं, जो अध्ययन के सह-लेखकों में से एक थे। मुख्य रूप से स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य देखभाल में सुधार के कारण ग्रामीण क्षेत्र शहरों की बराबरी कर रहे हैं। जबकि 1990 के बाद से ऊंचाई और बीएमआई में दुनिया भर में वृद्धि हुई है, शोधकताओं ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच परिवर्तन की डिग्री को मध्यम और निम्न आय वाले देशों में बहुत भिन्न पाया। 1990 के दशक में, भारत में शहरी और ग्रामीण बीएमआई के बीच सबसे बड़ा अंतर था-लड़कियों में 0.72 किग्रा/एम2 का अंतर। हालांकि, बच्चों और किशोरों के क्रमिक समूहों का बीएमआई शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बढ़ा है, जिससे शहरी-ग्रामीण अंतर में मामूली कमी आई है, एक वरिष्ठ मधुमेह विशेषज्ञ, जो अध्ययन के सह-लेखक हैं, कहते हैं। अध्ययन 1,500 से अधिक शोधकताओं और चिकित्सकों के एक वैश्विक संघ द्वारा किया गया था, जहां वैज्ञानिकों ने 1990 से 2020 तक 200 देशों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 से 19 वर्ष की आयु के 71 मिलियन बच्चों और किशोरों के कद और वजन के आंकड़ों का विश्लेषण किया था। वे कहते हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास में कमी और कुपोषण में तेजी से गिरावट आई है, भारत में पिछले दो दशकों में ऊंचाई में काफी वृद्धि देखी गई है - लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए लगभग 4 सेमी। दोनों लिंगों में शहरी ऊंचाई लाभ में मामूली कमी आई है। शोधकताओं ने पाया कि 2020 तक, अधिकांश देशों के औसत में वृद्धि हुई। उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में ग्रामीण क्षेत्रों में बीएमआई तेजी से बढ़ा। भारत में, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच पर्याप्त अंतर है, लेकिन कुछ राज्यों में यह अधिक स्पष्ट है। अध्ययन के सह-लेखक मधुमेह विशेषज्ञ कहते हैं, सभी राज्य सामाजिक आर्थिक विकास के समान स्तर पर नहीं हैं। केरल में, हमने पाया कि मधुमेह, मोटापा और डिस्लिपिडेमिया का ग्रामीण प्रसार राज्य के शहरी भागों में देखे गए से बहुत अलग नहीं था। जबकि शहरीकरण के अपने फायदे हैं, एक तेज सामाजिक-आर्थिक विभाजन भी है और जो अपेक्षाकृत समृद्ध हैं, उनके लिए शहर में जीवन फायदेमंद है। खुले में शौच, भीड़भाड़ और बेरोजगारी के बीच शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों की स्थिति अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में बदतर होती है, वे कहते हैं। शहर की मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चे संक्रामक रोगों के जोखिम से लड़ रहे हैं और खराब आहार और व्यायाम की कमी सहित अस्वास्थ्यकर जीवन शैली की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके पास खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। वे फलियां, सब्जियां, फल और नट्स जैसे स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों के बजाय सस्ते जंक फूड को चुनते हैं। वे प्रदूषण के उच्च स्तर के संपर्क में हैं। ऐसा वातावरण स्वास्थ्य और शिक्षा के उन सभी लाभों को नष्ट कर देता है जो एक शहर में बड़ा हो रहा बच्चा प्राप्त कर सकता है। यही कारण है कि शहर में एक बच्चा दो चरम सीमाओं में से एक होता है - कुपोषित या मोटा,। उनके प्रमुख, मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन के अनुसंधान संगठन के पहले के अध्ययनों से पता चला है कि ग्रामीण-से-शहरी प्रवास विकास के बढ़ते जोखिम से जुड़ा हैवयस्कों में भी मधुमेह और कार्डियोमेटाबोलिक असामान्यताएं। भारत से 20 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में मधुमेह और संबंधित कार्डियोमेटाबोलिक विकारों पर 2021 आईसीएमआर-इंडियाब अध्ययन ने उन लोगों के डेटा का विश्लेषण किया जो अपने जन्म स्थान से अलग स्थान पर चले गए थे। अध्ययन से पता चला है कि ग्रामीण शहरी प्रवासियों में मधुमेह का प्रसार 14.7% था, इसके बाद शहरी निवासी (13.2%), शहरी-ग्रामीण प्रवासी (12.7%) और ग्रामीण निवासी (7.7%) थे। ह्लग्रामीण क्षेत्र से शहर में आने वाले व्यक्ति की तुलना में शहर में रहने वाले व्यक्ति को जीवन शैली संबंधी विकार होने की संभावना कम होती है। ग्रामीण निवासियों की तुलना में ग्रामीण-शहरी प्रवासियों में मधुमेह का जोखिम 1.9 गुना अधिक था,ह्व डॉ मोहन कहते हैं। अन्य तीन समूहों की तुलना में ग्रामीण शहरी प्रवासियों में भी पेट के मोटापे (50.5%) का उच्चतम प्रसार है। वे शारीरिक रूप से कम सक्रिय होते हैं। इसके अलावा

संक्षिप्त खबरें

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भारी अनियमितता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट प्रखंड अंतर्गत बरूआरी पंचायत में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भारी अनियमिता का मामला सामने आया है। विभिन्न योजनाओ का कार्य सम्पन्न होने से पूर्व ही राशि की निकासी कर ली गई है। मामला जब सामने आया जब प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कार्य स्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 में पंचम वित्त आयोग,14 वीं वित्त आयोग, 15 वीं वित्त आयोग एवं सात निश्चय योजना से कई कार्य कराए गए थे, जिसमें कार्य पूर्ण होने से पूर्व योजना की राशि निकाल ली गई, लेकिन कार्य सम्पन्न नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि पुस्तकालय भवन की मरम्मती व सौंदर्यीकरण, तोरण द्वार निर्माण, पीसीसी सड़क निर्माण, श्मशान घाट में चहारदीवारी एवं शव दाह गृह का निर्माण, सात निश्चय योजना से फेवर ब्लॉक से सोलिंग कार्य कराया जाना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ विमल कुमार ने बताया कि जांच के दौरान अनियमितता पाई गईं हैं। योजना पूर्ण किए बिना ही राशि की निकासी भी हो चुकी है। उन्होनें बताया की सम्बन्धित मुखिया, पंचायत सचिव एवं कनीय अभियंता के द्वारा सभी कार्य कराया गया है। कार्रवाई हेतु रिपोर्ट जिला मुख्यालय को भेज दी गई है।

बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से दो लोगों की मौत

बोचहा। थाना क्षेत्र के मैदा पुर पंचायत में डुमरी घाट से गुजरने वाली बूढ़ी गंडक नदी में शनिवार की दोपहर में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे का शव नदी से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान एतवरपुर ताज के मो आरिफ के 16 वर्षीय पुत्र मो आकिफ, दूसरे बच्चे की पहचान मानबिशुनपुर गांव के विजय सहनी के 17 वर्षीय पुत्र रितेश कुमार के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रेलवे लूट कांड में फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

बेगूसराय। जिले के बखरी थाना क्षेत्र अंतर्गत सुग्गा गांव में खगड़िया रेल थाना कांड संख्या 23/23 के रेलवे लूट कांड मामले में फरार चल रहे सुग्गा गांव निवासी संजीत महतो के पुत्र मनीष कुमार महतो के घर पर पुलिस ने इश्तिहार चिपकाया।बखरी थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार सिंह के नेतृत्व में आरोपी के घर पर डंका बजाकर यह कार्रवाई की गई। जानकारी देते हुए बखरी थानाध्यक्ष ने बताया कि माननीय न्यायालय के आदेश पर रेल थानाध्यक्ष सह कांड के अनुसंधानकर्ता सुदामा प्रसाद सिंह के द्वारा दिये गए आवेदन के आलोक में फरार चल रहे अभियुक्त के घर पर इश्तेहार चिपकाया गया है। मौके पर एएसआई रवीन्द्र प्रसाद एवं खगड़िया रेल पुलिस बल मौजूद थे।

विन्देश्वर प्रसाद भगत का 22 वां शहादत दिवस आयोजित

मुजफ्फरपुर। वर्तमान समय में सामाजिक और आर्थिक विषमता लोगों के बीच जिस तेजी से बढ़ रही है, वह चिंता जनक है। ऐसे में विन्देश्वर प्रसाद के जनसंघर्ष और कुबार्नी का याद आना, हर प्रगतिशील विचारधारा में विश्वास रखने वालों के लिए लाजिमी है। यह बात भाकपा माले के जिला सचिव व प्रहलादपुर पंचायत के मुखिया उदय चौधरी जी ने कही। वे आज मुसहरी प्रखंड के नरौली पंचायत के नरौली मठ पर विन्देश्वर प्रसाद भगत के 22वें शहादत दिवस पर बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भाकपा माले, प्रखंड कमिटी के तत्वावधान में किया गया। सभा की अध्यक्षता करते हुए राजू साह ने शहीद विन्देश्वर भगत को याद करते हुए कहा कि पीड़ित - शोषित जनता के हक-हुकूक के लिए उन्होंने अपना जीवन उत्सर्ग कर दिया। उनके समरस समाज बनाने का सपना अधुरा है, जिसे पूरा करने की जवाबदेही हर तरक्की पसंद लोगों के जिम्मे है। मेहनतकशों को एकजुट होने का और अपने लिए दाल-रोटी, रोजी-रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के अधिकार हासिल करना आज वक्त की मांग है। विकल्प के बावरा बादल ने शहीद विन्देश्वर प्रसाद भगत को जनसंघर्ष का महान योद्धा बताते हुए कहा कि जबतक गरीब व कमजोरों के बीच शिक्षा का फैलाव नहीं होगा, तबतक हम अपने हक-अधिकार की निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ सकते। इसलिए जरूरी है कि,हम अपने बच्चों को शिक्षित और सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग बनाए। यही इनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सभा में प्रमुख रूप से पूर्व मुखिया व पैक्स अध्यक्ष भोला राय, पूर्व मुखिया अनारसी देवी, दहाउर पासवान, परम पाठक, सुन्देश्वर राम, राजकुमार सहनी, लखिन्द्र राय, महादेव सहनी, मिथुन कुमार एवं मोहम्मद हदीस इत्यादि प्रमुख थे।

बढ़ती महंगाई को लेकर सड़क पर उतरेगी युवा राजद, जिलाध्यक्ष ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी युवा राजद कार्यकताओं ने एक दिवसीय बैठक जिला कार्यालय कोतवाली चौक मधुबनी में जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव के अध्यक्षता में किया गया बैठक में राज्य के निदेर्शानुसार 21 से 30 मई तक सभी प्रखंडों के पांच पांच गावों में जनजागरण सह पदयात्रा करते हुए 5 जून को सम्पूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के खिलाफ नई शिक्षा नीति, जातीय जनगणना एवं बढ़ती महंगाई को लेकर युवा राजद के द्वारा जिला मुख्यालय मधुबनी के प्रांगण में महाधरना दिया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा पहले नारा था ह्लभंगी का बेटा हो या राष्ट्रपति का संतान, सबको शिक्षा एक समानह्व। मोदी सरकार नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद नया नारा है ह्लवंचित, शोषित, दलित को नहीं है शिक्षा का अधिकार, क्योंकि भाजपा चाहती है मनुस्मृति का विस्तार।ह्व संविधान के निर्मताओं ने एक आधुनिक भारत की कल्पना की थी पर यह तभी सम्भव है जब हजारों वर्षों से चले आ रहे जातिवादी भेदभाव को खत्म किया जाए। सूचना क्रांति के युग में जनसंख्या का डॉक्यूमेंटेशन और कैटेगराईजेशन अत्यंत जरूरी है तभी आधुनिक समाज को तीव्र गति से विकसित किया जा सकता है। जाति एक महत्वपूर्ण कारक है जो मनुष्य को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर पहचान देता है। इसी कारणवश भाजपा जातिगत जनगणना नहीं करा रही है ताकि सामंतवाद वर्चस्व बना रहे। लोकसभा चुनाव 2014 के पहले महंगाई डायन बनकर खा रही थी तो अब चुड़ैल बनकर चवा रही है। केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आज पूरा देश महंगाई की मार झेल रहा है। खाद, कीटनाशक एवं डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि से किसान परेशान हैं। दाल-चावल एवं साग-सब्जी की महिलाएं रसोईघर में रो रही हैं। नोटबंदी का महंगाई गरीब को गला रही है, वे भरपेट भोजन के लिए जद्दोजहद्द कर रहे हैं। गैस व तेल के लगातार बढ़ते दाम तुगलकी फरमान और हड़बड़ी में जीएसटी लागू कर पूरे देश को गर्त में ढकेल दिया गया है। वर्तमान सरकार में डॉलर के आगे रूपया दम तोड़ता जा रहा है और वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे दलित, वंचित, शोषित (सर्वाधिक संख्या में जिनकी आर्थिक स्थिति खराब), मध्यम वर्ग का जीना बेहाल है। ऐसा मोदी सरकार जानबूझकर कर रही है ताकि हम इसी में उलझे रहे और वो बाबा साहब द्वारा रचित संविधान को समाप्त कर मनुस्मृति के संविधान को लागू कर दे। सरकार की नई नीति में जिन कॉलेज में 3000 से कम बच्चे पढ़ते हैं उसको बंद करके उसे दूसरे कॉलेज के साथ जोड़ देना है, जिससे कॉलेज की संख्या कम हो जाएगा। विभिन्न प्रदेशों में कॉलेज दूरदराज के इलाके में होते हैं, वहां तीन हजार कम छात्र होते हैं। वहां उनका विलय करना वहां के छात्रों के लिए अभिशाप होगा, क्योंकि कॉलेज की तलाश में इन छात्रों को शिक्षा के लिए शहरों की तरफ जाना पड़ेगा, जिसके कारण छात्रों और उनके अभिभावकों को मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना झेलनी होगी। बालिकाओं के लिए तो यह नीति और भी बदत्तर साबित होने वाली है। नई शिक्षा नीति में सरकारी स्कूल और कॉलेज को धीरे-धीरे समाप्त कर दिया जायेगा जहां 90 प्रतिशत वंचित, दलित, पिछड़ा, अतिपिछड़ा के बच्चे पढ़ते हैं। उसके जगह निजी स्कूल और कॉलेज खुलेंगे जहां निर्धन, गरीब, दलित, वंचित समाज के लोग अपने बच्चों को पढ़ा नहीं सकते हैं, यानि कालान्तर में एक बड़ी आबादी शिक्षा से वंचित हो जायेगी।

युवा प्रदेश उपाध्यक्ष कुमार आलोक, संजय कुमार आपदा प्रकोष्ठ अध्यक्ष,अरुण कुमार चौधरी वरिष्ट नेता राजद, जहांगीर अली पंचायती राज प्रकोष्ठ,जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, युवा प्रवक्ता मेहताब आलम, धर्मेंद्र यादव उपाध्यक्ष छात्र नेता, त्रिबेनी प्रसाद यादव कोषाध्यक्ष, मिथिलेश कुमार खजौली, दीपक कुमार, राजेश कुमार, जकी अहमद पम्मी, कुन्दन कुमार, मो अनवर, शशिकांत यादव, रोहित यादव, संजीव यादव, नरेश यादव, जफर, नुर आलम, देव नारायण पासवान संजय कुमार यादव, सचिन चौधरी, अमित कुमार यादव , कमाल हसैन, प्रशांत यादव बालक मुकेश,सहित अन्य मौजूद रहे।

भारी मात्रा मे शराब जब्त सात लोग हुए गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के देवधा थाना पुलिस के द्वारा शराब के अलग अलग मामले में करवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक बाईक समेत भारी मात्रा में शराब भी जब्त की गई। पुलिस के द्वारा शराब के अलग अलग मामले में की गई करवाई को लेकर देवधा थाना अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा के द्वारा प्रेस को दी गई जानकारी अनुसार पुलिस के द्वारा देवधा थाना क्षेत्र में सघन गस्ती एवं जांच के दौरान थाना क्षेत्र के उसराही तीनमुहानी पानी टंकी के पास से एक बाईक पर बोरियों एवं बैग में लदी शराब की खेप के साथ तीन शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया। बरामद शराब और एक बाईक को जब्त कर मामले में गिरफ्तार आरोपियों को आगे की करवाई हेतू थाना लाया गया। जब्त शराब में 300 सौ एम एल का 390 बोतल कुल 117 लीटर नेपाली देशी शराब है। मामले में गिरफ्तार आरोपियों में रहिका थाना क्षेत्र के गोपाल कुमार साह और प्रमोद कामत एवं जयनगर थाना क्षेत्र के यूनियन टोल निवासी मो. शकील बताया जाता है। मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वही शराब के पूर्व मामले के चार वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में देवधा थाना क्षेत्र के पीठवा टोल निवासी राम सेवक मुखिया, बैधनाथ मुखिया और श्रीराम मुखिया एवं हलखोरी मुखिया बताया जाता है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अभियान के तहत शराब मामले आगे भी करवाई जारी रहेगी।

जयंती पर याद किए गए कवि और राम किशोर सिंह गौतम

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। शनिवार को शहीद सुखदेव सिंह समन्वय समिति बेगूसराय सर्वोदय नगर के सुखदेव सभागार में कवि सुमित्रानंदन पंत और राम किशोर सिंह गौतम की जयंती मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह ने की। अध्यक्षीय संबोधन में अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि सुमित्रानंदन पंत छायावाद के प्राकृतिक कवि थे। जिनकी कविताओं में रस थे। आज ही के दिन 1900 में जन्म हुए और 1977 में उनकी मृत्यु हो गई। कवि राम किशोर सिंह गौतम आज बिरासिनी जयंती पर कहा कि राम किशोर सिंह जो अपने जीवन काल में 10 किताबें लिखे। यह महान कवि जानकी बल्लभ शास्त्री जी के साथ मुजफ्फरपुर में मुलाकात करते रहते थे। यह वनद्वार बेगूसराय बिहार के रहने वाले थे। रविशंकर पोदार गांधी ने कहा कि छायावाद के प्रकृति पुत्र प्रगतिवाद के उन्नायक कवि बल सुमितनंद पंत उन महान कवियों में थे, जिन्होंने गंगा के प्रभाव से मोती चुनकर काव माला का सिर जॉन का शाहिद को अद्भुत संदेश दिया। इनके सम्मान में ज्ञानपीठ से सोवियत लैंड नेहरू सम्मानित किया गया। जेपी सेनानी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने कहा कि सुमित्रानंदन पंत ऐसे महान कवि थे, जिन्होंने पीछे मुड़कर कभी देखा नहीं आगे बढ़ते गए। मौके पर अभिषेक पाठक शिक्षक, महिला सचिव सुनीता देवी, अनिकेत कुमार पाठक, मुकुल कुमार, गोविंद कुमार, सुमित कुमार, प्रसांत कुमार, छोटू कुमार आदि मौजूद थे।

याद किए गए छायावाद के स्तम्भ, प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत

ब्रह्मानन्द ठाकुर,
प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान,निकलकर आंखों से चुपचाप, बही होगी कविता अनजान..। प्रकृति की कोमल भावनाओं व अनुभूतियों के कवि सुमित्रानंदन पंत की इन्ही कविताओं के बीच आज साहित्य भवन कांटी में उनकी जयंती मनाई गई। जयंती समारोह में अपने अध्यक्षीय संबोधन में चंद्रभूषण सिंह चंद्र ने कहा कि पंत हिंदी साहित्य के आधुनिक युग के ऐसे बहुमुखी प्रतिभा वाले कवि हैं, जिन पर आधुनिक युग की अनेक विचारधाराओं का प्रभाव हैं। पंत जी का जीवन सुंदर प्रेरणा से प्रारंभ हुआ,जिसमें सौंदर्य है, मादकता है,आह्लाद है,नवीनता है व चंचलता की गहराई है। यही कारण है कि कवि ने प्रकृति को मां,शिक्षक या पथ प्रदर्शक, प्रियतमा व परमात्मा के विराट रूप में देखा है। उन्होंने ने कहा कि छायावाद के प्रमुख स्तंभ ,पंत जी के काव्य में प्रेम व सौंदर्य का समुचित उद्घाटन हुआ है। कहीं कवि प्रकृति से प्रेम करता हुआ दिखाई देता है, तो कहीं मानव से व कहीं ईश्वर से। जीव जगत व प्रकृति के विशाल आंगन में पंत अनेक प्राकृतिक उपकरणों द्वारा अपनी सौंदर्य-भावना को व्यक्त करते हुए दिखाई देते हैं। यौवन के प्रथम चरण में उन्होंने किसी किशोरी के बाल जाल में अपने लोचन उलझाने की आकांक्षा की थी। बाले तेरे बाल -जाल में कैसे उलझा दूं लोचन तो कभी वृक्ष की छाया को छोड़ प्रेयसी के केशो में उलझना उन्हें स्वीकार नहीं हो सका। पंत जी को कविता की प्रेरणा उनकी चिर सहचरी आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य से मिली। सेवानिवृत शिक्षक ज्योति नारायण सिंह ने पंत की साहित्यिक यात्रा के बारे में कहा कि प्रकृति के अनुपम चितेरे पंत छायावाद व प्रगतिवाद दोनों को अपना वर्ण्य विषय बनाया। स्वराजलाल ठाकुर ने कहा कि पंत जी को काव्य संग्रह चिदंबरा के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार व पद्मभूषण सम्मान भी मिला। परशुराम सिंह ने कहा कि प्रकृति की अनन्तता व व्यापकता का काव्यात्मक निरूपण करने में इतना अधिक सफल हुए कि उन्हें अंग्रेजी के महान कवि वड्र्सवर्थ के समकक्ष हिन्दी साहित्य का वड्र्सवर्थ कहा गया। समारोह में उपस्थित लोगों ने पंत की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। समारोह में उनके संकलन ग्राम्या की रचना उन्माद यौवन से उभर.., सुख-दुख के मधुर मिलन से जीवन हो परिपूरन.., मैं नही चाहता चिर सुख, मैं नही चाहता चिर सुख..,जैसी कविताओं का पाठ भी किया गया। आगत अतिथियों का स्वागत पिनाकी झा व धन्यवाद ज्ञापन राकेश कुमार ने किया। जयंती समारोह में नंदकिशोर ठाकुर,विश्वनाथ प्रसाद, अनिल झा,महेश प्रसाद,मनोज मिश्र, वसंत शांडिल्य, दिलजीत गुप्ता, प्रकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

स्थानीय कलाकारों को दें मान, सम्मान और काम

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। शनिवार को लोहियानगर स्थित बाइट कंप्यूटर्स ट्रेनिंग सेंटर में छात्रों को कला संस्कृति और साहित्य में अभिरुचि पैदा करने के उद्देश्य से बेगूसराय जिले का बेहतरीन डांसर श्रेयस मंडल को अपनी कला प्रदर्शन हेतु संस्थान में आमंत्रित किया गया। मध्यम वर्गीय परिवार का लड़का श्रेयस मंडल पन्हास ग्राम का रहने वाला है। संस्थान के निदेशक संजय कुमार सिंह ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा कि बेगूसराय को बिहार की सांस्कृतिक राजधानी भी कही जाती है। हम लोग भारी कीमत अदा कर बाहर के कलाकारों को कार्यक्रमों में बुलाते हैं। फिर भी संतुष्टि नहीं मिलती है, परंतु हमारे जिले में एक से बढ़कर एक ऐसे से कलाकार हैं, जो बाहरी कलाकार से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि सभी लोगों को उनके बारे में पता नहीं है। स्थानीय कलाकारों को निश्चित रूप से स्थानीय स्तर पर काम मिलना चाहिए। ताकि इनका पलायन रुक सके। डांसर श्रेयश मंडल ने कहा कि रॉक एंड रोल डांस एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात मुंबई में डांसिंग वर्कशॉप में भी हिस्सा लिया। कई भोजपुरी रियलिटी शो में तीन चार राउंड तक आगे भी बढ़ा। अगर आप लोगों का आशीर्वाद और समर्थन मिलता रहा तो मैं इस दिनकर की भूमि का मान सम्मान हमेशा बरकरार रखूंगा। कार्यक्रम के दौरान श्रेयस ने छात्र एवं छात्राओं से भरपूर तालियां बटोरी। सभी ने मुक्त कंठ से इनके परफॉर्मेंस की तारीफ की। कार्यक्रम के अंत में श्रेयस को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। इस मौके पर दर्जनों छात्र उपस्थित थे।

जमीन दखल को लेकर पहुँचे मजिस्ट्रेट व पुलिस सुरक्षा बल

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड़ क्षेत्र के तारापट्टी गांव निवासी राघवेंद्र सिंह बनाम शिव चरण मंडल के बीच जमीनी विवाद को लेकर शनिवार को व्यवहार न्यायालय मधुबनी के आदेश जमीन दखल दिहानी को लेकर पहुँचे मजिस्ट्रेट, न्यायालय के कमिश्नर,पेशकार , प्राइवेट अमीन, पुलिस पदाधिकारी एव जिला सुरक्षा बल द्वारा दखल दिहानी किये बिना वैरंग लौट गयी. मजिस्ट्रेट हेमनारायण महतो,बीडीओ सह मजिस्ट्रेट मनीष कुमार एव एमओ प्रणव प्रकाश ने कहा कि व्यवहार न्यायालय के आदेश के आलोक में स्थल पर पहुँच कर जमीन की माफी एव सीमांकन का संतुष्ट नही होने से अतिक्रमित जमीन को दखल दिहानी नही हो सका.मजिस्ट्रेट हेमनारायण महतो ने कहा कि अमीन एव कोर्ट द्वारा प्रतिनियुक्ति कमिश्नर जमीन माफी का संतुष्ट नही होने से बुल्डोजर से घर को नही तोड़कर जमींदार को जमीन दखल दिहानी करबा सका. मजिस्ट्रेट ने कहा कि जब तक उंक्त जमीन को कॅम्पास से माफी नही होती है तब तक जमीन का सीमांकन नही हो सकता है. इस लेकर न्यायालय द्वारा जब तक कॅम्पास से उंक्त जमीन को माफी नही होती है तो जिमिंदार को जमीन दखल दिहानी नही कर सकता हूँ. वही जमींदार राघवेंद्र सिंह ने स्थानीय प्रशासन पर आरोप लगाया है कि लगभग तीन माह पहले कोर्ट के आदेश पर जमीन की दखल दिहानी करने स्थल पर न्यायालय के नाजिर,पेशकार,कमिश्नर, जिला पुलिस बल,स्थानीय थाना पुलिस पदाधिकारी एव मजिस्ट्रेट पहुँच कर जमीन की सीमांकन करवाकर भी जमींदार को जमीन दखल दिहानी नही कराया गया. जिस कारण जिमिंदार राघवेंद्र सिंह को आर्थिक,मानसिक की परेशानी झेलनी पड़ती है.इस दखल दिहानी के मौके पर मजिस्ट्रेट बीडीओ मनीष कुमार,बीपीआरओ हेमनारायण महतो,एमओ प्रणव प्रकाश,व्यवहार न्यायालय मधुबनी के प्रतिनियुक्ति कमिश्नर,पेशकार, प्रभारी थानाध्यक्ष राम कुमार,एसआइ जितेश कुमार मिश्रा, सदर मधुबनी टाउन थाना के एसआई राहुल कुमार, एएसआई मदन उराँव,इंद्रदेव सिंह सहित जिला पुलिस बल ,महिला पुलिस बल शामिल थे।

बेगूसराय में तरुण सांस्कृतिक चेतना समिति का हुआ गठन

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। जिले के संपूर्ण क्षेत्र में आमजनों खासकर युवाओं, छात्र, नौजवानों को सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय होकर विभिन्न प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु तरूण सांस्कृतिक चेतना समिति का गठन किया गया है। तरूण सांस्कृतिक चेतना समिति के महासचिव कवि सह वरिष्ठ साहित्यकार सीताराम शेरपुरी ने शनिवार को बेगूसराय जिले में समिति के विस्तार हेतु कमिटी का गठन करने के लिये आनंद कुमार जायसवाल एवं मिंटू कुमार झा को अधिकृत कर सम्मानित किया है। समिति के महासचिव सीताराम शेरपुरी ने कहा कि बेगूसराय राष्ट्रकवि, क्रांतिकारियों, वीरों, साहित्यकारों, स्वतंत्रता सेनानियों की वीरभूमि है। इस भूमि पर युवाओं को सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने हेतु विभिन्न प्रकार का कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। वर्तमान समय में युवाओं का भटकाव दूसरे रास्ते पर चला गया है। युवा वर्ग कागज, कलम, साहित्य, किताब से दूरी बना बैठे है। युवाओं के अंदर सांस्कृतिक चेतना की अलख जगाने की जरूरत है, जिससे युवाओं का आने वाला भविष्य सुनहरा बनेगा। आनंद कुमार जायसवाल एवं मिंटू कुमार झा ने कहा कि हम युवा वर्ग को भटकाव के रास्ते को छोड़कर साहित्य, संस्कृति के रास्ते पर चलने के लिये अपील करेंगे। बेगूसराय जिले के सभी अनुमंडल एवं प्रखंड क्षेत्र में तरूण सांस्कृतिक चेतना समिति का विस्तार कर नौजवानों को जोड़ने का काम किया जायेगा। बेगूसराय जिले में समिति के गठन होने पर आनंद कुमार जायसवाल एवं मिंटू कुमार झा को इसके विस्तार हेतु अधिकृत करने के लिये सिमरिया धाम सिद्धाश्रम के संस्थापक स्वामी चिदात्मन जी महाराज, बछवाड़ा के विधायक सुरेन्द्र मेहता, बीहट नगर परिषद की मुख्य पार्षद बबीता देवी, प्रसिद्ध कवि सह लोक गायक सचिदानंद पाठक, शिक्षा विहार के निदेशक सुशांत चंद्र मिश्रा, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अवकाश प्राप्त डीएसपी सुनील कुमार, डा. संजीव भारती, तेघड़ा नगर पंचायत के पूर्व उप मुख्य पार्षद सुरेश रौशन, जिला पत्रकार संघ के कोषाध्यक्ष प्रशांत कुमार, तेघड़ा गौशाला समिति के सचिव शिवकुमार केजरीवाल, राष्ट्रीय जन जन पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डा.सोनू शंकर, डा.धीरज कुमार, जदयू के प्रदेश सचिव डा. प्रवीण कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष रूदल राय, पूर्व नगर विधायक अमिता भूषण, पूर्व विधायक नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह सहित दर्जनों लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये बधाई दी है।

बैंक लूट की योजना बनाते पटना का यूट्यूबर और अंचल अधिकारी का पुत्र गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। अपराधियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। इसी कड़ी में पुलिस ने बैंक (सीएसपी) लूट की योजना बना रहे तीन पेशेवर अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि रात में गुप्त सूचना मिली थी कि लाखो सहायक थाना क्षेत्र के भैरवार स्थित सुरेश सिंह के बगीचा में चार-पांच अपराधी सीएसपी/ बैंक लूट की घटना को अंजाम देने के लिए योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही लाखो सहायक थाना को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार, पुअनि सुधांशु भूषण, प्रशिक्षु पुअनि राहुल कुमार, सशस्त्र बल एवं चीता बल की टीम के द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान तीन अपराधियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अपराधी भैरवार निवासी पियूष कुमार उर्फ बिट्टू पर मुफस्सिल (लाखो सहायक थाना), बलिया एवं पटना के शास्त्रीनगर थाना में पांच मामले दर्ज हैं। वहीं, भैरवार निवासी दिगम्बर कुमार पर मुफस्सिल (लाखो सहायक थाना) एवं नवादा जिला के पकरीबरावां थाना क्षेत्र स्थित लिलो गांव निवासी मोहन कुमार पर पटना के शास्त्रीनगर थाना में एक-एक मामले दर्ज हैं। छापेमारी में इनके पास से एक लोडेड देशी पिस्तौल, चार जिंदा गोली, दो मोबाईल, एक गाड़ी का नंबर प्लेट, एक मोटरसाईकिल, एक स्कूटी एवं पांच हजार रुपये बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधियों के द्वारा पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार किया है। दिलचस्प बात यह है कि एसपी ने खुलासा किया पीयूष कुमार पटना जिले का यूट्युबर है वहीं मोहन कुमार अंचल अधिकारी का पुत्र बताया है। छापेमारी टीम में शामिल पदाधिकारी एवं कर्मी को पुरस्कृत किया जाएगा।

सरोकार मंच ने सरिसवा नदी को प्रदूषणमुक्त करने के विषय को भारत नेपाल के पीएम वार्ता में शामिल करने का मांग किया

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। पीएम के प्रधान सचिव, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, अपर महानिदेशक पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, संयुक्त सचिव, नेपाल, उतरी भारत, विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर सरोकार मंच ने नेपाल के पीएम के भारत दौरा के दौरान वार्ता सूची में सरिसवा नदी को प्रदूषणमुक्त करने के विषय को शामिल करने की मांग किया है। मंच के अध्यक्ष सेवक सौरभ नाथ ने बताया कि सरिसवा नदी जो कि नेपाल के बारा जिला से निकलती है और रक्सौल,सुगौली होते हुए गंगा नदी में मिलती है। नेपाल में संचालित लगभग 50 उद्योगों और कल कारखानों का कूड़ा कचरा इसी नदी में गिरामी जाती है।जिस कारण यह नदी अब इतना प्रदूषित हो गया है कि इस नदी में रहने वाले जीवाणु सभी नष्ट हो गया है। पानी का दूर्गन्ध इतना है कि नदी किनारे बसने वाले लोगों का जीना हराम हो गया है।नदी के आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग गंभीर रूप से बिमारी के शिकार हो गए हैं, जबकि की लोगों की मौत भी है छूटी है। दशकों पूर्व इस नदी का पानी इतना स्वच्छ था कि इस नदी के जल से कूष्ट रोगियों का गांव धोकर ईलाज किया जाता था। इसलिए इस नदी को प्रदूषणमुक्त कराने को लेकर भारत नेपाल के प्रधानमंत्री के बीच वार्ता में शामिल करने की मांग की गई है, क्योंकि यह मामला अन्तर्राष्ट्रीय है।इसके लिए जबतक दोनों सरकारों के बीच वार्ता सहमति नहीं होगा, तब तक इस मामले का निष्पादन संभव नहीं है।

नहाने के दौरान गंगा नदी में डूबा युवक

बेगूसराय। मटिहानी इलाके के गंगा नदी के खोरमपुर चकौर घाट में एक युवक स्नान के दौरान डूब गया। गंगा में डूबा युवक मटिहानी थाना क्षेत्र के मनिअप्पा निवासी रामानंद कुंवर का पुत्र रजनीश कुमार के रूप में बताया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रजनीश कुमार अपने साथियों के साथ गंगा स्नान करने के लिए खोरमपुर चकौर गंगा घाट गया था। स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। जिससे वह गंगा के तेज धार में बह गया। लोगों से घटना की सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी मनीष कुमार एवं थानाध्यक्ष विवेक भारती द्वारा स्थानीय मछुआरे के सहारे रजनीश की खोजबीन शुरू की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद सिमरिया से डीडीआरएफ एवं खगड़िया से एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

असरगंज।असरगंज थाना क्षेत्र के पनसाइ गांव निवासी विनय कुमार के पुत्र ने रात के वक्त अपने घर में मोटरसाइकिल रख कर सो गया। सुबह उठने पर पता चला मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। मोटरसाइकिल चोरी की लिखित सूचना असरगंज थाना को दिया गया। असरगंज थाना के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ममई गांव निवासी महावीर यादव के घर से मोटरसाइकिल को बरामद किया गया। चोरी के अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए गस्ती दल को सक होने पर वाहनों के कागजात की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

चोरी की गाड़ी के साथ एक गिरफ्तार

असरगंज। असरगंज थाना क्षेत्र के चाफां गांव के निकट गस्ती वाहन के पुलिस के द्वारा जांच के दौरान चाफां गांव से चोरी के मोटरसाइकिल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी के अभियुक्त को मुंगेर जिले भेज दिया गया।

छापेमारी में शराब के साथ एक गिरफ्तार

पूर्णिया। बड़हरा कोठी। बड़हरा थाना पुलिस द्वारा शराबबंदी कानून के अनुपालन के लिए लगातार छापेमारी किया जा रहा है। इसी क्रम में बड़हरा थाना पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर किये गए छापेमारी में 6 लीटर विदेशी शराब के साथ एक धंधेवाज को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में बड़हरा थानाध्यक्ष विकास कुमार आजाद ने बताया कि गिरफ्तार युवक के विरुद्ध युक्तिसंगत धाराओं के तहत प्राथिमिकी दर्ज कर जेल भेजने हेतु करवाई किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बड़हरा थाना में पदस्थ एसआई सह एएलटीएफ प्रभारी विष्णुकांत को जानकारी मिली कि अलीगंज वार्ड संख्या 3 निवासी उमेश यादव के पुत्र विपिन कुमार यादव द्वारा विदेशी शराब लाकर अपने घर मे रखकर ऊंचे दामों पर बेचा जाता है।

किसान चौपाल कार्यक्रम में बताए गए बेहतर व आधुनिक कृषि गुर

पूर्णिया। केनगर प्रखंड के जगनी पंचायत के जगनी गांव में प्रखंड कृषि कर्मी एवं कोटिबा एग्री साइन्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा किसान चौपाल का आयोजन किया गया। किसान चौपाल का शुभारंभ पायोनियर कंपनी के नया मक्का पी 3532 बीज से बेहतर उपज साक्ष्य प्रमाण दशार्ने हेतु खेत में लगी हुई तैयार मक्का फसल को कटाई उपरांत अन्य मक्का से 6 क्विंटल अधिक उपज होने पर वजन कर बताया गया। वहीं दूसरी ओर कृषि अधिकारी द्धारा आगामी धान की खेती के बारे में किसानों को उन्नत बीज लगाने हेतु भी प्रकाश डाला गया। कहा गया की पायोनियर कंपनी 2737 शंकर धान बीज अच्छा उत्पादन देने का क्षमता रखता है। किसानों को उक्त जानकारी कोटिबा एग्रीसाइंस के टी एम अभिजीत कुमार झा एवं पंकज कुमारए तपन झाए राजीव समेत कृषि विभाग के कर्मियों द्धारा दी गई। किसान चौपाल में किसान भवेश कुमार सिंहए जयप्रकाश सिंह महानंद मेहताए पिंकु कुमार के अलावा दर्जनों लोग मौजूद थे।

दो हजार का नोट बंद करना बेतुका निर्णय:आलोक

पूर्णिया। भारत में नोटबंदी के समय भारत के लोगों ने जो कष्ट झेला उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह दिन याद कर भारत की हर एक जनता की रूह कांप जाती है। उक्त बातें राष्ट्रीय जनता दल पूर्णिया के जिला प्रवक्ता आलोक राज ने कही। साथ ही साथ कहा कि इस तरह के कष्ट देने वाले व्यक्ति को भी भारत की जनता कभी माफ नहीं कर सकती। कभी काला धन समाप्त करने की बात कर नोटबंदी लागू करने वाली सरकार तो काला धन वापस नहीं ला पाई लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था को नोटबंदी कर चरमरा जरूर दिया। आज भी नोटबंदी के मार से भारत उबर नहीं पाया है और फिर से भारत के केंद्र सरकार ने 2000 का नोट बंद कर दिया इससे आम आवाम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले नोटबंदी के समय में हमारे कई लोगों को अपनी जानें गंवानी पड़ी। इनकी जान सरकार के द्वारा लिए गए गलत निर्णय के कारण गई थी। यह निकम्मी और भ्रष्टाचारी सरकार पुरानी नोटबंदी से सीख नहीं ली और अपना बेतुका निर्णय भारत के जनता पर पुनः सौंप दिया। श्री राज ने कहा कि देश की जनता के साथ तो यह सरकार धोखा करती ही है बल्कि भारतीय महिला के साथ तो यह एक प्रकार का अन्याय है एवं महिलाओं के साथ बहुत बड़ी छल है। चुकी महिला लोग अपनी खर्च में से कुछ रुपए बचाकर रखती है और इस तरह के निर्णय से महिलाओं को काफी कष्ट होता है। भारत में घरेलू महिलाओं की संख्या अधिक है यह लोग रूपए को अपने परिवार से छुपा कर रखती है।

पुलिस के विरुद्ध जमकर काटा बवाल

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। थाना क्षेत्र के सीटीएस चर्च मैदान में देर शाम 112 की पुलिस टीम द्वारा मैदान में प्रतियोगिता की तैयारियों में जुटे एथलेटिक्स खिलाड़ी भोला कुमार की जमकर पिटाई कर दिये जाने का मामला सामने आया है। उक्त घटना के बाद खिलाड़ी भोला कुमार गम्भीर रूप से चोटिल हो गए। पुलिस द्वारा पिटाई मामले में आक्रोशित अन्य खिलाड़ियों ने स्थानीय इलाके में ड्यूटी पर मौजूद 112 की पुलिस टीम की गाड़ी का घेराव कर जमकर हंगामा शुरू कर दिया। वही मामले की सूचना मिलते ही मौके पर नाथनगर थाना पुलिस टीम व शांति समिति के सदस्य पहुंचकर काफी जद्दोजहद के बाद मामला शांत कराया। वही मामले को लेकर पुलिस की पिटाई से चोटिल खिलाडी भोला कुमार ने बताया कि उसका शनिवार के दिन स्टेट लेबल दौड़ का ट्रायल होना है, जिसको लेकर नाथनगर के सीटीएस स्थित चर्च मैदान परिसर में अपने सहयोगी साथियों के साथ दौर प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे थे। तभी किसी दो अन्य व्यक्ति में मारपीट हो गई और उक्त सूचना के तहत मिली जानकारी पर मौके पर 112 कि पुलिस टीम पहुंचकर दोनों को शांत कराया और वहां से उक्त युवकों को भगा दिया। जिसके बाद पुलिस टीम खिलाड़ी भोला के पास पहुंच कर बेवजह गालीगलौज करते हुए उसकी जमकर पिटाई कर दी।जिससे नाराज खिलाड़ियों ने जमकर बबाल काटा। वही भोला ने बताया कि आगामी 26 मई को मध्य प्रदेश में इंटरनेशनल दौड़ प्रतियोगिता आयोजित होना है जिसमें भाग लेने हेतू तैयारी कर रहे हैं और वही पटना में स्टेट लेबल दौड़ में भाग लेने के लिए जाना है, जिसको लेकर तैयारी कर रहा था। इसी क्रम में 112 की पुलिस टीम ने पिटाई कर चोटिल कर दिया है। वही खिलाड़ी भोला कुमार को लेकर बताया जा रहा है कि अपने बुलंद हौसले के कारण कड़ी मेहनत से 5 हजार मीटर, 1500 मीटर और 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुका है।

वही मामले को लेकर 112 की पुलिस टीम के पुलिस कांस्टेबल ने बताया कि दो बाइक सवार युवक के बीच हुई मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे, जहां हम लोगों के पहुंचने पर उक्त दोनों बाइक सवार युवक को गाड़ी में बैठने के लिए बोला गया था,जिसके बाद मौका पाकर उक्त दोनों बाइक सवार सभी युवक मौके से भाग निकला था, वही पिटाई किये जाने का आरोप सरासर बेबुनियाद मिथ्या है।

वही मामले को लेकर नाथनगर थाना पुलिस ने एथलेटिक्स खिलाड़ी भोला कुमार व 112 पुलिस टीम के बीच हुए विवाद मामले को लेकर सुलह करा दिया गया है। दोनों में से कोई भी पक्ष लिखित शिकायत नही किया है।

पुलिस तत्परता से बच्चा सुरक्षित लौटा अपने घर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जोगसर थाना क्षेत्र अंतर्गत मनाली चौक के समीप नौलक्खा कोठी के पास एक अजीबोगरीब घटना घटित होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों व राहगीरों को घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज के पास एक बच्चा गिरा हुआ मिला जब लोगों ने बच्चे से पूछताछ की तो वह कुछ भी नहीं बता पा रहा था, बच्चे का बस कहना था कि उसकी याददाश्त चली गई है, और उसे अपने नाम के अलावा कुछ भी याद नहीं बच्चे से पूछे जाने पर उसने अपने घर का पता और माता पिता के नाम भी याद नहीं आ रहा था। वही मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने 112 आपातकालीन सेवा पर फोन कर मामले की जानकारी दी, तभी 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को तिलकामांझी थाने लेकर गई, क्षेत्राधिकार को लेकर तिलकामांझी पुलिस ने बच्चे को जोगसर थाने भेज दिया। जहां पुलिस द्वारा पूछे जाने पर भी बच्चे ने कुछ भी नहीं बताया है, हालांकि कुछ देर बाद सारी बातें सामने आ गई। जब बच्चे के माता पिता उसे ढूंढते हुए थाना पहुंचे। दरअसल आदमपुर काली मंदिर के समीप रहने वाले मिट्ठू शर्मा का 13 वर्षीय पुत्र यश शर्मा विगत शाम से ही लापता हो गया था, जिसे लेकर बच्चे के माता-पिता काफी समय से इर्दगिर्द ढूंढ रहे थे। वही बच्चे के माता पिता से पूछे जाने पर बच्चे ने बताया कि वह अपने स्कूल का कोई सामान लेने पास में ही जाने की बात कह कर घर से निकला था, लेकिन काफी देर हो जाने पर जब वह वापस नहीं लौटा तो माता-पिता को भी बच्चे की चिंता होने लगी और वही माता पिता ने जब बच्चे से पूछा कि वह कहां था तो बच्चे ने बताया कि वह स्कूल का सामान लेने तिलकामांझी की ओर चला गया था। तभी किसी अजनबी ने उसे चॉकलेट दिखाकर बहला-फुसलाकर ले जाने की कोशिश की और तिलकामांझी से दूर कैंप जेल की रोड की तरफ ले जा रहा था, तभी बच्चे ने हिम्मत दिखाते हुए अजनबी व्यक्ति का हाथ छुड़ाकर भागने लगा। वह भी उसके पीछे दौड़ा था, लेकिन भागने के क्रम में नौलक्खा कोठी के समीप बच्चा एक बाइक से टकरा गया। जिससे उसे हल्की चोट भी लगी वहीं स्थानीय लोगों ने बच्चे को चोटिल देख जब उसके घर का पता पूछा तो वह अपने याददाश्त जाने की बात उन लोगों से कहने लगा। वहीं यश के माता-पिता ने पुलिस का शुक्रगुजार होकर पुलिस की तत्परता की सराहना की और कहा कि पुलिस की सक्रियता के कारण ही आज उनका बच्चा वापस उन तक पहुंच पाया है, साथ ही कहा ऐसी मानसिक हालत ठीक नहीं है और उसका किसी निजी अस्पताल में इलाज भी चल रहा है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर मुंगेर। शनिवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा कार्यालय सभागार में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतू प्रखंड स्तर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं नवचयनित मेट के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदधाटन प्रखंड प्रमुख इंदू देवी ,उप प्रमुख सचिन कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी अजेश कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रशांत कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रुप से दीपप्रज्वलित कर किया गया। मनरेगा के महिला मेट का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में मेट को प्रशिक्षकों द्वारा उनके कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व की जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि मेठों को नाप-चौप करना, श्रमिकों की उपस्थिति भरना, मनरेगा कार्यस्थल पर श्रमिकों के लिए छाया, पानी, चिकित्सा एवं सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में श्रमिकों के जॉब कार्ड जारी करने, श्रमिकों के रोजगार के लिए प्रपत्र 6 भरवाने, प्राप्ति रसीद देने, श्रमिक को ग्रुप टास्क अनुसार कार्य करवाने सहित कुल 11 कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया।बीडीओ अजेश कुमार ने बताया कि मनरेगा के तहत साल में 100 दिन का रोजगार दिया जायेगा जिसमें मजदूरों को 228 रुपया एवं मेठ को 238 रुपया के दर से दिया जायेगा।पीओ ने बताया जिन मजदूरों का जांव कार्ड नही बना हो,और बनवाना चाहते है वे आप अपने पंचायत के रोजगार सेवक से सम्पर्क करें या कार्यालय में आकर हम से मिले।

इस अवसर पर कनीय अभियंता विनोद कुमार पंचायत तकनीकी सहायक संजीव कुमार सभी पंचायत रोजगार सेवक कंप्यूटर ऑपरेटर अवधेश कुमार एवं विभिन्न पंचायतों से आए जीविका दीदी एवं मनरेगा मजदूर,मेठ सहित अनेक महिला मौजूद थी।

महिला पर्यवेक्षिकाओं एवं पोषण अभियान के प्रखंड समन्वयक को किया गया प्रशिक्षित

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । जिले में आईसीडीएस के माध्यम से संचालित किए जा रहे सभी कार्यक्रमों की शत.प्रतिशत निगरानी के साथ ही मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया को अपग्रेड किया जा रहा है। जिसको लेकर राज्य सरकार ने पोषण ट्रैकर के नाम से एक ऑनलाइन एप विकसित किया है। इसके माध्यम से जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी एवं मूल्यांकन में आसानी होगी। इस योजना को गति देने के उद्देश्य से शनिवार को जिला परियोजना कार्यालय में आईसीडीएस की डीपीओ रजनी गुप्ता के नेतृत्व में राष्ट्रीय पोषण अभियान की जिला समन्वयक निधि प्रिया एवं परियोजना सहायक सुधांशु के द्वारा जिले की सभी महिला पर्यवेक्षिका ;एलएसद्ध एवं प्रखंड समन्वयक को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला परियोजना प्रबंधक रजनी गुप्ता ने बताया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता को लेकर विभाग ने सभी पंचायत में निगरानी का जिम्मा संबंधित प्रखंड की सीडीपीओ को दिया है। ताकि प्रशिक्षण स्थल पर जाकर भौतिक सत्यापन कर सकें कि सेविकाओं ने अपने स्मार्ट फोन में एप को डाउनलोड किया है या नहीं। एप के प्रशिक्षण के बाद स्थानीय स्तर पर सेविकाओं के द्वारा दी जा रही सभी पोषण से संबंधित गतिविधियों की जानकारी पोषण ट्रैकर एप पर नियमित रूप से अपलोड की जाएगी। जिससे रियल टाइम मॉनिटरिंग की प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्ता को देखते हुए अब इसे पूरी तरीके से हाईटेक करने की तैयारी की जा रही है। ताकि आईसीडीएस के स्तर पर दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता व संचालन को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाया जा सके। इसके लिए राज्य सरकार ने पोषण ट्रैकर एप की शुरूआत की है।

इस एप के सफल संचालन के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागी अपने.अपने प्रखंड में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर प्रखंड की सेविका समेत अन्य कर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे। राष्ट्रीय पोषण अभियान की ज़िला समन्वयक निधि प्रिया ने बताया कि एप के माध्यम से कुपोषण से संबंधित मामलों को सूचीबद्ध करने के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र के पोषक क्षेत्रों में गर्भवती एवं धातृ महिलाएंए शून्य से लेकर तीन वर्ष के बच्चेए 03 से 6 वर्ष के बच्चेए किशोर एवं किशोरियों के साथ ही आंगनबाड़ी के अंतर्गत पोषक क्षेत्र के अनाथ बच्चों के अलावा उन सभी के स्वास्थ्य की जानकारी नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं के द्वारा अपलोड की जाएगी। जिससे विभाग के द्वारा कुपोषण से संबंधित मामलों को सूचीबद्ध करने के साथ ही नियमित निगरानी भी आसान हो जाएगी। एप के माध्यम से सेविकाओं द्वारा क्षेत्र में उपस्थित नवजात शिशुओंए गर्भवती.धातृ महिलाओं के पोषण व स्वास्थ्य की जानकारीए टीएचआर का वितरणए बच्चों के ग्रोथ की मॉनिटरिंग आदि तमाम जानकारी दर्ज करेंगी। प्रशिक्षकों के द्वारा सभी सेविकाओं के स्मार्ट फोन में पोषण ट्रैकर एप डाऊनलोड करने और उसका उपयोग करने की जानकारी दी गई है। क्योंकि जिले की सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को पहले ही स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जा चुका है।

आयुक्त कार्यालय के समक्ष शिक्षकों ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय के सामने अपनी मांगों को लेकर जोरदार हल्ला बोल प्रदर्शन किया।

इस क्रम में प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने कहा कि सरकार के द्वारा नयी नीति के तहत शिक्षक बहाली नियमावली 2023 को लेकर लगातार शिक्षकों के द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिसके तहत शिक्षक सरकार के द्वारा जारी किए गए नए नियमावली का शिक्षक विरोध कर रही हैं। इन लोगों की मांग है कि अगर सरकार जल्द नई नियमावली को जल्द नहीं बदलती है, तो इसके लिए लगातार सड़क से सदन तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने कहा हम लोगों की मांगे सरकार जल्द से जल्द पूरी करें, जिसमें शिक्षक को राज्य कर्मी का दर्जा और पुरानी पेंशन को लागू करने की बात कहते दिखे है, प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने जमकर नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

वही प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार को अगर हम नियोजित शिक्षक पर अगर विश्वास नहीं है, तो हम सरकार पर कैसे विश्वास करें, कि यह बीपीएससी परीक्षा के तहत हम लोगों को सारी सुविधाएं मिल जाएंगे, या फिर से कोई नया फरमान जारी हो जाएगा, जिससे शिक्षक नयी रणनीति में लग जाएंगे।

भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ ने किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर सदर। शनिवार को भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ सदर प्रखंड मुंगेर द्वारा एक आपातकालीन बैठक बुलाई सीताकुंड के प्रांगण में बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष डॉ रंजन किया बैठक में सदर प्रखंड के सभी ग्रामीण चिकित्सक शामिल हुए। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बी शिवांगी विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष डॉ इकबाल शामिल हुए।वही बैठक में अपने संबोधन में डॉ इकबाल ने कहे कि संघ की एकता और मजबूत हमारी सबसे बड़ी ताकत है। एकता के बल पर ही हम सरकार से अपनी मांग पूरा करवा कर रहेंगे। तथा जिला सम्मेलन के विषय में भी सारे चिकित्सक गण के बीच विचार विमर्श हुआ बैठक में यह निर्णय हुआ की संभवत जून-जुलाई में जिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

डॉ बी शिवांगी ने कहे कि आप ग्रामीण चिकित्सक पर ही गरीबों का इलाज टिका हुआ है। बैठक में उपस्थित प्रखंड सचिव डॉ हरिराम पंडित ,प्रखंड कोषाध्यक्ष डॉ संजीव कुमार, प्रखंड कानूनी सलाहकार अधिवक्ता शाहिद इकबाल, डॉ अशोक मंडल, प्रखंड उपाध्यक्ष डॉ रिंकू, डॉ जय किशोर, डॉ अरुण ,डॉ महबूब, डॉ शंभू ,डॉ अजय शर्मा, डॉ संतोष ,एवं दर्जनों ग्रामीण चिकित्सक मौजूद थे।

शिक्षक प्रतिनिधि पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए शब्बीर

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । मोण्शब्बीर आलमए बीएनसी कॉलेजए धमदाहा को शिक्षक प्रतिनिधि के पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। प्रधानाचार्य गिरीश कुमार सिंह ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि उक्त पद के लिए एकमात्र मो शब्बीर आलम ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया था। शनिवार को पूर्णिया विश्वविद्यालयए पूर्णिया द्वारा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक प्रोण अंजनी कुमार मिश्रा मौके पर मौजूद थे। प्रो. मिश्रा एवं प्रधानाचार्य श्री सिंह ने कॉलेज के शिक्षकों की उपस्थिति में मो. आलम को शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाने का प्रमाण.पत्र दिया। इस अवसर पर विजय कुमार सिंहए बिपिन कुमार सिंह, कवीन्द्र कुमार,मृत्युंजय कुमार सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, कौशल किशोर सिंह, शैलेन्द्र कुमार सिंह, सुनीता कुमारी झा, सुजाता कुमारी, अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह, सुनीता कुमारी झा, अशोक कुमार, कुमोद कुमार मिश्र, सरिता कुमारी आदि ने मो आलम को फूल मालाएं पहना कर बधाई और शुभकामनाएं दी।

किराना व्यवसायी से अपराधियों ने की चार लाख की लूट

प्रात : किरण संवाददाता

रूपौली ;पूर्णियाद्ध । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र में बेलगाम अपराधियों ने दिनदहाड़े ट्रक सवार किराना व्यवसायी को लूट लिया। गौरतलब है कि अपराध कर्मियों का मनोबल इस कदर बढ़ा हुआ है कि बेखौफ होकर हत्या और लूट की घटना को अंजाम देने से परहेज नहीं कर रहा है। वहीं शनिवार को सुबह करीब 8रू30 बजे अपराध कर्मियों ने एक और घटना को अंजाम दे प्रशासन के सामने नया चुनौती पेश कर भाग खड़ा हुआ। बता दें कि राहजनी की इस घटना में लूट के शिकार हुए अकबरपुर ओपी थाना क्षेत्र के बहदुरा बाजार निवासी किराना व्यवसायी मुनेश्वर साह। टीकापट्टी थाना में पीड़ित व्यवसायी मुनेश्वर साह ने अपनी आपबीती बताते जो जानकारी दी। उसमें प्रथम दृष्टया स्पष्ट रूप से ट्रक चालक मोहम्मद मोकरम की संलिप्तता नजर आ रही है। वैसे घटना का उद्भेदन टीकापट्टी पुलिस के जांच पर निर्भर करता है।

पीड़ित व्यवसायी मुनेश्वर साह ने बताया कि शनिवार सुबह अन्य दिनों की भांति किराना समान खरीद के लिए घर से ट्रक सवार हो चला था। ज्यों ही ट्रक तीनटंगा मोड़ और तेल्डीहा के बीच सुनसान जगह राज्य उच्च पथ 65 पर पहुंची थी कि पीछे से यमाहा एफ जेड एस रेसर बाईक सवार दो अपराध कर्मियों ने ट्रक का ओवरटेक कर हथियार के बल पर गाड़ी रूकवाने में कामयाब रहा। दोनों अपराध कर्मियों ने कनपटी में हथियार सटा बैग में रखा 3ए85ए000 रुपए सहित गले से सोने का लाकेट छीन लिया। जबकि ट्रक चालक मोहम्मद मोकरम का मोबाइल और गाड़ी का चाभी छिन लिया। किन्तु चलते चलते अपराध कर्मियों ने गाड़ी का चाभी और चालक का मोबाइल सड़क किनारे झाड़ी में फेंक तीनटंगा मोड़ की तरफ वापस फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि दोनों ही अपराध कर्मी युवा थे जिसमें एक ने हेलमेट और एक ने मास्क लगा रखी थी। दिनदहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र के व्यवसायी सहित आमजन सकते में आकर सहमे हुए हैं। लोगों का विश्वास पुलिस से उठता जा रहा है।टीकापट्टी थाना क्षेत्र में लगातार घटना दर घटना घट रही है। महीने के भीतर ही सी एस पी संचालक से 4ए27ए000 रुपएए युवा किसान की लेवी नहीं देने पर गोली मार हत्याए पूर्व सरपंच के फसल को काट क्षतिग्रस्त कर देनाए दिनदहाड़े मक्का की बाली लूट रात में घर में आगजनी की घटना को अंजाम आदि घटना को अंजाम दिया जा चुका है। किसान की हत्या के अलावे अन्य किसी घटना का उद्भेदन टीकापट्टी पुलिस द्वारा नहीं किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही टीकापट्टी थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी सदल बल जवानों के साथ जांच में जुट गये। जहां तीनटंगा रास्ते की ओर भागे अपराध कर्मियों की पहचान सीसीटीवी फूटेज से तत्काल निकाल लिया गया है। पीड़ित किराना व्यवसायी मुनेश्वर साह और महिन्द्रा कम्पनी का ट्रक संख्या बी आर 11 जी ए 2447 के चालक मोहम्मद मोकरम से बारी बारी से घटना की विस्तृत जानकारी हासिल किया गया।थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने बताया कि पीड़ित व्यवसायी मुनेश्वर साह के द्वारा दिए आवेदन के आलोक में मामला दर्ज कर लिया गया है। ट्रक चालक मोहम्मद मोकरम से पूछताछ की जा रही है। जबकि चपहरी की ओर भागे अपराध कर्मियों का मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कराई जा रही है।

धमदाहा के उपमुख्य पार्षद ने जताई नाराजगी, मुख्य पार्षद पर लगाये कई आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया, धमदाहा । धमदाहा नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद मीना कुमारी ने प्रेस वार्ता कर मुख्य पार्षद रानी देवी के क्रिया कलाप पर आपत्ति जताते हुए बताया कि मुझे मुख्य पार्षद के कार्यों से आपत्ति है।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य पार्षद रानी देवी के द्वारा मुझे और कई वार्ड पार्षद को उनके कार्यो से आपत्ति है। मिना कुमारी ने इस बावत बताया कि वार्ड पार्षदों के साथ एक आवश्यक बैठक की गई। जिसमें वार्ड के पार्षदो के प्रतिनिधि एवं वार्ड पार्षद उपस्थित हुए। उन्होंने बताया कि धमदाहा नगर पंचायत के गठन के चार माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी। मुख्य पार्षद द्वारा मुझे किसी प्रकार कोई जानकारी प्राप्त नही है यहां तक कि सशक्त स्थाई कमिटी के गठन के अलावे अन्य किसी भी कार्यो की जानकारी मुझे प्राप्त नही है। किस वार्ड पार्षद को शसक्त स्थायी कमिटी में कौन सा विभाग दिया गया इसकी भी जानकारी मुझे नही है। इस बात से यह साफ साफ यह प्रतीत होता है कि मुख्य पार्षद द्वारा मुझे दरकिनार किया जा रहा है। जिससे मेरे मान सम्मान और पद को ठेश पहुंचता दिखाई दे रहा है

तो वहीं वार्ड पार्षद विजय कुमार ने बताया कि वार्ड पार्षदों के बीच आम सहमति नही होने से यह समस्या हो रही है जो कि धमदाहा नगर पंचायत के विकास में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। सभी वार्ड पार्षद ने एक सुर में कहा कि अगर मुख्य पार्षद द्वारा उप मुख्य पार्षद को मान सम्मान और कार्यो की जानकारी नही दी जाती है तो इसकी लिखित शिकायत आगे की जाएगी। इस मौके पर वार्ड पार्षद विजय कुमार साहए मो समसुद्दीनए बेबी देवी के पति रविन्द्र यादवए रंजू देवी के पति विनोद यादवए चंदा देवी के पुत्र विपिन कुमारए तालामय देवी के प्रतिनिधिधि सोनू कुमारए कल्पना देवी पुत्र रवि गुप्ताए रहमतुन निशा के पुत्र हारून आलमए समीना खातून के पति मो तनवीर राजा, सितम कुमारी के पति मुन्ना हजारी, सुनीता देवी, दीपक कुमार उर्मिला देवी के प्रतिनिधि पवन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में छात्र हुए सम्मानित

पूर्णिया । वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए 8वींए 9वीं और 10वीं वर्ग के छात्र छात्राओं के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया पटना के अधिकारी सुबोध कुमार व अमित कुमार के संयुक्त में अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडियाए व्यावसायिक कार्यालयए पूर्णिया के क्षेत्रीय प्रबंधक विकास कुमार के मार्गदर्शन पर सफलता पूर्वक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम सरकारी विद्यालयों के छात्र छात्राओ के लिए आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता कार्यक्रम प्रखंड स्तर से शुरूआत होकर जिला और राज्य राज्य स्तर और जोनल स्तरों के बाद राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न किया जाऐगा। क्यूज प्रतियोगिता कार्यक्रम का विषय वित्तीय साक्षरता है।

प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का संचालन भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया पटना द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वय जिला अग्रणी बैंक को नामित किया गया। प्रभारी मोती लाल पासवान की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। मंच संचालन सुचित्रा कुमारी के द्वारा किया गया। शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी मनोहर सिंह एवं भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक अजय कांत झा वित्तीय साक्षरता सलाहकारए वित्तीय साक्षरता केंद्रए पूर्णिया सक्रिय भूमिका मे रहे। प्रतियोगिता कार्यक्रम में प्रखंड स्तर पर प्रथमए द्वितीयए तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओ को जिला स्तर प्रतियोगिता में शामिल हुए जिला स्तर पर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले छात्र को बैंक के द्वारा प्रशस्ति पत्र मेडल देकर सम्मानित किया। प्रथम स्थान दुर्गा उच्च विद्यालय मोगलिया पुरन्दाहाए द्वितीय स्थान हाई स्कूल बैलवा पूर्णिया पूर्व एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मध्य विद्यालय परोरा ने प्राप्त किया।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो व कार के बीच हुई भीषण टक्कर, ऑटो पर सवार पांच यात्री गम्भीर रूप से घायल

जगदीशपुर (भागलपुर)। इन दिनों जिले भर में वाहनों के तेज रफ्तार की चपेट में आ कर बेगुनाह मौत के गाल में समा रहे हैं, इसी कड़ी में एक और सड़क दुर्घटना घटित होने की सूचना सामने आई है। दरअसल बायपास पीओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाउंसी बांका रोड स्तिथ बैजनी के समीप मुख्य सड़क मार्ग पर एक कार और ऑटो में भीषण टक्कर हो गई है, उक्त घटना में ऑटो पर सवार सभी यात्री गंभीर रुप से जख्मी हो गये है। जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। वही इस घटना में कुल पांच लोग जख्मी होने की जानकारी प्राप्त हुई है। जिसमें तीन महिला एक पुरुष और एक किशोर के घायल होने की बात बतायी जा रही हैं। वही घायलों में कोल्हा नारायणपुर के सुभाष प्रसाद सिंह, पूनम देवी, विकास कुमार, सुलोचना देवी बताया जा रहा है। वही मामले को लेकर घायल यात्रियों ने बताया कि वे लोग भागलपुर से जगदीशपुर की तरफ जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रही कार चालक ने ऑटो में टक्कर मार दी। जिससे वे लोग ऑटो से बाहर निकल सड़क पर गिर गए। वहीं घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने आनन-फानन में सभी घायल हुए यात्रियों को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में फोन की, जिसके कुछ देर बाद अस्पताल की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों इलाज के लिए अस्पताल में लेजाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा सभी घायल यात्रियों को भर्ती कर तुरंत इलाज शुरू कर दिया। पांच यात्रियों में से तीन यात्रियों को गंभीर बतायी जा रही हैं। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस टीम दुर्घटना ग्रस्त कार को जब्त कर कार मालिक की तलाश में जुट गई है।

शहर में हो रहे जल संकट को लेकर मेयर ने कई वार्डों का लिया जायजा

भागलपुर। एक तरफ जहां मौसम के बदलाव के साथ उमस भरी गर्मी व सुर्य की तपती लू ने आम लोगों का जीना मुहाल कर दिया है, वही जिला के सहरी क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्रों में जल स्तर काफी तेजी से धरातल के नीचे जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ शहर इलाके के कई वार्डों में जल संकट की समस्या बनी हुई है। लोग पीने वाले पानी के लिए तरसते दिख दे रहे हैं, उक्त जल संकट को लेकर जिले की मेयर डॉ. वसुंधरा लाल अपनी पूरी टीम के साथ कई वार्डों का जायजा लेने पहुंची, इसी क्रम में मेयर डॉ. बसुंधरा लाल व उनकी टीम ने निगम के 13 वार्डों में सफ्लाई वाटर वर्क्स से मिलने वाले जो पानी बंद है, उसे जल्द से जल्द शुरू करने की कवायद शुरू करते हुए, वहां काम कर रहे अधिकारियों और कर्मियों से वार्ता की। वही मामले को लेकर डॉक्टर वसुंधरा लाल ने कहा शहर वासियों को बहुत जल्द जल संकट से निजात मिलेगा, हर जगह पानी की व्यवस्था कर ली गई है। जहां काम जल सफ्लाई हो रही थी, उक्त स्थल पर काफी तेजी से दरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है, कई जगह काम पूरे हो चुके हैं, अब शहर वासियों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। वहीं उन्होंने कहा वर्कर व इंजीनियर तेजी से कार्य कर रहे है, कार्य करने के दौरान कुछ कर्मियों को चोटे भी आई है, लेकिन अपनी चोट का प्रवाह नहीं करते हुए उन्होंने कार्य को प्राथमिकता दिया और निगम के कर्मियों ने पानी के संकट से निजात दिलाने के लिए एड़ी चोटी एक कर इसे साकार करने का काम किया है, शहर वासियों को अब जल्द पीने योग्य पानी उनके बीच देखने को मिलेगा।

जल ही जीवन है, कार्यक्रम के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों तक पेयजल पहुंचाने का लिया संकल्प

भागलपुर। भीषण गर्मी के चलते जलस्तर में धरातल के काफी नीचे पहुंच जाता है, जिसके चलते भागलपुर के कई क्षेत्रों में पेयजल का अभाव के संकट से जूझते हुए दिखाई दे रहे है, लोग पीने के पानी के लिए इर्दगिर्द भटकते हुए दिखाई दे रहे हैं तो भी कई क्षेत्रों के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। इसी बाबत स्थानीय गौशाला परिसर से भारतीय जनता पार्टी भागलपुर द्वारा नर सेवा नारायण सेवा के भाव के साथ इस भीषण गर्मी में कोई प्यासा न रह जाए, इसके लिए भारतीय जनता पार्टी जल ही जीवन है, कार्यक्रम के तहत शहर के हर क्षेत्र में पिकअप वैन से जल मुहैया कराने का संकल्प लिया है। जिसका निवर्तमान भागलपुर विधानसभा प्रत्याशी रोहित पांडेय के द्वारा विधिवत रूप से उद्घाटन कर शुभारम्भ किया गया है। वही पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित पांडे ने बताया कि हमारी पार्टी राजनीतिक दायित्व का निर्वहन तो कर ही रही है, लेकिन सेवा भाव को लेकर शहर में जल संकट को देखते हुए हर गली मोहल्ले हर मंडल में वैन के सहारे पेयजल लोगों तक पहुंचाने का काम कर रही है, अगर इसका रिस्पांस अच्छा रहा तो निश्चित तौर पर इस पर और भी विशेष कार्य किया जाएगा।

फांसी लगाकर नवविवाहिता ने की आत्महत्या, सनसनी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के छपरापुर गांव में शुक्रवार की शाम फांसी लगाकर एक नवविवाहिता की हत्या कर दी गई। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं घटना के बाद ससुराल वाले मौके से फरार हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मृतका नारायणपुर थाना क्षेत्र के छपरापुर गांव निवासी लवकुश कुमार की 20 वर्षीया पत्नी शिशामुनी देवी है। इधर मृतका के चाचा उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उनलोगों ने शीशामुनी देवी की शादी वर्ष 2022 में 12 जून को नारायणपुर थाना क्षेत्र के छपरापुर गांव निवासी गोपाल यादव के पुत्र लवकुश कुमार से लेन-देन एवं पूरे हिंदू रीति रिवाज के साथ की थी। शादी के समय उन्होंने उसके ससुराल वालों को बाइक खरीदने के लिए 85 हजार नगद रुपया भी दिया गया था। लेकिन उस समय उन लोगों ने सेकंड हैंड बाइक खरीदी थी। शादी के कुछ दिन बीत जाने के बाद से ही उसके पति और ससुराल वालों द्वारा दोबारा नई बाइक व सोने की चैन की मांग की जाने लगी। जिसको लेकर उनके द्वारा बराबर उनकी भतीजी के साथ मारपीट किया जाता और उसे प्रताड़ित किया जाता था। जिसके कारण वह बीच में भागकर अपने मायके आ गई थी। इसके बाद में मायके वालों ने उसे दोबारा उसके ससुराल भेजा और उसके ससुराल वालों को एक भैंस भी खरीद कर दी थी। इसी बीच शुक्रवार की शाम उन्हें अपने दूर के रिश्तेदार से फोन पर सूचना मिली की उनकी लड़की के साथ ऐसी घटना घट गई है। सूचना पाकर वे लोग मृतका के ससुराल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह पलंग पर मृत अवस्था में पड़ी है। उसके घर के एक कमरे में पूरा सामान बिखरा पड़ा है व दूसरे कमरे में उसकी अंगूठी और टूटी हुई चूड़ी बिखरी पड़ी है। उसके गले में फांसी के फंदे का निशान एवं जिस्म पर भी मारने पीटने के निशान हैं। वही उसके सभी ससुराल के लोग भी मौके से फरार हो गए हैं। जिसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर नारायणपुर थाना इंचार्ज राकेश कुमार अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। वहीं दूसरी ओर मृतका के चाचा उपेंद्र कुमार सिंह ने मृतका के पति,सास व देवर एवं उसके ससुराल के अन्य लोगों पर दहेज में बाइक पर सोने के चैन नहीं देने के कारण उसकी फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतका के पिता मेघनाथ सिंह की मृत्यु उसकी शादी के कुछ वर्ष पूर्व ही हो गई थी। मृतका अपने दो भाई व दो बहन में तीसरे स्थान पर थी। मृतका के परिवार में मां रजंती कुंवर व दो भाई प्रिंस कुमार, रंजन कुमार एवं एक बहन छोटी कुमारी है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतका की मां रजंती कुंवर एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पल्स पोलियो है एडिशनल डोज, नियमित टीकाकरण से कोई लेना देना नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले में 28 मई से पांच दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की जानी है। जिसको लेकर जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस क्रम में जिला स्वास्थ्य समिति ने सभी जिलों से दो दिनों के अंदर अभियान के लिए माइक्रो प्लान बनाकर समर्पित करने का निर्देश दिया है। ताकि, पल्य पोलियो अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी न उत्पन्न हो सके। लेकिन, पोलियो की खुराक को लेकर अभी भी कई ऐसे अभिभावक हैं, जो उलझन में रहते हैं।

उनका मानना होता है कि नियमित टीकाकरण के दौरान उनके बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाती है। उसके बाद पल्स पोलियो अभियान के दौरान खुराक क्यों दी जाए। ऐसे में विभाग ने उन लोगों को फ्रंटलाइन वर्कर्स को जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी हैं। इस संबंध में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पल्स पोलियो की खुराक शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए एक एडिशनल डोज है। इसका नियमित टीकाकरण से कोई लेना देना नहीं है। यदि नियमित टीकाकरण में एक दिन पहले भी पोलियो की खुराक दी गई हो तो बच्चे को अगले दिन पल्स पोलियो अभियान के दौरान वो खुराक देना अनिवार्य है। जिससे बच्चे के पोलियो की चपेट में आने की संभावना पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

पोलियो की बीमारी एक वायरस की वजह से होती है : डॉ. सिन्हा ने बताया, पोलियो बहुत ही संक्रामक बीमारी है। यह संक्रमित व्यक्ति के मल के संपर्क में आने से या फिर उनके छींकने या खांसने से हवा में फैली संक्रमित बूंदों को सांस के जरिये अंदर लेने से फैलता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह वायरस संक्रमित व्यक्ति की आंतों, श्लेम (म्यूकस) और लार में पाया जाता है। पोलियो की बीमारी एक वायरस की वजह से होती है। संक्रमित भोजन, पानी, या हवा में मौजूद संक्रमित बूंदों को मुंह के जरिये अंदर लेने से यह बीमारी फैलती है। पोलियो का वायरस आपके शरीर में प्रवेश करने के बाद तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) को प्रभावित कर सकता है। कुछ लोगों को इसमें केवल फ्लू के हल्के लक्षण ही महसूस होते हैं, मगर पोलियो की वजह से लकवा हो सकता है और ज्यादा गंभीर हो तो यह जानलेवा भी हो सकता है। बच्चों को, खासकर कि पांच साल से कम उम्र वालों को यह बीमारी होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। पोलियो का कोई इलाज नहीं है, मगर पोलियो का टीका बच्चे का इस बीमारी से बचाव कर सकता है।

पोलियो का कोई इलाज नहीं :

डॉ. सिन्हा ने बताया, विस्तृत रूप से चलाए गए पोलियो टीकाकरण अभियान की बदौलत भारत को एक पोलियो मुक्त राष्ट्र घोषित किया जा चुका है। पोलियो मुक्त देश बनाए रखने के लिए हमें सभी बच्चों को पोलियो का टीका लगवाना जारी रखना होगा। जिन बच्चों को पोलियो का टीका नहीं लगता, उन्हें यह बीमारी होने का खतरा अभी भी है क्योंकि यह संक्रमण हमारे आसपास से पूरी तरह मिटा नहीं है और अब भी आसानी से फैल सकता है। जिन संक्रमित लोगों में पोलियो के लक्षण सामने नहीं आते, वे तब भी यह संक्रमण दूसरों तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए अगर वे ऐसे व्यक्तियों के संपर्क में आएं जिन्होंने टीकाकरण नहीं करवाया है, तो उन्हें भी यह इनेक्शन हो सकता है।

पूर्व मंत्री ने सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के नवनिर्मित भवन का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गया। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में 200 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार 176 बिस्तरों की क्षमता वाला सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण पूर्व मंत्री सह नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने अधिकारियों के साथ किया गया है।

उन्होंने तैयार किए गए 6 मंजिला अस्पताल भवन के निर्माण कार्य को बारीकी से देखा और जानकारी ली। इस दौरान सीपीडब्ल्यूडी के अभियंता एसके सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से 200 करोड़ रुपए आवंटित किया गया था, जिसमें 108 करोड़ रुपए की लागत से भवन तैयार किया गया है। शेष 92 करोड रुपए फर्नीचर, मॉड्यूलर ओटी, ऑक्सीजन पाइप लाइन, एमआरआई, कैथ लैब,अल्ट्रासाउंड मशीन,सीटी स्कैन एक्सरे एवं अत्याधुनिक मेडिकल उपकरण की खरीदारी के लिए आवंटित किया गया है। पूर्ण रूप से वातानुकूलित 136 बेड सामान्य और 40 आईसीयू बनाया गया है।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने ऑपरेशन थिएटर, वार्ड रूम सहित कई अन्य विभागों में चल रहे कार्यों जायजा लिया गया है। इस दौरान उन्होंने अभियंता से पूछा कि अभी तक इस अस्पताल को चालू करने का कोई प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है। इसपर कार्यपालक अभियंता ने कहा की भवन निर्माण के सभी कार्य 31 मार्च 2023 को पूरे हो चुके हैं। नए भवन में सिर्फ फर्नीचर, मेडिकल उपकरण एवं राज्य सरकार द्वारा चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के पदस्थापना नहीं होने से थोड़ा विलंब हो रहा है। विधायक ने नाराजगी प्रकट करते हुए फर्नीचर और मेडिकल उपकरण सप्लाई करने वाली टेंडर एजेंसी से दूरभाष पर बात कर जानकारी ली। उन्होंने टेंडर एजेंसी को हर हाल में चिकित्सकीय उपकरण आपूर्ति करने की बात कही अन्यथा कंपनी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखने पर बाध्य होंगे। अभियंता ने बताया कि 1 वर्ष पूर्व ही भवन तैयार होना था। लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण श्रम एवं निर्माण सामग्री की आपूर्ति में समस्या आने के कारण देर हो गई है।

विधायक ने जल्द ही राज्य सरकार से डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति कर नवनिर्मित अस्पताल भवन को मेडिकल कॉलेज को हैंड ओवर करने की मांग की है। हमारा प्रयास है कि गया जिले में सुपर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सभी चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हो,जिससे हमारे नगर, जिले एवं आसपास के लोगों को अच्छे स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सके और किसी भी सर्जरी के लिए हमें महानगरों की ओर ना जाना पड़े। केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार के घनी आबादी वाले मगध प्रमंडल में नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए एम्स के तर्ज पर गया में मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण किया है। जहां आने वाले समय में मरीजों को यहां न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी,कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस कार्डियो थोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी न्यूरो सर्जरी, नेफ्रोलॉजी से संबंधित बीमारियों का उपचार अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्राप्त होगी। यह अस्पताल गया जिले के लिए ही नहीं बल्कि मगध प्रमंडल के लोगों के लिए वरदान साबित होगा। आने वाले दिनों में मरीज पटना ना जाकर गया में ही एम्स के स्तर का इलाज करा सकेंगे। निरीक्षण के दरमियान विधायक ने मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के स्वास्थ्य सुविधाओं का भी जायजा लिया है।निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान भाजपा के जिला महामंत्री पप्पू चंद्रवंशी, गोपाल यादव एवं पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गौतम कुशवाहा सहित कई लोग शामिल हुए हैं।

जिला जज द्वारा किया गया नये जेल भवन एवं परिसर का विस्तृत निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सम्पूर्णानन्द तिवारी द्वारा आज नये जेल का भ्रमण करते हुए निरीक्षण किया गया। नये जेल के स्थानान्तरण के बाद जिला जज द्वारा यह प्रथम निरीक्षण है और निरीक्षण में जिला जज द्वारा मौजूद बुनियादी व्यवस्था को देखा गया तथा जेल के सुरक्षात्मक तथ्यों पर विशेष प्रकाश डाला गया। नये जेल भवन का स्थानान्तरण कुछ दिन पहले ही हुआ है जिसके परीधी में छायादार पौधारोपण पर विशेष प्रकाश डाला गया। जिला जज द्वारा जेल निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव प्रणव शंकर, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी सुकुल राम तथा जेल भ्रमण अधिवक्ता श्रीमती निवेदिता कुमारी महेश प्रसाद सिंह भी मौजूद रहें तथा निरीक्षण के दौरान मण्डल कारा में पदस्थापित जेल अधीक्षक सुजीत कुमार झा भी मौजूद थे तथा उनके द्वारा सभी न्यायिक पदाधिकारियो को प्रत्येक सेल से अवगत कराया गया तथा जिला जज द्वारा कैदियों को कारा में उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत होने के उपरान्त कैदियों के समक्ष ही तत्काल निदान करने का निर्देश जेल अधीक्षक को दिया। जिला जज ने अपने निरिक्षण के दरम्यान जेल के समस्त वार्डो में जा कर कैदियों से उनकी समस्याओं से अवगत हुए तथा बंदियों से यह अपील भी किये की जितना अपने से हो सके जेल के वार्ड को साफ रखें ताकि आपकी स्वास्थ्य अच्छा रहे आप सभी कूड़ा हमेसा कूड़ेदान में डालें और निजी सामानों जैसे कपडा और चप्पल इत्यादि करीने से रखें ताकि जेल प्रशासन को जेल को सुंदर बनाने में सहयोग मिल सके इसके साथ जिला जज कारा के अस्पताल में गये वहां की व्यवस्था को देखें और इलाजरत बंदी से उसके स्वास्थ की जानकरी प्राप्त किये। अपने निरिक्षण के क्रम में जिला जज जेल के नवनिर्मित रसोई घर का निरिक्षण किया और बन रहे खाना की गुणवता को देखा और जेल प्रशासन को खाने की गुणवता पर कई दिशा निर्देश दियो जिला जज ने जेल प्रशासन को बंदियों के बौद्धिक और शारीरिक स्वास्थ्य के विकाश हेतु समय समय पर शैक्षणिक गतिविधियाँ और योगा अभ्यास हेतु कार्यक्रम और जागरूकता करने हेतु कहा गया। अपने जेल निरिक्षण के क्रम में जिला जज ने जेल के सौंदर्यीकरन हेतु बृक्ष लगाने जिनमे छायादार, फलदार और फुल पौधे तीनो तरह के पौधे हों ताकि जल्द ही जेल एक मॉडल जेल के रूप में विकसित हो सके इसके अतिरिक्त उनके द्वारा कई अन्य सुरक्षात्मक और सुविधात्मक निर्देश जेल प्रशासन को दिये इसके साथ साथ उन्होंने आज जेल परिसर में उक्त सौन्दर्यीकरण कर्यक्रम की शुरूआत स्वयं वृक्ष लगा कर किया जिसमे उनका साथ सचिव श्री प्रणव शंकर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुकुल राम ने भी वृक्ष लगा कर दिया। जिला जज द्वारा सिद्धदोष बंदियों के निर्मुक्त हेतु अधिकार से बंदियों को अवगत कराते हुए किन परिस्थितियों में स्थानीय स्तर पर तीन दिन के लिए पेरोल तथा इससे अधिक अवधि के लिए आगे की प्रक्रिया हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध कराये गये बैनर को जेल में लगाया गया है की जानकरी बंदियों को उपलब्ध कराया। पेरोल के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि कैदी के माता-पिता, पत्नी, पति, अथवा बच्चे की मृत्यु, कैदी की पुत्री की विवाह पर पेरोल पर छूटने (तीन दिन तक) आवेदन जेल अधीक्षक के द्वारा जिला पदाधिकारी को अग्रसारित किया जायेगा और इसकी स्वीकृति जिला पदाधिकारी द्वारा दी जायेगी और इससे सम्बन्धित आवेदन को तैयार करने में जेल अधीक्षक सम्बन्धित सिद्धदोष बंदियों को सहायता करेगें। साथ ही तीन दिन से अधिक के पेरोल के लिए पेरोल बोर्ड को भेजा जायेगा। निरिक्षण के क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव प्रणव शंकर द्वारा जेल के वैसे कैदी जो प्रथम दृष्टया देखने से ऐसा प्रतीत हुआ कि उनकी उम्र 18 वर्ष से कम है को लेकर सचिव ने तत्काल कारा अधीक्षक को यह निदेशित किया कि इनकी सूची सम्बन्धित न्यायालयों में उनकी आयु के सत्यापन हेतु प्रेषित करें, ताकि विधि अनुसार उनके मामलों पर कार्रवाई हो सके तथा वैसे कैदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को तथा जेल में प्रतिनियुक्त जेल भ्रमण अधिवक्ता को आवश्यक रूप से देना सुनिष्चित करने हेतु कहा सचिव ने साथ रहे दोनों जेल भ्रमण पैनल अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में 18 साल से नीचे प्रथम दृष्टया प्रतीत होने वाले बंदी की जाँच अपने स्तर से जेल भ्रमण के दौरान आवश्यक रूप से प्रत्येक भ्रमण के दिन करने के लिए निदेशित किया। अधिवक्ता की सेवा तत्काल देने की बात कही तथा तत्काल कारा में स्थापित लिगल एड क्लिनक में अधिवक्ता उपलब्ध कराने हेतु अग्रेत्तर कार्रवाई का निर्देश दिया। सचिव द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि जो भी नये कैदी जेल में आते हैं तो बंदी के दौरान उनके अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में बतायें साथ ही साथ अगर उन्हें विधिक सहायता की आवष्यकता है तो किस प्रकार उन्हें विधिक सहायता मिल सकती है के बारे में भी बतायें। सचिव द्वारा बताया गया कि मण्डल कारा, औरंगाबाद में लिगल एड क्लिनिक अपना कार्य सुचारू रूप से कर रहा है जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से उन्हें विधिक सहायता मुहैया कराने में भरपुर मदद की जा रही ।

चाचा ने किया भतीजे को बेघर, इंसाफ की लेकर युवक पहुंचा सिटी एसपी कार्यालय

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले में कई बार अजीबोगरीब घटना की वारदात घटित होने की सूचना सामने आए हैं, इसी कड़ी में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसे सुनकर आप स्ताब्ध हो जाएंगे, पहले तो दो बच्चे के मां पिता का साया उसके सर से उजड़ जाता है, और वह बिल्कुल अनाथ हो जाता है, वहीं दूसरी ओर युवक के अपने सगे शराबी चाचा ने उनके सारे पुरखों की जमीन औने पौने भाव में बेच दिया जाता है, साथ ही उन अनाथों के पास सर छुपाने के लिए जो एक घर बचा रहता है, उसे भी शराबी चाचा ने बेच देता है। घर से बेघर होने के बाद दोनों बच्चे इधर उधर भटक रहे होते हैं, कहां जाएं कहां खाए, कहां क्या करें यह भी उसे नहीं मालूम होता है। उक्त घटना की सारी वाक्या जिले के ईसीपुर बाराहाट थाना इलाके से सामने आ रही है। उक्त इलाके के रहनेवाले विनोद मुर्मू के बेटे जितेंद्र मुर्मू और उसका छोटा भाई अपने रिश्तेदार के करतूतों को लेकर अपने हक की लड़ाई के लिए इर्दगिर्द भटक रहा है, वह अपनी न्याय की गुहार ले सिटी एसपी अमित रंजन के कार्यालय पहुंचा। जहां उक्त दोनो भाई ने अपनी आप बीती कहानी बताई, साथ ही उन्होंने इंसाफ की मांग को लेकर आवेदन भी दिया है। उनकी पूरी कहानी जानकर सिटी एसपी ने कहा जल्द इस पर जांच टीम बैठा कर दोषियों को कानून सम्मत कार्रवाई करने के आश्वासन देते हुए कहा हैं कि जो इस जमीन के हकदार होंगे, उन्हें दिलाने की हरसंभव कवायद की जाएगी। गौरतलब हो कि यह जमीन आठ से नौ बीघा की बतायी जा रही हैं, जिसे उसके अपने ही शराबी चाचा ने ओने पौने दाम में अपनी नशे की खुराक पूरी करने व शराब पीने खाने लत में बेच चुका है। मामले को लेकर पीड़ित जितेंद्र मुर्मू ने बताया जब हमारे पिताजी और मां का देहांत हो गया तो हम लोग 6 साल बाहर रहने चले गए थे, जब वापस आए तो सब कुछ बदला हुआ था, ना ही रिश्ता दिख रहा था, और ना ही जमीन जायदाद, जबकि यह जमीन मेरे दादा की थी, जब भी मैं उस जमीन पर जाता हूं तो मेरे चाचा मारपीट और गाली गलौज कर भगा देते हैं।

अस्पताल में लचर व्यवस्था, आइसीयू में बिजली की आँख मिचौली

प्रात : किरण ब्यूरो कुंदन राज

भागलपुर। राज्य के सभी जिलों में संचालित जिला सदर अस्पताल सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस करने की कवायद जोर शोर से चल रही है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार जिले के अस्पताल में पहुंच कर लगातार औचक निरीक्षण करने के साथ ही अस्पताल के व्यवस्था सहित मरीजों के इलाज प्रक्रिया व अन्य गतिविधियों की बारीकी से जांच कर अस्पताल के लचर व्यवस्था को सुदृढ़ व बेहतर बनाने के लिए जिला स्तर पर नियुक्त अधिकारियों को प्रतिदिन अस्पताल से जुड़े समस्या को दुरुस्त कर हालत को बेहतर करने को निर्देशित करती रही हैं, लेकिन आलम यह है कि सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने आये मरीजों के जान के साथ खिलवाड़ किये जाने का मामला सामने आने में कमी नहीं आ रही है। इसी कड़ी में एक और मामला पूर्वी बिहार के सबसे बड़े अस्पताल जवाहरलाल लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के आईसीयू में इन दिनों डाइबिटीज, बीपी व हृदय रोग से पीड़ित गम्भीर मरीजों को इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से युक्त भेंडिलेटर पर रखा जाता है, आलम यह है कि विभाग में लगाये गये इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के भेंडिलेटर में यूपीएस तकनीक सुविधा उपलब्ध हैं ही नहीं, जबकि आईसीयू वार्ड में इलेक्ट्रॉनिक वायर सिस्टम बिजली बोर्ड के पास यूपीएस सिस्टम प्रयोग करने के स्लोगन लिखा हुआ है। वहीं अस्पताल के आईसीयू में भर्ती होने वाले मरीज अपनी जान की सुरक्षा के उम्मीद पर पानी फिर रहा है, इन मरीजों के बेहतरी के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के भेंडिलेटर सिस्टम को लगाया तो जाता है लेकिन बिजली की आँख मिचौली के खेल में मरीज मौत के गाल में समा जाते हैं। इसको लेकर बार - बार चिकित्सकों व स्टाफ नर्स को पीड़ित परिवार के आक्रोश का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही एक और मामला विगत देर शाम नाथनगर इलाके के एक मरीज के साथ घटित हुई है, इसी क्रम में मरीज की अचानक हुई मौत पर हंगामा खड़ा कर दिया गया।

उक्त मामले को लेकर जानकारों ने बताया कि आईसीयू में लगे इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को नियमित रूप से जारी रखने के लिए हाय क्वालिटी के बैटरी तो लगाया गया है लेकिन बैटरी चार्ज की सुविधा उपलब्ध हैं ही नहीं। जिससे आइसीयू में लगे सिस्टम बिजली के कट आउट होने पर गम्भीर मरीज पर गंभीर असर पड़ रहा है और इसमें गंभीर मरीजों की मौत हो जा रही है। ज्ञात हो कि बीते दिनों पूर्व अस्पताल अधीक्षक डॉ. असीम दास के द्वारा कंडेमेशन बैटरी को हटाने के साथ नये बैटरी को लगाये जाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिससे बैटरी चार्ज की विद्युत बैकअप सिस्टम बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकें, लेकिन इस बीच एक ऐसी जानकारी प्राप्त हुई कि हाय पॉवर बैटरी सिस्टम आइसीयू में लगा ही नहीं, जबकि कागजी स्तर पर लगा दिया गया है। इसी उम्मीद पर भेंडिलेटर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सिस्टम चिकित्सकों द्वारा इस्तेमाल में ला रहे थे और बिजली पावर कट होते ही कुछ समय बाद मरीज की मौत हो जाया करती है। बावजूद इसके अस्पताल प्रबंधन इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। इस मामले को गंभीरता से जांच की जाय तो लाखों रुपए के घोटाले का मामला सामने आयेगा। छोटे कर्मचारी जानते हुए कुछ बोल नहीं पाते और पावरफुल अधिकारी बचाव में अपना समय काट रहे हैं।

युनाईटेड कलर्स ऑफ बेनेटॉन ने लॉन्च किया अपना स्प्रिंग-समर 2023 कलेक्शन

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। इस स्प्रिंग समर कलेक्शन में बेनेटॉन के डीएनए जैसे निटवियर, कलर ब्लॉक्स और स्ट्राइप्स को आधुनिक ट्विस्ट दिया गया है। महिलाओं के कलेक्शन की बात करें तो ब्राण्ड ने कई थीम्स जैसे कलर कन्वर्जन, पोयटिक सेलर, संडे सनशाईन और समर फ्रूट थीम पर आधारित कलेक्शन पेश किया है।

यह कलेक्शन सोलिड/ ब्राईट/ पेस्टल्स, फ्रैश वॉटरकलर फ्लोरल प्रिंट्स, प्ले ऑफ इन्वर्स प्रिंट, सॉफ्ट कलर्ड चौक्स एवं फ्रूट थीम प्रिन्ट्स और जैक्वार्ड का बेहतरीन संयोजन है। हम कलर ब्लॉक्स, नए लुक और सॉफ्ट फैब्रिक में नए स्टाइलिश सिलहूट लेकर आए हैं, जो आरामदायक फिट के साथ एकदम नयापन लेकर आएंगे। इस कलेक्शन के बेसिक टॉप और सिलहूट्स आने वाले सीजन के लिए बेहद आरामदायक होंगे।

पुरूषों के कलेक्शन की बात करें तो इसमें स्पोर्ट स्टाइल, ईजी वॉश्ड एवं ओवरडाईड कैजुअल विंटेज पीसेज हैं, जिन्हें प्राकृतिक फैब्रिक में बनाया गया है। इस कलेक्शन की खास बात यह है कि यह नये रिलेक्स्ड फिट, सथायी फैब्रिक तथा क्राफ्टी ट्रिम ऐप्लीकेशन्स के माध्यम से ब्रांडिंग को नया रूप देता है। युनाईटेड कलर्स ऑफ बेनेटॉन का स्प्रिंग-समर 2023 कलेक्शन भागलपुर में पोस्ट ऑफिस के सामने, एमजी रोड के एक्सक्लुजिव स्टोर पर उपलब्ध है।

पिकअप ने बाइक सवार मामा-भांजी को मारी टक्कर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरस्ता के समीप शनिवार की दोपहर पिकअप ने बाइक सवार मामा-भांजी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद भांजी की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है।

वहीं जख्मी मामा का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में कोइलवर थाना क्षेत्र के गीधा ओपी अ

सेंसेक्स
61431.32 पर बंद
निफ्टी
18130.76 पर बंद

सोना
60,070
चांदी
71608

भारत के शहद से अमेरिका में घुल रही मिठास; निर्यात 16 हजार करोड़ के पार, सबसे ज्यादा उत्तरप्रदेश में उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में शहद का उत्पादन एवं कारोबार तेजी से विस्तार ले रहा है। भारत प्रत्येक वर्ष लगभग 1.33 लाख टन से ज्यादा शहद का उत्पादन करता है। इसमें से लगभग आधा निर्यात कर देता है। भारत के शहद का अमेरिका सबसे बड़ा आयातक है। शहद उत्पादन, प्रसंस्करण और कारोबार की गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र पांच वर्ष के भीतर ही शहद के निर्यात में दोगुना से भी ज्यादा वृद्धि हो गई है।

2018-19 में जहां प्रतिवर्ष सिर्फ 732 करोड़ रुपये के शहद का निर्यात किया जाता था, जो अब बढ़कर 16622 करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मीठी क्रांति की परिकल्पना के अनुरूप शहद के उत्पादन एवं निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र ने राज्य सरकारों एवं किसानों के सहयोग से देश भर में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला चला रही है। इसमें कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की भी मदद ली जा रही है।

एनबीएचएम के लिए 500 करोड़ आवंटित: केंद्र की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) के लिए पांच सौ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का आंकड़ा बताता है कि देश में अभी

मधुमक्खियों की 20 लाख कालोनियां हैं। दशक भर और पहले के आंकड़ों को देखा जाए तो 2005-06 में 35 हजार टन शहद का उत्पादन होता था। सबसे बड़ा उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है, जहां प्रतिवर्ष 23 हजार टन से भी ज्यादा शहद का उत्पादन होता है। 21 हजार टन के साथ बंगाल दूसरे नंबर पर है। पंजाब 18 हजार टन शहद का उत्पादन करता है और बिहार का स्थान चौथे नंबर पर है, जहां प्रतिवर्ष 16.80 हजार टन शहद का उत्पादन होता है।

शहद की मांग में तेजी से वृद्धि: हालांकि अधिकतर हिस्से में इस कारोबार के असंगठित होने के चलते इसका सही आंकड़ा अभी सामने आना बाकी है, क्योंकि कई किसान खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) या राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) से अभी भी पंजीकृत नहीं हैं। पहले शहद को सिर्फ औषधीय वस्तु की तरह इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब यह हमारे भोजन का अंग बन चुका है। कोरोना के बाद शहद को इम्यूनिटी बढ़ाने का माध्यम और चीनी के विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है। इससे इसकी खपत और मांग में तेजी से वृद्धि होने लगी है। इसे देखते हुए एपीडा का लक्ष्य नए देशों में बाजार का विस्तार कर निर्यात को प्रोत्साहित करने में लगा है।

सबसे बड़ा खरीदार अमेरिका: भारत शहद का शीर्ष निर्यातकों में है। पहली बार 1996-97 में शहद का निर्यात शुरू हुआ था। उत्तम गुणवत्ता के आधार पर भारत में उत्पादित शहद की मांग कई देशों में है। सबसे बड़ा आयातक अमेरिका, सऊदी अरब और बांग्लादेश है। कनाडा एवं कतर में भी बड़ी मात्रा में निर्यात किया जाता है। वर्ष 2022-2023 में भारत से लगभग 80 हजार टन शहद का निर्यात किया गया, जिसका मूल्य 1,622.17 करोड़ रुपये है। इसमें अकेले अमेरिका ने 59,262 टन शहद खरीदा।

जोमैटो का मार्च तिमाही का शुद्ध घाटा कम होकर 187.6 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन खाना ऑर्डर की सुविधा देने वाला मंच जोमैटो का 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में शुद्ध घाटा सालाना आधार पर घटकर 187.6 करोड़ रुपये रह गया। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का घाटा कम हुआ है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 359.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। जोमैटो की एकीकृत परिचालन आय वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही के 1,211.8 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च, 2023 तिमाही में 2,056 करोड़ रुपये हो गयी। कंपनी ने बताया कि मार्च, 2023 तिमाही में कुल व्यय 2,431 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,701.7 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी का एकीकृत शुद्ध घाटा 971 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 1,222.5 करोड़ रुपये था। कंपनी की एकीकृत परिचालन आय वित्त वर्ष 2021-22 के 4,192.4 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 7,079.4 करोड़ रुपये हो गयी।

अमेरिका में आर्थिक संकट गहराने के संकेत, वाइस मीडिया ने किया दिवालियापन के लिए आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में चल रहे आर्थिक संकट का असर बैंकों के साथ अब दूसरे सेक्टरों पर भी दिखने लगा है। अमेरिकी मीडिया कंपनी वाइस ने दिवालिया प्रक्रिया के लिए आवेदन कर दिया है। कंपनी की ओर से ये आवेदन ऐसे समय पर किया गया है, जब अमेरिका आर्थिक मंदी का संभावना जताई जा रही है। दिवालिया प्रक्रिया के आवेदन करने के कारण वाइस मीडिया के ऑपरेशन पर कोई प्रभाव नहीं होगा। इसके अलावा कंपनी के कारोबार में मीडिया ऐड एजेंसी फिल्म डिवीजन प्लस और रिफाइनरी29 शामिल हैं। वाइस के लेंडर्स में फोर्ट्रेस इन्वेस्टमेंट ग्रुप और सोरोस फंड मैनेजमेंट का नाम शामिल है, जो कि कंपनी का अधिग्रहण करने की रेस में सबसे आगे हैं। ग्रुप की ओर से 225 मिलियन डॉलर की बोली जमा कराई गई है, इसमें कंपनी के मौजूद लोन भी शामिल है। वाइस मीडिया द्वारा की गई फाइलिंग के मुताबिक, कंपनी पर 834 मिलियन डॉलर का लोन बकाया है। वाइस मीडिया की ओर से 20 मिलियन डॉलर का लोन ऑपरेशन के लिए लिया गया है और अगर कोई इससे अच्छी बोली नहीं मिलती है तो फोर्ट्रेस इन्वेस्टमेंट ग्रुप और सोरोस फंड मैनेजमेंट द्वारा वाइस मीडिया का अधिग्रहण कर लिया जाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक समय पर कंपनी की वैल्यूएशन 5.7 अरब डॉलर पर पहुंच गई थी। कंपनी में टीपीजी और डिज्नी जैसे निवेशकों से फंड मिला हुआ था।

24 मई को ओपन हो रहा है हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज का आईपीओ, प्राइस बैंड 85-90 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के लिए गुड न्यूज है। हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज का आईपीओ 24 मई को ओपन हो रहा है। निवेशकों के पास इस आईपीओ को सब्सक्राइब करने का मौका 26 मई 2023 तक रहेगा। बता दें, हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज के आईपीओ का प्राइस बैंड 85 से 90 रुपये प्रति शेयर है। आइए जीएमपी सहित अन्य डीटेल्स जान लेते हैं।

हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज के आईपीओ का साइज 24.84 करोड़ रुपये है। कंपनी बीएसई एसएमई में रजिस्टर्ड होगी। हेमतं सर्जिकल इंडस्ट्रीज की तरफ से सेबी के पास जमा कराए पेपर्स के अनुसार रिटेल निवेशकों के लिए आईपीओ का 35 प्रतिशत, क्वालिफाइड इंवेस्टमेंट बायर्स सेक्शन में 50 प्रतिशत और एनआइआइ कोटा में 15 प्रतिशत रिजर्व रखा गया है।

हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज के आईपीओ का लॉट साइज 1600 शेयरों का है। कंपनी की तरफ से शेयरों का अलॉटमेंट 31 मई को किया जाएगा। वहीं, कंपनी शेयर बाजार में 5 जून 2023 को अपना डेब्यू कर सकती है।

टॉप शेयर ब्रोकर की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे

मार्केट में शुक्रवार की शाम को हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज का आईपीओ 6 रुपये के प्रीमियम पर उपलब्ध है। आईपीओ ओपन होने पहले जीएमपी पॉजिटिव रहना एक अच्छा संकेत माना जाता है। अगर यही ट्रेंड बरकरार रहा तो हेमंत सर्जिकल इंडस्ट्रीज की लिस्टिंग 96 रुपये में हो सकती है।

नोट वापसी से कालेधन पर कसेगा शिकंजा डिजिटल भुगतान को मिलेगा और बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा पर केंद्रीय बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर आर गांधी ने शुक्रवार को कहा, इस फैसले से कालेधन पर शिकंजा कसने में काफी हद तक मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, 2016 में मुद्रा को चलन से हटाने का बड़ा कारण अर्थव्यवस्था में कालेधन पर रोक लगाना ही था। गांधी ही 2016 में 500 व 1000 रुपये के नोट चलन से हटाए जाने के समय आरबीआई में मुद्रा विभाग प्रमुख थे।

वहीं, पूर्व वित्त सचिव एससी गर्ग ने कहा कि यह कदम उच्च मूल्य वाले नोटों पर निर्भरता कम करने के लक्ष्य से उठाया गया है और इससे डिजिटल भुगतान को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, नोटबंदी के बाद जारी किए दो हजार रुपये के नोटों में से आधे पहले ही वापस लिए जा चुके हैं और बचे हुए नोट सरकार के इस फैसले के परिणामस्वरूप वापस ले लिए जाएंगे।

ये तो होना ही था...असर सब पर होगा

दो हजार के नोट की वापसी का असर तो सभी वर्गों पर होगा। कोरोना के बाद से हर कोई आपातकाल के लिए पैसा रख रहा है। जमीन की खरीद-फरोख्त, स्थानीय स्तर पर आभूषण खरीदारी, विदेशी मुद्रा विनिमय जैसे अनधिकृत कारोबार में अब भी नकदी का चलता है। इन पर भी असर पड़ेगा।

सबसे बड़ा असर राजनीतिक क्षेत्र पर होगा। चुनावों में अक्सर नकदी वितरण में ज्यादातर नोट बड़ी रकम वाले होते हैं। इस साल कई राज्यों के चुनाव हैं, वहां असर दिख सकता है। बैंकों में 2016 की तरह लाइन लग सकती हैं। उन्हें कर्मचारी बढ़ाने होंगे। हालांकि, इस बार लोग पैसे जमा तो नहीं करेंगे, लेकिन बदलेंगे। इसका बैंकिंग तरलता पर कोई असर नहीं होगा। इस नोट की लांचिंग का जो मकसद बताया गया था, वह पूरा नहीं हुआ, लिहाजा इसे वापस होना ही था।

परिचालन संबंधी हो सकती है असुविधा

गांधी ने कहा, इस फैसले का भुगतान पर किसी भी प्रणालीगत प्रभाव की आशंका नहीं है क्योंकि इन नोटों का इस्तेमाल दैनिक भुगतानों में नहीं किया जाता है। ज्यादातर भुगतान डिजिटल माध्यम से होते हैं।हालांकि, मुद्रा बदलने के लिए एक दिन में 20,000 रुपये की सीमा 'परिचालन असुविधा' का कारण बन सकती है। हो सकता है कि कुछ लोगों को एक बैंक शाखा में कई बार जाना पड़े।

लोगों को घबराने की जरूरत नहीं : डॉ. कोहली

अर्थशास्त्री डॉ. शरद कोहली ने कहा, सरकार के इस फैसले को हम नोटबंदी नहीं बल्कि नोट बदली कह सकते हैं। हालांकि, 30

अतिरिक्त निगरानी उपायों से 22 मई से हटेगी एनडीटीवी

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्रणी शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई ने कहा कि अडाणी समूह की कंपनी एनडीटीवी 22 मई यानी सोमवार से अतिरिक्त निगरानी ढांचे से हट जाएगी। दोनों एक्सचेंजों ने 17 मार्च को एनडीटीवी को दीर्घावधि अतिरिक्त निगरानी उपाय (एएसएम) ढांचे के दूसरे चरण से पहले चरण में स्थानांतरित कर दिया था। बीएसई और एनएसई की वेबसाइटों पर उपलब्ध दो अलग-अलग परिपत्रों के अनुसार, शेयर को 22 मई से प्रभावी एएसएम ढांचे से बाहर रखा जाना है। दोनों शेयर बाजारों ने पिछले सप्ताह अडाणी समूह की कंपनियों- अडाणी टोटल गैस, अडाणी ट्रांसमिशन और अडाणी ग्रीन एनर्जी को एएसएम ढांचे से बाहर कर दिया था। अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अपनी रिपोर्ट में अडाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी और शेयरों में हेरफेर का आरोप लगाया था।

बंधन बैंक का चौथी तिमाही का मुनाफा 58 प्रतिशत घटकर 808 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली, एजेंसी। बंधन बैंक का शुद्ध मुनाफा मार्च 2023 को समाप्त तिमाही में 58 प्रतिशत घटकर 808 करोड़ रुपये रहा। कोलकाता स्थित निजी बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 1,902 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय एक साल पहले के 4,844 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,897.38 करोड़ रुपये हो गई। बैंक के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 1.50 रुपये यानी 15 प्रतिशत के लाभांश की सिफारिश की है। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक का शुद्ध लाभ घटकर 2,507 करोड़ रुपये रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 3,457 करोड़ रुपये था।

गेल ने एलएनजी न मिलने पर गैजप्रॉम के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने एलएनजी की आपूर्ति नहीं करने पर रूसी कंपनी गैजप्रॉम की इकाई के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की है। गेल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस के गुप्ता ने कहा कि कंपनी एलएनजी की आपूर्ति न होने से हुए नुकसान की भरपाई के लिए गैजप्रॉम से हर्जाना मांग रही है। हालांकि उन्होंने मांगी गई राशि का खुलासा नहीं किया। गुप्ता ने कहा कि इस मामले को लंदन में मध्यस्थता के जरिये सुलझाने के लिए रखा गया है और एक मध्यस्थ भी नियुक्त कर दिया गया है। हालांकि गैजप्रॉम ने अभी तक अपना प्रतिनिधि नामित नहीं किया है। गत वर्ष फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पैदा हुए विपरीत हालात में गैजप्रॉम ने गेल को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति रोक दी थी। गेल का गैजप्रॉम की जर्मन अनुषंगी के साथ एलएनजी आपूर्ति का करार था।

दिल्ली में दुकानदारों ने 2000 का नोट लेने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 2000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर किए जाने की घोषणा के बाद बाजारों में लेन-देन प्रभावित होने लगा है। आरबीरआई के ऐलान के कुछ मिनट बाद ही कहीं-कहीं बाजारों में कुछ हद तक 2016 की नोटबंदी जैसी स्थिति दिखाई देने लगी है। देर रात होते-होते राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में दुकानदारों ने दो हजार का नोट लेने से इनकार कर दिया। हालांकि होटल, बार, रेस्तरां और शराब की दुकानों पर लोगों ने जमकर दो हजार के नोट खर्च किए। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि आगे से माल की बुकिंग के लिए व्यापारियों ने दो हजार रुपये के नोट लेने से इनकार कर दिया है। उनकी तरफ से मांग की जा रही है कि 500 या उससे छोटे नोटों में ही भुगतान किया जाए। चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का कहना है कि मंडी व अन्य जगहों पर कारोबार करने के लिए नगद धनराशि की जरूरत होती है जो लोग बाहर से आते हैं या बाहर कहीं पेमेंट भेजनी होती है तो लोग दो हजार रुपये का नोट लेना पसंद करते थे क्योंकि उसे रखने में आसानी रहती थी। लेकिन आरबीआई की घोषणा के बाद लोगों ने दो हजार रुपये के नोट लेने से मना कर दिया है। दिल्ली से जुड़े कई व्यापारिक संगठनों के इस संबंध में फोन भी आ रहे हैं। अब शनिवार और रविवार को बैंक बंद है जिसके चलते बड़ी संख्या में लोगों का भुगतान रुक जाएगा। बाजार में चल रहे ~नासिक निवासी नेहा तेजावत बल्लभगढ़ में अपने मायके आई हुई है और शुक्रवार देर शाम वह बल्लभगढ़ के मुख्य बाजार में रोहतास मित्तल कपड़ा विक्रेता की दुकान पर गई। जहा उसने कपड़े खरीदे और उसने दुकानदार को 2000 का नोट दिया और उन्होंने नेहा तेजावत को 450 पैसे काट कर बाकी रुपये वापिस दे दिए। इस कारण बल्लभगढ़ की मार्केट में शुक्रवार देर शाम तक 2000 का नोट चल रहा था।

1500 में मांगा दो हजार का नोट

मयूर विहार फेज 1 स्थित पटपड़गंज रोड बाजार में हिन्दुस्तान संवाददाता ने दो हजार का नोट दुकानदार को दिया तो उसने लेने से मना कर दिया। स्टेशनरी संचालक ने कहा कि ये नोट बंद हो रहे हैं। अन्य दुकानदार ने खुल्ले पैसे न होने की बात कही। परचून वाले ने कहा कि अब इसे बैंक में जमा कराना। वहीं, एक अन्य दुकानदार ने मजाकिया लहजे में कहा कि 1500 रुपये के हिसाब से यह नोट ले लेगा।

वॉट्सऐप पर आने लगे बंद के संदेश

नोटबंद होने के समाचार के बाद से दुकानदारों ने दो हजार का नोट लेना बंद कर दिया। संवाददाता ने रात को गुप्ता जनरल स्टोर पर दुकानदार से सामान देने के लिए कहा। दो हजार का नोट सुनते ही दुकानदार ने कहा कि सामान नहीं मिलेगा, क्योंकि पीछे से होलसेल के दुकानदारों ने नोट न लेने का संदेश वॉट्सऐप पर भेज दिया है। दूसरे दुकानदार ने भी दो हजार के नोट से सामान देने से इनकार कर दिया।

20 अत्याधुनिक विशेषज्ञता के साथ पारुल यूनिवर्सिटी के 2 वर्षीय ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के लिए आवेदन शुरु

नई दिल्ली, एजेंसी। वडोदरा के सबसे बड़े एजुकेशन इंस्टिट्यूट में शामिल पारुल यूनिवर्सिटी ने अपने ऑनलाइन 2 वर्षीय, यूजीसी और एआईसीटीई से अप्रूव कोर्सेस के लिए आवेदनों का स्वागत किया है। वक्त के साथ इंडस्ट्री की बदलती मांगों को देखते हुए इंस्टिट्यूट स्टूडेंट्स के लिए 20 स्पेशलाइज़्ड अलग -अलग कोर्सेस ऑफर कर रहा है। यह कोर्सेस स्टूडेंट्स को अपनी अपनी फील्ड की नई चुनौतियों और मुश्किलों का कैसे सामना करना है इसके लिए मदद करेंगे।

कैंडिडेट्स जो अपनी-अपनी इंडस्ट्री में अपना एक ऊचा मुकाम पाना चाहते हैं। वह मांगी गई स्पेशलाइजेशन की लिस्ट में से इसे चुन सकते हैं। कृषि प्रबंधन, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, डिजिटल मार्केटिंग और बिक्री प्रबंधन, उद्यमिता और नवाचार विकास, परिवार-प्रबंधित व्यवसाय, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय, रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, फार्मास्युटिकल प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन,

सार्वजनिक नीति, खुदरा प्रबंधन, पर्यटन और घटना प्रबंधन, संचालन प्रबंधन, फोरेंसिक लेखा और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी जांच, व्यापार विश्लेषिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, विपणन प्रबंधन।

पारुल यूनिवर्सिटी सैंटर फॉर कन्टीन्युइंग एजुकेशन और ऑनलाइन लर्निंग के डायरेक्टर डॉ. कुंजल सिन्हा ने एडमिशन प्रोग्राम के पीछे यूनिवर्सिटी की क्या सोच है इसे लेकर बताया कि, पारुल यूनिवर्सिटी जब से शुरू हुई है उसकी एक ही सोच रही है और वह है एजुकेशन फिल्ड में सबसे आगे रहने की, इस फिल्ड में खुद को एक लीडर बनाने की। यूनिवर्सिटी का फोकस (ध्यान) एक इंडस्ट्री- एकेडमिक तालमेल के निर्माण पर है। जो कैंडिडेट्स को उन भूमिकाओं के बारे में एक अंदरूनी नजरिया प्रदान करता है जिन्हें वह हासिल करन का सपना रखते हैं। अब, हमारी इंडस्ट्री से संबंधित एजुकेशन (शिक्षा) ऑनलाइन मौजूद होगी, जिससे ज्यादा से ज्यादा होनहार कैंडिडेट्स (उम्मीदवारों) तक पहुंचने के लिए हमारे बैंडविड्थ का विस्तार होगा। पारुल यूनिवर्सिटी ने अपनी स्थापना के बाद से इस बात को ध्यान में रखते हुए कि क्रॉस-डिसिप्लिनरी तरीके भविष्य का रास्ता हैं, इसलिए हमने एक ऐसा फ्रेम वर्क (ढांचा) तैयार किया है जिसमे किसी तरह की कोई रुकावट नहीं है। यह फ्रेम वर्क कैंडिटेडस को एजुकेशन का वह कोर्स चुनने का मौका देता है जिसकी मदद से वह उस इंडस्ट्री के लिए पूरी तरह तैयार हो जाते हैं जिसमे वह अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। हाईब्रिड इंडस्ट्री जाने के इच्छुक कैंडिटेडस डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग और इंडस्ट्रियल रिलेशन (औद्योगिक संबंध) और पर्सनल मैनेजमेंट (कार्मिक प्रबंधन) में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के साथ दोहरी डिग्री का विकल्प चुन सकते हैं।

हम कैंडिडेट्स को अलग-अलग फिल्ड की बहुमुखी शिक्षा दे रहे हैं ताकि उन्हें अपनी ही फील्ड में उन्हें नए मौके मिल सके। पारुल यूनिवर्सिटी की एजुकेशन स्टूडेंट्स (छात्र केंद्रित शिक्षाशास्त्र) पर फोकस करती है जोकि इसकी स्कॉलरशिप कई (छात्रवृत्तियों) में साफ़ दिखाई देती है। पीजीडी प्रोग्राम (कार्यक्रम) में शुरूआती रजिस्ट्रेशन जिसमें प्रारंभिक (पंजीकरण) के लिए पूरी फीस पर स्कॉलरशिप (छात्रवृत्ति) और इंरोलिंग (नामांकन) करने वालों के लिए 30त्न स्कॉलरशिप शामिल है। यूनिवर्सिटी के पास उद्योग के विशेषज्ञों और शिक्षाविदों द्वारा डिजाइन किया गया एक व्यापक अपस्किलिंग प्लेटफॉर्म भी है जो केस स्टडीज, लाइव प्रोजेक्ट्स और सिमुलेशन के साथ कोर प्रोग्राम को पूरा करता है। सबसे जरुरी बात यह है कि पारुल यूनिवर्सिटी के 700 से ज्यादा उद्योग संघ प्रीमियम नेटवर्किंग अवसरों, उद्योग-प्रासंगिक कौशल और क्षेत्र के विशेषज्ञों से परामर्श में परिणत होते हैं। आज पारुल यूनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में कई ऊचाई छू रहा है, यूनिवर्सिटी की लेगेसी (उत्कृष्टता) की विरासत को प्रमाणित करते हुए शिक्षा क्षेत्र में कुछ सबसे प्रतिष्ठित सम्मान बताते हैं, जिनमें एसोचैम द्वारा भारत में सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालय, प्रबंधन गुजरात राज्य संस्थागत रेटिंग फ्रेमवर्क में 4 स्टार रेटिंग और बिजनेस स्टैंडर्ड स्कूल सर्वे द्वारा ए8 रैंक शामिल है। साल 2021 में 100 राष्ट्रीय पुरस्कार और रैंकिंग के साथ और राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालयों के प्रसिद्ध संघ के एक सदस्य, संस्थान को टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा भारत के शीर्ष 75 बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन संस्थानों में से एक माना जाता है।

आखिरी मैच हारने के बाद भावुक हुए शिखर धवन,कहा

हमारे प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही

धर्मशाला (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर 2023 के अपने आखिरी लीग मैच में हार का सामना करने के बाद खिताब की दौड़ से पंजाब किंग्स बाहर हो गई है। पीबीकेएस के कप्तान शिखर धवन ने आरआर से मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम ने 15-20 रन कम बनाए। मैन ऑफ द मैच देवदत्त पडिक्कल (51) और यशस्वी जायसवाल (50) की अर्धशतकीय पारियों के बाद शिमरोन हेटमायर के 46 रन के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग क प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी है।

पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 187 रन बनाए थे लेकिन राजस्थान ने दो गेंद शेष रहते छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सैम करन की नाबाद 49 रन की पारी के अलावा पांचवें विकेट के लिए जितेश शर्मा (44) के साथ 44 गेंद में 64 और छठे विकेट के लिए शाहरुख खान (नाबाद 41) के साथ 37 गेंद में 73 रन की अटूट साझेदारी के दम पर पंजाब किंग्स ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

मैच के बद धवन ने कहा, ' खराब शुरुआत के बाद जितेश, शाहरुख और करन ने मैच में हमारी वापसी कराई लेकिन हमने अच्छी गेंदबाजी नहीं की। मुझे लगता है कि इस मैदान पर 200 का लक्ष्य खड़ा करना अच्छा होता।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक मैच के तीनों विभाग में अच्छा करने में नाकाम रहे। यह एक युवा टीम है और हमारे प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही।'

धवन ने कहा कि कप्तान के तौर पर उन्होंने टूर्नामेंट में काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, ' एक कप्तान के रूप में मैंने बहुत कुछ सीखा है। हम गलतियां करते हैं और उनसे हम बहुत कुछ सीखते हैं। बता दें कि पंजाब किंग्स आईपीएल 2023 में अपने खेले गए 14 मैचों में से सिर्फ 6 मुकाबले ही जीतने में सफल हो पाई। उन्होंने 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में 8वें पायदान पर सीजन खत्म किया है।

'पंजाब में क्रिकेट की एक नई सुबह'

धारोकी गांव के गुलाब सिंह लड़कियों के अरमानों को दे रहे पंख

पंजाब (एजेंसी)। आने वाले समय में पंजाब की लड़कियां क्रिकेट की दुनिया पर पूरी तरह राज कर सकती हैं, क्योंकि इसका जिम्मा पंजाब के पटियाला जिले के गांव धारोकी के एक शख्स गुलाब सिंह शेरगिल ने उठा लिया है। पेशे से पंजाब पुलिस में कांस्टेबल शेरगिल एक एकड़ खेत की जमीन पर लड़कियों को ट्रेनिंग देते हैं और लड़कियों के लिए यह खेत ही क्रिकेट का मैदान है और वे कोच शेरगिल की एकेडमी में जमकर पसीना बहाती हैं। कांस्टेबल की कड़ी ड्यूटी के बाद शेरगिल रोज इन लड़कियों को अपनी निगराणी में ट्रेनिंग करवाते हैं और उनकी मेहनत रंग भी ला रही है, क्योंकि उनकी अकादमी की सात लड़कियों को पंजाब में अंडर -15 इंटरस्टेट क्रिकेट टूर्नामेंट में पटियाला का प्रतिनिधित्व करने के लिए पहले ही चुना जा चुका है।

गुलाब सिंह शेरगिल ने यह सब कोविड-19 लॉकडाउन के बीच शुरू किया, जब उन्होंने तय किया कि वह इस समय के बीच गांव के बच्चों को खेल में व्यस्त रखना चाहेंगे। शेरगिल जो एक क्रिकेटर बनना चाहते थे, वह सीमित संसाधनों की वजह से अपना सपना तो पूरा नहीं कर पाए, लेकिन वह इन लड़कियों के अरमानों को पंख दे रहे हैं। शेरगिल का कहना है कि वह संसाधन के अभाव में अपना सपना तो पूरा नहीं कर पाए, लेकिन वह इन लड़कियों के सपनों का मरना नहीं देना चाहते। उन्होंने अपने जीवन के एक पल को साझा करते हुए बताया कि कैसे उनके दिमाग में अपने गांव में एक क्रिकेट एकेडमी खोलने का विचार आया।

शेरगिल ने एक मीडिया संगठन से बात करते हुए कहा, मेरे गाँव में कोई कोच या क्रिकेट का मैदान नहीं था जहाँ मैं एक बच्चे के रूप में सीख सकता था। मुझे टीवी पर मैच देखना अच्छा लगता था लेकिन मुझे 22 गज की दूरी पर गेंद और बल्ले को स्विंग कराने का मौका नहीं मिला।

पुलिस में शामिल होने से पहले शेरगिल एक किसान थे, जब वह फसलों की कटाई के लिए गुजरात पहुंचे तो उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुनाफ पटेल के गांव का दौरा करते हुए देखा कि कैसे युवा क्रिकेटर खेतों पर प्रशिक्षण लेते हैं, इसी से उन्हें भी गांव में अपनी एक क्रिकेट एकेडमी खोलने का विचार आया।

शेरगिल ने इस घटना पर बात करते हुए कहा, एक विचार मेर दिमाग में आया कि क्यों न मेरे गाँव में एक इस तरह की एकेडमी का निर्माण किया जाए? अगर मुनाफ पटेल गांव के मैदानों पर प्रशिक्षण लेने वाले युवा क्रिकेटर भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं, तो मेरा बच्चा क्यों नहीं?

हालांकि गुलाब सिंह शेरगिल कि इस योजना ने रातोंरात आकार नहीं लिया, इसके लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा और कोविड लॉकडाउन में जहां पूरी दुनिया को कड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा, इसी बीच शेरगिल ने इस मुसीबतों का डटकर सामना किया और गांव में क्रिकेट एकेडमी खोलने की ओर एक बड़ा कदम उठाया और इस दौरान शेरगिल ने योजना बनाने के लिए पंजाब पब्लिक स्कूल, नाभा के क्रिकेट कोच श्री अभिषेक जलोटा से संपर्क किया।

अपने इस सपने को पूरा करने के लिए शेरगिल ने लगभग अपनी 1 एकड़ जमीन की फसल काटी और फिर बच्चों को उसी जमीन पर ट्रेनिंग देने लग गए। उनकी इस क्रिकेट एकेडमी में शुरुआत में लड़के और लड़कियां दोनों आते थे, लेकिन जैसे-जैसे सर्दी आती गई, केवल लड़कियां ही आती गईं, जिसपर शेरगिल ने कहा कि लड़कियों के जुनून को देखते हुए उन्होंने उन्हें जमकर प्रशिक्षित करने का फैसला किया।

शेरगिल ने कहा, ये बच्चे गंभीर हैं। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनना चाहते हैं। मैं मिस्टर जलोटा के साथ उन्हें मुफ्त में कोचिंग देता हूं। हालांकि शेरगिल के वेतन और खेती का पैसा सब जर्सी और उपकरण खरीदने में जाता है, इसके अलावा लड़कियों के लिए अच्छा आहार भी शेरगलि मुहैया करवाते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनका कहना है कि वह अपने सपनों को पूरा करेंगे। गुलाब सिंह शेरगिल को किसी से किसी भी वित्तीय सहायता की आवश्यकता नहीं है, उन्हें केवल इतना ही चाहिए कि उनके द्वारा प्रशिक्षित की गई लड़कियां आगे चलकर देश का प्रतिनिधितत्व करें।

भारतीय खेल प्राधिकरण साई

खिलाड़ियो ने कोच के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज करवाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोललगांव स्थित प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों ने केंद्र के प्रभारी और स्वीमिंग कोच मृणाल बासुमतारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। साइ की विज्ञप्ति के अनुसार शिकायत दर्ज करने वाली अधिकतर खिलाड़ी नाबालिग लड़कियां हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को पलटन बाजार स्थित पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की गई।

साइ ने रिर्पोट में कहा, साइ यौन उत्पीड़न के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलता है और इस मामले में भी उसी का पालन किया जाएगा ताकि हमारे खिलाड़ियों को न्याय मिल सके। गुवाहाटी में चयन ट्रायल के दौरान सोललगांव स्थित साइ प्रशिक्षण केंद्र के कुछ खिलाड़ियों और उनके कोच ने यह मामला उठाया।

यह मामला साइ के क्षेत्रीय केंद्र की आंतरिक समिति को भेजा गया और जांच शुरू हो चुकी है। साइ के गुवाहाटी केंद्र के सूत्रों ने कहा कि मामला बेहद संवेदनशील होने के कारण इससे प्राथमिकता के साथ निपटाया जा रहा है। उन्होंने हालांकि इस बारे में आगे जानकारी देने से इंकार कर दिया।

इंम्पैक्ट प्लेयर नियम के चलते अगले पांच साल तक खेल सकते हैं धोनी : युसूफ पठान

धर्मशाला (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने की खबरें चर्चा का विषय बनी हुई है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से साल 2020 में संन्यास ले चुके धोनी को लेकर ऐसा माना जा रहा है कि यह आईपीएल में उनका आखिरी सीजन होगा। धोनी के कई साथी क्रिकेटर और कई क्रिकेट एक्सपर्ट भी यह कह चुके हैं कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान धोनी का इस साल आईपीएल में आखिरी बार दिखेंगे।

वहीं अभी तक खुद धोनी ने अपने संन्यास को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन वह कई बार बातों-बातों में संन्यास को लेकर संकेत दे चुके हैं। हालांकि, धोनी को लेकर सभी का मानना है कि वह इस सीजन संन्यास ले लेंगे, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर यूसुफ पठान की सोच अलग है। युसूफ पठान का कहना है कि धोनी अगले पांच साल आईपीएल खेल सकते हैं। पठान का कहना है कि आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम से धोनी को काफी फायदा होगा और इस नियम के चलते आगे भी आईपीएल खेल सकते हैं। यूसुफ पठान ने कहा, एमएस धोनी को क्यों दिया जाना चाहिए? नया इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ धोनी 5 साल तक खेल सकते हैं। हालांकि वह कप्तान नहीं बने रह सकते हैं, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस उन्हें बल्लेबाजी और मेंटर के रूप में देखेंगे। यूसुफ ने आगे कहा मेरी राय में नए इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण धोनी अगले पांच साल तक खेलना जारी रख सकते हैं। उन्होंने अभी तक अपने संन्यास के बारे में कोई बात नहीं कही है और लोग खुद ही इसके बारे में बात कर रहे हैं। धोनी में अभी काफी क्रिकेट बाकी है। हमने देखा कि वह घुटन में दर्द के बावजूद बड़े-बड़े छक्के लगाते हैं, तो यह खेल के प्रति उनकी विशिष्टता को दर्शाता है।

अब रिंकू केकेआर के लिए एक्स-फैक्टर है, रसेल का टाइम चला गया : हरभजन

धर्मशाला(एजेंसी)। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने धमाकेदार प्रदर्शन कर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यही कारण है कि कई पूर्व दिग्गजों द्वारा रिंकू को टीम इंडिया में शामिल करने की मांग उठाई जा रही है। वहीं केकेआर अब इस सीजन का अपना आखिरी लीग मैच लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ भिड़ने को तैयार है। इस मुकाबले में एक बार फिर फैंस को रिंकू से बड़ी उम्मीदे हैं। लेकिन एक समय था जब आंद्रे रसेल केकेआर के लिए चर्चा में रहते थे। लेकिन अब रिंकू नाम छाया हुआ है। वहीं क्रिकेटर से कमेंटेटर बने हरभजन सिंह ने भी माना कि अब रिंकू केकेआर के लिए एक्स-फैक्टर है, जबकि रसेल का टाइम चला गया है।

स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, अब रिंकू केकेआर के लिए एक्स-फैक्टर बन गया है, रसेल नहीं। रसेल का युग चला गया है। अब रिंकू का समय है। यहां तक कि अगर रिंकू को ऊपर भेजा जाता है, तो वह अपनी भूमिका दे सकता है। वह अलग क्षमता का खिलाड़ी है और हम जल्द ही उसके सिर पर भारत की टोपी देखेंगे

रिंकू सिंह का बल्ला इस बार जमकर चला हैं। उन्होंने 13 मुकाबले खेलते हुए 407 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल रहे। उन्होंने 25 चौके तो 25 ही छक्के जमाए हैं। उन्होंने इस सीजन ही गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए लीग के एक मुकाबले में आखिरी ओवर में लगातार 5 छक्के लगाकर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

वहीं केकेआर हालांकि प्लेऑफ में जाने से चूक गया। उसके 13 मैचों मैचों में 12 अंक हैं। अगर वह अपना आखिरी मैच लखनऊ के खिलाफ जीत भी जाते हैं तो फिर दूसरी टीमों के नतीजों पर उन्हें निर्भर रहना होगा। लेकिन टीम का नेट रन रेट फिलहाल -0.256 है, जिस कारण टीम को ना सिर्फ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि आरसीबी, मुंबई की भी बड़ी हार की उम्मीद रखनी होगी।

ओजस और ज्योति ने लगातार दूसरा गोल्ड मैडल जीता

कोरिया की मजबूत टीम को हराया

शंघाई (एजेंसी)। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा ने अपना करिश्माई प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को कोरिया की मजबूत टीम को हराकर तीरंदाजी विश्वकप में लगातार अपना दूसरा गोल्ड मैडल जीता। भारत कि इस जोड़ी ने विश्व कप के पहले चरण में भी गोल्ड मैडल जीता था। उन्होंने दूसरे चरण में भी अपना शानदार प्रदर्शन दिखाकर और कोरिया की टॉप जोड़ी को 156-155 से पराजित किया।

भारतीय जोड़ी और किम जोंघो और ओह योह्युन की टॉप कोरियाई जोड़ी ने पहले तीन चरण में समान 39 अंक बनाए। चौथे और अंतिम चरण में हालांकि कोरियाई टीम दबाव में आ गई और वह 38 अंक ही बना पाई जबकि भारतीय जोड़ी ने फिर से 39 अंक बनाकर लगातार दूसरा गोल्ड मैडल अपने नाम किया। ज्योति यहां व्यक्तिगत वर्ग में शुरू में ही बाहर हो गई थी लेकिन इससे पहले उन्होंने अंताल्या में व्यक्तिगत वर्ग का भी स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह से 2023 में विश्वकप में अभी तक वह तीन स्वर्ण पदक जीत चुकी है। अब उनकी निगाह बर्लिन में होने वाली विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

ज्योति ने जीतने के बाद कहा हमने सही निशाने ध्यान केंद्रित किया – पूरे विश्व कप के दौरान हमारा तालमेल और निशाने साधने की प्रक्रिया शानदार रही। फाइनल में भी हमने सही निशाने लगाने पर ही अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होने कहा,'' विश्व चैंपियनशिप हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है तथा यहां स्वर्ण पदक जीतकर हमारा मनोबल बढ़ा है। हम अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

मैं वास्तव में भाग्यशाली था, जब गायकवाड़ हमारे कोच थे : तेंदुलकर

मुंबई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि जब अंशुमन गायकवाड भारत के कोच थे तो वे उनके क्रिकेट करियर के कुछ अच्छे वर्षों में से एक थे और वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन पर आप हमेशा भरोसा कर सकते हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज गायकवाड 1997 से 1999 तक भारत के कोच रहे थे। इस दौरान तेंदुलकर ने कुछ शानदार पारियां खेली थी जिनमें शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए गए दो शतक भी शामिल हैं।

तेंदुलकर ने शुक्रवार को गायकवाड़ की जीवनी 'गट्स एमिडस्ट ब्लडबाथ' के विमोचन के अवसर पर कहा, ''मैं वास्तव में भाग्यशाली था कि जब वह हमारे कोच थे तो मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला। संभवत- जब वह कोच से तो वे मेरे करियर के बेहतर वर्ष थे। हम मेरी बल्लेबाजी और मुझे कैसा रवैया अपनाना चाहिए इसको लेकर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा,'' प्रत्येक के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं लेकिन वह हमेशा आपकी मदद के लिए मौजूद रहते थे। वह ईमानदार और बेहद पारदर्शी थे। वह ऐसे व्यक्ति थे जिन पर आप भरोसा कर सकते थे। उनके साथ जो भी चर्चा होती थी वह हमेशा गोपनीय रहती थी। यह किसी कोच का महत्वपूर्ण गुण होता है। हम वास्तव में एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने गेंदबाजी करते हुए क्रीज पर दौड़ने की उनकी कमजोरी को दूर करने का श्रेय गायकवाड को दिया। जहीर ने कहा,''वह तब कोच थे जब पहली बार मैं क्रीज पर दौड़ने की समस्या से रूबरू हुआ। मैं अपने फॉलो-थ्रू पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा था लेकिन अंशु भाई ने इसे बहुत अच्छी तरह से संभाला। अगर वह मेरी इस कमजोरी को दूर करने में मदद नहीं करते तो मेरा टीम में चयन नहीं हो पाता।

शारजाह मास्टर्स शतरंज

प्रज्ञानन्दा की लगातार दूसरी जीत, सयुंक्त बढ़त पर पहुंचे

शारजाह (एजेंसी)। शतरंज इतिहास के सबसे मजबूत ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का दूसरा राउंड 39 मुकाबलों मे से सिर्फ 10 परिणाम लेकर आया जबकि 29 मुक़ाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए । दूसरे दिन के बाद सिर्फ दो खिलाड़ी भारत के आर प्रज्ञानन्दा और विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजून दो ही ऐसे खिलाड़ी है जो 2 अंको ओर खेल रहे है और अगले राउंड में दोनों के बीच मुक़ाबला होगा ।प्रज्ञानन्दा और जू के बीच इससे पहले दोनों के बीच 2019 में एक मुक़ाबला हुआ था जिसमें उस समय 13 वर्षीय प्रज्ञानन्दा जीतने में सफल रहे थे ।

दूसरे राउंड में प्रज्ञानन्दा का मुक़ाबला था हमवतन रौनक साधवानी से , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए प्रज्ञानन्दा नें राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन में रौनक के राजा के ओर के हिस्से में शुरुआत से दबाव बनाना शुरू कर दिया था पर खेल की 15वीं चाल में रौनक अपने घोड़े की कुछ चाले चलते समय उनके राजा पर होने वाले आक्रमण को ठीक तरह से नहीं समझ पाये और उसके बाद उनका खराब ऊंट और राजा की खराब स्थिति 37 चालों में उनकी हार का कारण बनी । वहीं भारत के दिग्गज खिलाड़ी विदित गुजराती को चीन की महिला विश्व शतरंज चैम्पियन जू वेंजून के हाथो अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा , विदित सफ़ेद मोहरो से वेंजून के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से किंग्स पान ओपनिंग में एंडगेम में लगातार गलतियों के चलते 51 चालों में बाजी हार गए ।

अन्य प्रमुख परिणामों में ईरान के परहम मघसूदलू नें उक्रेन के अंटोन कोरोबोव से ,भारत के डी गुकेश नें बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव से , भारत के एसएल नारायनन नें चीन के यू यांगयी से ,भारत के अर्जुन एरिगासी नें टरकी जे यिलमज मुस्तफा से ,भारत के अरविंद चितांबरम नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से और भारत के निहाल सरीन नें जॉर्जिया के मिखाइल मिखिश्विली से बाजी ड्रॉ खेली ।

पाकिस्तानी हॉकी कोच ने दिया इस्तीफा 12 महीने से नही मिली थी सैलरी

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के हॉकी कोच सिगफ्रीड एकमैन ने पिछले 12 महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। एकमैन ने पिछले साल पाकिस्तान की हॉकी टीम का कोच पद संभाला था। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए मुख्य कोच पद छोड़ने की घोषणा की। नीदरलैंड के रहने वाले एकमैन पिछले साल के आखिर में वेतन विवाद के कारण स्वदेश लौट गए थे लेकिन उन्होंने बकाया वेतन नहीं मिलने के कारण पद नहीं छोड़ा था। कोई समाधान नहीं होने के कारण उन्होंने आखिर में इस्तीफा दे दिया। एकमैन ने जिस समय पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को अपना इस्तीफा भेजा, उसी समय नीदरलैंड के रहने वाले अन्य कोच रोलेंट ओल्टमैंस पाकिस्तान पहुंचे। वह रविवार को राष्ट्रीय जूनियर टीम के साथ मस्कट के लिए रवाना होंगे जहां पाकिस्तान की टीम एशिया जूनियर कप में भाग लेगी। पीएचएफ ने यह नहीं बताया कि ओल्टमैंस के वेतन का भुगतान कौन करेगा या एकमैन का बकाया चुकाया जाएगा या नहीं।

आईपीएल 2023 : चार मुकाबलों से तय हो जाएंगी टॉप-4 टीमें प्वाइंट्स टेबल के समीकरण

धर्मशाला (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के 66वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स पर 4 विकेट की जीत के साथ अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है, वहीं पंजाब किंग्स हार के बाद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। ग्रुप स्टेज की तीन टीमें- दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। गुजरात टाइंट्स के अलावा अब तक कोई भी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है और अब ग्रुप स्टेज में सिर्फ 4 मुकाबले बाकी हैं। यह 4 मुकाबले सभी ही टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इन चार मुकाबलों से तय होगा कि गुजरात के अलावा कौनसी 3 टीमें प्लेऑफ यानी टॉप-4 में पहुंचेगी।

ग्रुप स्टेज के चार मुकाबले बाकी

DC vs CSK - 20 मई
KKR vs LSG - 20 मई
MI vs SRH - 21 मई
RCB vs GT - 21 मई

चेन्नई और लखनऊ की जीत के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की

चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स अपना-अपना आखिरी मुकाबला जीत लेती हैं तो यह दोनों टीमों प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेंगी। इन दोनों टीमें के पास 13 मैचों में 7 जीत और एक बेनतीजा मैच के साथ 15 अंक हैं। चेन्नई प्वाइंट्स टेबल पर दूसरे स्थान पर है और लखनऊ तीसरे स्थान पर। वहीं अगर ये दोनों टीमें अपना आखिरी मुकाबला जीत लेती हैं तो दोनों टीमें 17 अंक के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेंगी।

चेन्नई और लखनऊ हारी, तो आसान हो जाएगा मुंबई और बैंगलोर का राह – चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स अपना आखिरी मुकाबला हार जाती है तो इन दोनों टीमें के 15-15 अंक रह जाएंगे। इस स्थिति में अगर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस अपना-अपना आखिरी मैच जीत जाती हैं तो दोनों टीमें के 16-16 अंक हो जाएंगे और दोनों ही टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेंगी।

अगर मुंबई और बैंगलोर अपना आखिरी मुकाबला जीत लेती हैं और चेन्नई और लखनऊ अपना आखिरी मैच हार जाती हैं तो इस स्थिति में मुंबई और बैंगलोर 16 अंकों के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेगी, लेकिन इस स्थिति में लखनऊ और चेन्नई के पास 15-15 अंक ही रह जाएंगे। फिर लखनऊ और चेन्नई सुपर किंग्स में बेहतर नेट रन रेट वाली टीम चौथे स्थान पर रह कर 15 अंकों के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बनेगी। हालांकि, अगर चेन्नई और लखनऊ अपना आखिरी मैच जीत जाती है तो, मुंबई और बैंगलोर के लिए अपना आखिरी मैच जीतना बेहद जरूरी होगा।

बनने से पहले ही विपक्षी एकता में पड़ने लगी दरार, सीट शेयरिंग पर कांग्रेस और उद्धव की शिवसेना में तकरार

मुंबई, एजेंसी।
देश में अगले साल लोकसभा के चुनाव होने वाले हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में महाराष्ट्र का दौरा किया था, जहां उनकी मुलाकात एनसीपी के मुखिया शरद पवार और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से हुई थी। हालांकि, महाराष्ट्र से जो अब खबरें आ रही हैं, वह विपक्षी एकता को झटका देने जैसी है। जी हां, महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में शामिल घटक दलों (एनसीपी, शिवसेना (उद्धव गुट), कांग्रेस) के बीच आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा होते ही मतभेद सामने आ रहे हैं।

इस सियासी घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि कांग्रेस और शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के बीच शिवसेना के 13 सांसदों की सीट पर टकराव देखने को मिल रहा है। ये सभी सांसद एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए थे।

कांग्रेस मुंबई की दक्षिण मध्य सीट अपने पास रखना चाहती है। 2019 के चुनाव में शिवसेना को यहां सफलता मिली थी। राहुल शेवाले इस सीट से सांसद हैं, जो कि अब शिंदे गुट में शामिल हैं। दलित मतदाताओं की संख्या को देखते हुए कांग्रेस यह सीट अपने पास रखना चाहती है। 2009 के चुनाव में कांग्रेस के दलित नेता एकनाथ गायकवाड़ ने शिवसेना के दिग्गज नेता मनोहर जोशी को पटखनी दी थी। कांग्रेस का मानना है कि शेवाले के शिंदे गुट में शामिल होने के साथ वह उद्धव गुट से यह सीट छीनने के लिए मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा मुंबई की दक्षिण मध्य सीट पर भी कांग्रेस दावा ठोक रही है।

रामटेक सीट को लेकर भी आपस में कलह है। सांसद कृपाल तुमाने के शिंदे कैंप में शामिल होने के बाद यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष कुणाल राउत ने इस सीट पर दावा ठोक दिया है। आपको बता दें कि सिर्फ उन्हीं सीटों पर विवाद नहीं है, जहां के सांसदों ने शिंदे कैंप का दामन थाम लिया है। इसके अलावा भी कई ऐसी सीटें हैं, जहां विवाद है। कांग्रेस की नजर उद्धव गुट के अरविंद सावंत की मुंबई दक्षिण लोकसभा सीट पर भी है। कांग्रेस इन सीटों पर दावा करने के लिए जो तर्क दे रही है, वह यह है कि शिवसेना ने 2019 में भाजपा के साथ गठबंधन के कारण यह सीट जीता था। कांग्रेस के एक नेता ने कहा, मुंबई दक्षिण की सीटें कांग्रेस का गढ़ है। शिवसेना को 2019 में सिर्फ इसलिए यहां जीत हासिल हुई क्योंकि यहां पर वह भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी थी।

भाजपा जब से सत्ता में आई तब से लोगों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा

लखनऊ, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा जब से सत्ता में आई है तब से लोगों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। समाज का हर वर्ग परेशान है। किसान और गरीब सभी महंगाई की मार झेल रहे हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को अपने जारी बयान में कहा कि भाजपा की केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकारें जनता को सिर्फ झूठे आश्वासन दे रही हैं। जनता अब समझ चुकी है और वह भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं है। परेशान जनता अब बस चंद महीनों के बाद ही होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का इंतजाम कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही चुनाव समाप्त हुए खाद्य सामग्री लोगों की पहुंच से बाहर होने लगी है। अरहर की दाल 30 रुपए महंगी हो गई। बेसन, चीनी, रसोई गैस के भी दाम बढ़ गए। किसान को फसल की लागत भी नहीं मिल रही है जबकि खाद, बीज, कीटनाशक आदि के दाम बढ़ रहे हैं। अब लोग क्या करें? कैसे अपनी जिंदगी चलाएं? अखिलेश यादव ने कहा कि किसान की तो बहुत ही दुर्दशा है। खेती-किसानी अब मुनाफे का धंधा नहीं रह गयी है। किसाने हमेशा घाटे में रहते हैं। भाजपा सरकार एमएसपी का बहाना क्यों करती है? जबकि किसानों को उसकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कभी नहीं मिला है। गेहूं, धान के क्रय केंद्रों पर किसान की फसल की खरीद में तमाम अड़चने लगाई जाती हैं। घटतौली, समय से भुगतान न होने की शिकायतें आम हैं। क्रय केंद्रों की अव्यवस्था के चलते निराश किसान अपनी फसल को बिचौलियों के हाथ औने-पौने दाम पर बेचने को मजबूर हो जाता है। भाजपा सरकार द्वारा इस बार लक्ष्य से भी कम गेहूं की खरीद की गई है। किसान को अनावृष्टि, ओले से क्षति की मार भी झेलनी पड़ती है। खेत, खलिहानों में अग्निकांड की भी घटनाएं होती हैं। किसान की इस तबाही में राहत के नाम पर भाजपा सरकार सिर्फ फरेब करती है।

ट्रॉली में 25 सवारियां, हाई स्पीड और ड्राइवर की लापरवाही, कोटा में सड़क हादसा; 24 घायल

कोटा, एजेंसी।
कोटा-रावतभाटा रोड रंतकांकरा और दौलतगंज के बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार 24 लोग घायल हो गए। जिनमें से 20 लोगो को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। इस मामले में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और हादसा करने का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, हादसे की वजह किसी पशु या वाहन के सामने आने की बात कही जा रही है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि डाबी इलाके की दिसालिया निवासी बाबूलाल भील अपने गांव के ही व्यक्ति का ट्रैक्टर किराए पर लेकर कोटा जिले के रथकांकरा में देवी देवताओ की रसोई करने के लिए पहुंचा था। वापस लौटते समय रावतभाटा रोड स्थित दौलतगंज और रथकांकरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रैक्टर ट्रॉली में महिला पुरुष और बच्चे सहित 25 लोग सवार थे। वहीं हादसे के बाद कुछ लोग ट्रॉली के नीचे दब गए जिनको कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। हादसे में घायल सवारियों ने बताया कि जिस समय रथकांकरा से ट्रैक्टर ट्रोली सवारियों को लेकर रवाना हुई थी। तभी से ट्रैक्टर चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। कई बार उसको रोका गया लेकिन जल्दबाजी के चक्कर में अपने वाहन की स्पीड धीरे नहीं की। इसी दौरान वाहन घुमाते ही अचानक संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। गनीमत रही कि उस समय आसपास से वाहन निकल रहे थे।

केंद्र के अध्यादेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी दिल्ली सरकार, संसद से सड़क तक लड़ाई का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी।
आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार जल्द ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ जाकर लाए गए केंद्र के अध्यादेश को फिर से सुप्रीम कोर्ट में चुनैती देगी। संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की सरकार का एक ही मकसद है कि किस तरह से दिल्ली सरकार को जनता के हित में काम करने से रोका जाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार न संविधान से चलना चाहती है और ना ही अदालत के फैसले को मानती है। रात के अंधेरे में लाया गया तुगलकी एवं काला अध्यादेश इस बात का गवाह है कि केंद्र की सरकार दिल्ली सरकार के हर अच्छे काम को रोकना चाहती है। उन्होंने कहा कि जिस दिन सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का फैसला आया,उस दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहां कि प्रधानमंत्री को अभिभावक और पिता के समान होना चाहिए लेकिन अध्यादेश लाने से साफ हो गया है किस देश का लोकतंत्र खतरे में है।

संजय सिंह ने कहा कि भाजपा हर हाल में तानाशाही और डंडे से सरकार चलाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद कोई भी परिवर्तन और अध्यादेश संविधान के दायरे में होगा उससे बाहर जाकर कोई अध्यादेश नहीं लाया जा सकता है। उसके बावजूद भी ऐसा अध्यादेश लाए दिल्ली सरकार के काम रोकने के लिए है।

आप सांसद ने भाजपा और प्रधानमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि गरीब और आम आदमी परेशान और गरीब और परेशान ही बना रहे। उन्होंने कहा कि अध्यादेश का यह मामला जब सुप्रीम कोर्ट जाएगा तो केंद्र को वहां फिर मुंह की खानी पड़ेगी। हम संसद से सड़क तक इसका विरोध करेंगे। गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार दिल्ली के अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए शुक्रवार को एक अध्यादेश लेकर आई। इसके जरिए दिल्ली में अधिकारियों की तैनाती, तबादलों और विजिलेंस से जुड़े मामलों के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिविल सर्विस प्राधिकरण बनाने का फैसला किया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के पदेन अध्यक्ष होंगे। दिल्ली के मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव (गृह) भी इसमें शामिल होंगे। प्राधिकरण बहुमत के आधार पर फैसला लेगा। यानी मुख्यमंत्री अकेले फैसला नहीं कर पाएंगे। विवाद होने की स्थिति में अंतिम फैसला उपराज्यपाल का होगा।

घपला या लापरवाही? गुरुग्राम नगर निगम ने एक साल में करोड़ों खर्च कर दूसरे इलाके में बना दी सड़क

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्राम नगर निगम के अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने मिलीभगत कर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के सेक्टर में सड़क निर्माण और मार्केट के सौंदर्यीकरण पर एक साल में चार करोड़ रुपये खर्च कर दिए। वहीं, निगम ने अपने इलाकों में जहां सड़क बनाने की जरूरत थी, वहां पर निर्माण करना तो दूर सर्वे तक नहीं करवाया। ऐसे में निगम अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़ा हो गया है। इसका खुलासा होने के बाद निगमायुक्त ने जांच के आदेश दिए हैं।

एचएसवीपी के करीब 50 सेक्टर नगर निगम में शामिल किए गए थे। इस दौरान सेक्टरों में साफ-सफाई, पानी की आपूर्ति, सड़कें, पार्क सभी नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया था, लेकिन एचएसवीपी ने सेक्टरों में बनी मार्केट में अपने ही दायरे में रख लिया था। मार्केट की दुकानों से आय एचएसवीपी को होती है। मार्केट में सड़क, सौंदर्यीकरण समेत सभी प्रकार के कार्य एचएसवीपी को करने होते हैं। निगम इन मार्केट में कार्य नहीं करवा सकता है। नगर निगम अधिकारियों ने मिलीभगत कर सेक्टर-9 की मार्केट में करीब ढाई करोड़ रुपये खर्च कर दिए। दस दुकानों के लिए इतनी बड़ी रकम खर्च कर दी गई, जबकि इस मार्केट में लोगों को ज्यादा अवागमन नहीं होता है। बावजूद इसके निगम अधिकारियों ने मार्केट में खाली पड़ी करीब एक एकड़ जमीन पर आरएमसी की सड़क बना दी है। इस सड़क से ना तो दुकानदारों को कोई फायदा मिल रहा है और ना ही सेक्टर के लोगों को। सेक्टरवासियों का आरोप है कि इस सड़क की बजाय अगर दुकानों की आगे ही सड़क पक्की कर दी जाती तो निगम के राजस्व की बचत की जा सकती थी।

जमीन खरीद का नहीं लिया प्रमाणपत्र? बढ़ सकती हैं मुश्किलें, लग सकता है झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर 2022 अंत तक आईटी-आईटीएस और औद्योगिक भूखंडों का निर्माण कर क्रियाशील सर्टिफिकेट नहीं लेने वाले मालिक अब बड़ी आफत में फंस गए हैं। अगर शासन ने आवंटन बहाल नहीं करने और तय समय को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी तो भूखंड मालिकों को बड़ा झटका लगेगा। उनका भूखंड आवंटन बहाल नहीं हो सकेगा। 536 में करीब 70 भूखंडों का आवंटन प्राधिकरण निरस्त कर चुका है। शासन के जबाव का नोएडा प्राधिकरण इंतजार कर रहा है। कोरोना के कारण औद्योगिक और संस्थागत संपत्ति के आवंटियों को दिसंबर 2022 अंत तक निर्माण का अंतिम मौका दिया गया था। शर्त थी कि तय समय में क्रियाशील प्रमाण पत्र ले लिया जाए या अधिभोग प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया जाए। ये शर्त पूरी नहीं करने वाले 500 से अधिक भूखंडों का आवंटन निरस्त करने की तैयारी प्राधिकरण ने शुरू कर दी है। इनमें से 25 संस्थागत सहित करीब 70 भूखंडों का आवंटन निरस्त कर दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2020 में कोरोना की पहली लहर आने के कारण सबकुछ बंद हो गया था। ऐसे में निर्माण कार्य भी बंद हो गए।

गुरुग्राम में फिर गरजा बुलडोजर, जमींदोज किए गए 20 गोदाम

नई दिल्ली, एजेंसी। जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन (डीटीपी) ने शुक्रवार को सेक्टर-37 में खांडसा में अवैध रूप से बनाए गए 20 गोदामों को ध्वस्त कर दिया। इसमें सात निर्माणाधीन गोदाम भी शामिल हैं। यहां पर बनाए सड़क नेटवर्क को समतल कर दिया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि दोबारा से अवैध निर्माण किया गया तो मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। कार्यवाहक डीटीपी बिनेश कुमार एटीपी दिनेश सिंह, जेई आनंद, नवीन, प्रशांत और ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं जीएमडीए के एसडीई शेखर नांदल के साथ शुक्रवार दोपहर को सेक्टर-37 पहुंचे। खांडसा में कुछ जगहों पर अवैध रूप से गोदाम बनाए गए थे। अवैध रूप से बनाए गए 13 गोदामों के अलावा सात निर्माणाधीन गोदाम, पांच डीपीसी स्तर तक के निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। एटीपी ने कहा कि सीएम विंडो पर शिकायत की गई थी कि बिना अनुमति के गोदाम बनाए गए हैं। विभाग के नोटिस पर संतोष जनक जवाब नहीं दिया गया।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के संपदा दफ्तर-2 के सर्वे ब्रांच टीम ने शुक्रवार को सेक्टर-45 के कन्हई गांव में फिर से तोड़फोड़ की। दोपहर तीन बजे से लेकर शाम सात बजे तक 113 अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई का ग्रामीणों ने विरोध किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की वजह से उनकी एक नहीं चली। यह कार्रवाई एसके राना के नेतृत्व में की गई। एसडीई सर्वे-2 ज्ञानचंद सैनी ने बताया कि सवा एकड़ पर लोगों ने कब्जा करके छोटे-छोटे रूम बनाकर किराया वसूल रहे थे। इस कार्रवाई में 90 छोटे रूम, 50 कबाड़ी की दुकान, मैकेनिक, टिन शेड और ढाबे तोड़े गए हैं। गुरुग्राम समेत पूरे दिल्ली-एनसीआर में बुलडोजर का एक्शन लगातार जारी है। इससे पहले भी कई जगहों पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी।

अमेरिकी सेना पर आरोप- आतंकी की जगह किसान को मारा

सीरिया में अलकायदा लीडर पर यूएस स्ट्राइक के 16 दिन बाद आर्मी बोली- जांच करेंगे

न्यूयार्क, एजेंसी।
अमेरिका की सरकार एक ऐसे मामले की जांच करेगी जिसमें उसकी सेना पर अलकायदा लीडर की बजाए एक गरीब किसान को मारने के आरोप लगे हैं। सेना ने ये स्ट्राइक 3 मई को सीरिया के कुरकानिया गांव में की थी।

शुक्रवार को अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के मेजर जोन मूर ने कहा- हम सीरिया में स्ट्राइक के नतीजे की जांच कर रहे हैं। इस बात का पता लगाया जाएगा कि क्या इसमें आम नागरिक की मौत हुई थी या नहीं।

स्ट्राइक के चंद घंटों बाद उसमें मरने वाले गरीब किसान के भाई 72 साल के मोहम्मद मस्तो ने अमेरिकी सेना के हमले पर सवाल उठाए थे। उसने बताया था कि स्ट्राइक में उसके 56 साल के भाई लोत्फी हसन मस्तो की मौत हुई थी। वो कोई अलकायदा का लीडर नहीं था, बल्कि शांति से अपने 10 बच्चों और पत्नी के साथ रहता था।

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक 56 साल के मस्तो के बारे में गांव वालों ने कहा कि उसने पूरी जिंदगी गरीबी में गुजारी। अमेरिका के अटैक के दौरान वो अपनी भेड़ चरा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उस पर हैलफायर मिसाइल से हमला हुआ है। वहीं अमेरिकी डिफेंस के अधिकारी ने बताया है कि वो पूरी तरह यकीन नहीं है कि हमले में अलकायदा का लीडर ही मारा गया है। वहीं पेंटागन ने स्ट्राइक से जुड़ी और जानकारियां देने से इनकार कर दिया। 2021 में अमेरिकी न्यूजपेपर न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक जांच की थी। जिसमें पेंटागन की डॉक्यूमेंट्स का हवाला देते हुए बताया गया था कि मिडल ईस्ट में अमेरिका ने कई ऐसी एयर स्ट्राइक की हैं, जिसमें आतंकियों की बजाए 1300 आम नागरिकों की मौत हुई। हालांकि, इसके जिम्मेदार किसी भी अधिकारी पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। सीरिया में आतंक मिटाने के नाम पर सालों से अमेरिका स्ट्राइक कर रहा है। 2016 में जुलाई में अमेरिका ने दावा किया था कि उसके हमले में इस्लामिक संगठन के 85 लड़ाके मारे गए। बाद में खुलासा हुआ कि स्ट्राइक में लड़ाकों की बजाए सीरिया के 120 गांव वाले लोगों की मौत हुई।

कुछ घंटों की नवजात को प्लास्टिक बैग में बांधकर फेंका, डीएनए टेस्ट के बाद हुई मां की पहचान

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में पुलिस ने 2019 में हत्या का प्रयास करने वाली एक 40 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। दरअसल, इस महिला ने अपने नवजात बच्ची को मरने के लिए प्लास्टिक बैग में भरकर कचरे की तरह जंगल में फेंक दिया था।

बच्ची का डीएनए टेस्ट करने के बाद करीमा जिवानी को उसकी जैविक मां के रूप में पहचाना गया और इसके बाद पुलिस ने गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, अब तक महिला की राष्ट्रीयता का पता नहीं चला है। जानकारी के मुताबिक, फोर्सिथ काउंटी के शेरिफ रॉन फ्रीमैन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर हत्या के प्रयास, बच्चों के साथ क्रूरता, हमले और लापरवाही से छोड़ने के आरोपों में जिवानी की गिरफ्तारी की घोषणा की। 6 जून, 2019 को, जंगल के पास रह रहे एक व्यक्ति ने फोन कर के बुलाया। उस नागरिक ने बताया कि उसे और उसके बच्चों को जंगल से एक बच्ची के रोने की आवाज आ रही है। माना जा रहा है कि बच्चा महज कुछ घंटे का था।

कुछ घंटों की नवजात को प्लास्टिक बैग में बांधकर फेंका: डिप्टी टेरी रोपर ब्रश एक बंधे हुए प्लास्टिक बैग के पास आए, जिसमें एक बच्ची थी, जिसका गर्भनाल अभी भी जुड़ा हुआ था। इसके तुरंत बाद नवजात को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और उसकी देखभाल करने वाली नर्सों ने उस बच्ची को बेबी इंडिया के नाम से पुकारना शुरू कर दिया। शेरिफ फ्रीमैन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम लगातार इस बात की जांच में लगी हुई थी कि आखिर बच्चे की मां कौन है और उनको जांच में सफलता मिल गई। फ्रीमैन ने कहा कि अपने 33 सालों के कार्यकाल में उन्होंने कभी इतनी शिद्दत से किसी की गिरफ्तारी नहीं चाही थी, जितनी इस घटना के आरोपी की चाहते थे। शेरिफ ने भावुक होते हुए कहा, इस बच्चे को प्लास्टिक के बैग में बांध दिया गया और कचरे के बैग की तरह जंगल में फेंक दिया गया। आरोपी महिला ने कथित तौर पर एक कार में बच्ची को जन्म दिया और शिशु को एक जंगल में छोड़ दिया। इसके बाद वो तुरंत वहां से भाग गई। अधिकारी ने बताया कि बेबी इंडिया के पिता जिवानी की प्रेग्नेंसी के बारे में नहीं जानते थे और उन पर कोई आरोप नहीं है।

काशी विश्वनाथ धाम में जर्मन हैंगर व मैट से भक्तों को तपिश से राहत

वाराणसी, एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम में अब शिवभक्तों को ना तो धूप लगेगी और ना ही बरसात का असर होगा। इसके लिए सरकार तरफ से जर्मन हैंगर, मैट और वाटर कूलर की व्यवस्था की गई है। इससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिल रही है। महादेव के भक्तों को बाबा के दरबार में पहुंचने में कोई परेशानी न हो इसके लिए योगी सरकार ने हर तरह के प्रबंध किये हैं। चिलचिलाती धूप और तापमान से जलती जमीन से श्रद्धालुओं को बचाने के लिए योगी सरकार श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के विस्तारित आंगन में मैट बिछवाकर जर्मन हैंगर से छांव की व्यवस्था करा दी है। वहीं उमस भरी गर्मी में एयर कूलर से बाबा के भक्तों को सावनी फुहार जैसी राहत मिल रही है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के विस्तारित आंगन में भक्तों के लिए वाटर कूलर की भी व्यवस्था की गई है। बाबा की भक्ति में डूबे भक्तों को जर्मन हैंगर बरसात में भी बारिश से भींगने से बचाएगा। धाम के एसडीएम शम्भू शरण ने बताया कि तापमान बढ़ने से श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हो रही थी। इसके चलते कतार में लगने वाले श्रद्धालुओं को धूप लग रही थी, वहीं तपन से फर्श पर पांव जल रहे थे और उमस भरी गर्मी से श्रद्धालुगण बेहाल हो रहे थे। इसके लिए मंदिर प्रशासन ने गंगाधर (गंगा द्वार) से मंदिर चौक परिसर होते हुए मंदिर जाने तक वाले मार्ग पर जर्मन हैंगर, कैनोपी, मैट, 10 वाटर कूलर, 22 इंडस्ट्रियल एयर कूलर लगवाया है, इससे देश के कोने-कोने से आने वाले बाबा के भक्तों को काफी राहत मिल रही है। एसडीएम शम्भू शरण ने बताया कि श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में लगा अस्थाई जर्मन हैंगर बरसात तक रहेगा। गर्मी से बचाव के साथ ही बारिश में भी भक्तों को भीगने से बचाएगा। योगी सरकार देवाधिदेव महादेव के भक्तों को सुगम दर्शन सुरक्षा और सुविधा देने के लिए पहले दिन से ही कटिबद्ध है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने कहा कि गर्मी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जर्मन हैंगर के साथ ही पानी का भी इंतजाम धाम क्षेत्र में जगह-जगह किया गया है।

यूएस ने लगाया बैन तो भड़क गया रूस, बराक ओबामा समेत 500 अमेरिकी नागरिकों की एंट्री कर दी बैन

मास्को एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा पर रूस ने अपने देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। रूस के मंत्रालय के एक बयान के अनुसार कहा गया कि वो 500 अमेरिकियों पर प्रतिबंध लगा रहा है, जिसमें अमेरिकी कार्यकारी शाखा के कई वरिष्ठ सदस्य शामिल हैं। ओबामा के अलावा, सूची में पूर्व अमेरिकी राजदूत जॉन हंट्समैन, कई अमेरिकी सीनेटर और संयुक्त प्रमुखों के अगले अपेक्षित अध्यक्ष चार्ल्स क्यू ब्राउन जूनियर भी शामिल हैं। प्रसिद्ध अमेरिकी देर रात टीवी शो के मेजबान जिमी किमेल, कोलबर्ट और सेठ मेयर्स भी हैं जिन्हें रूस द्वारा देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

सीएनएन के अनुसार, रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि संलग्न सूची-500 में सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वे लोग भी शामिल हैं जो तथाकथित स्टॉर्मिंग द कैपिटल के मद्देनजर असंतुष्टों के उत्पीड़न में सीधे तौर पर शामिल हैं। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि

अमेरिका को ये बात बहुत पहले ही सीख लेना चाहिए था कि हमारे खिलाफ एक भी दुश्मनी वाला फैसलें को हम यूं ही नहीं छोड़ेंगे. रूस ने जिन अमेरिकियों पर बैन लगाया है उनमें बराक ओबामा के अलावा टेलीविजन होस्ट स्टीफन कोलबर्ट, जिमी किमेल और सेठ मेयर्स भी शामिल थे रूसी मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में प्रतिबंधों को उचित ठहराया, जिसमें कहा गया कि वाशिंगटन के लिए यह सीखने का सही समय है कि रूस के खिलाफ एक भी शत्रुतापूर्ण हमला पर जबाव मिलेगा। रूस के इस कदम को अमेरिका के उस फैसले का जवाब माना जा रहा है, जिसमें अमेरिका ने रूस की सैकड़ों कंपनियों और व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129